

No. 30 Missing
26 July

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 27] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 4, 1981 (आषाढ़ 13, 1903)

No 27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 4, 1981 (ASADHA 13, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड ।

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 जून 1981

सं० ए० 32014/2/80-प्रशा०-II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एवंद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों को 1-6-1981 से 31-8-81 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियन्त्रक (त० सं०) के पद पर पदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

1. कुमारी संतोष हांडा

2. श्री एस० पी० बंसल

3. श्री बी० आर० गुप्ता

पी० एस० राणा,
अनुभाग अधिकारी
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8, जून 1981

सं० ए० 32014/2/81-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एवंद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के भी पुस्तकाध्यक्ष तथा स्थानापन्न संदर्भ पुस्तकाध्यक्ष श्री

ओ० पी० अरोड़ा को 29-5-81 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० एस० राणा
अनुभाग अधिकारी,
कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 मई 1981

सं० ए० 19014/5/77-प्रशा० I—इस कार्यालय के समसंख्यक आदेश दिनांक 25 मई, 1981 के अनुक्रम में भा० रे० ले० से० के अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर कार्यरत श्री एस० बालचंद्रन को 27 मई, 1981 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से कार्यभार मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 30 मई 1981

सं० ए० 32013/1/81-प्रा० I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थाबी अनुभाग अधिकारी सर्वश्री आर० एन० शर्मा, एच० एम० विश्वास तथा बी० के० भट्टाचार्य को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए संघ

(8055)

लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर तदर्थं श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :—

क्र०	नाम	अवधि
सं०		
सर्वश्री		
1. आर० एन० शर्मा	17-2-81 से 16-5-81 तक	
2. एच० एम० विश्वास	—वही—	
3. श्री० के० भट्टाचार्य	15-4-81 से 14-6-81 तक	
	वाई० आर० गांधी	
	अवर सचिव (प्रशा०)	
	संघ लोक सेवा आयोग	

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1981

सं० ए०-19021/3/79-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री आर० सी० धीक्षित, भारतीय पुलिस सेवा (य० पी०; 1964) को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में 30 मई, 1981 से पूर्वान्त से 16-7-1984 तक स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19021/4/80-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० के० अटर्जी, भारतीय पुलिस सेवा (उडिसा; 1964) को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में दिनांक 30 मई, 1981 के पूर्वान्त से [दिनांक 11-5-1985 तक स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19021/5/81-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री श्री० एल० जोशी, भारतीय पुलिस सेवा (1971 राजस्थान) पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, जयपुर शाखा की सेवाएं दिनांक 3-6-1981 के अपराह्न से राजस्थान सरकार को वापस सौप दी गईं।

राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० के० शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा (एस० पी० एस० राजस्थान) को प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की जयपुर शाखा में दिनांक 3 जून, 1981 के अपराह्न से अगले आदेश

तक के लिए पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्थान
नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1981

सं० प्रशासन-I/का० आ० संख्या 95—इस कार्यालय के पास स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री डी० आर० मलहोत्रा वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप भारत सरकार की सेवा से 31 मई 1981 अपराह्न को भेवानिवृत्त हो गये हैं। उनकी जन्म तिथि 9 मई, 1923 है।

सं० प्रशासन-I/का० आ०/100—निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय राजस्थान) एतदवारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न अनुभाग अधिकारियों को 840-1200 रुपए के वेतनमान में आगे के आवेदन होने तक दिनांक 30-5-1981 के पूर्वान्त से स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

क्र०	नाम
सं०	
1. श्री ओम प्रकाश गोयल	
2. श्री जे० पी० कौशिक	

बलदेव राय
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा
(प्रशासन)

महालेखाकार कार्यालय-I, कर्मटिका

झेंगलोर, दिनांक 6 जून 1981

सं० स्था० I-ए० 4/81-82/244—महालेखाकार ने, स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री ए० पी० रामन् कुट्टी को केवल स्थापना लेखा अधिकारी के रूप में उनके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, उनके कार्यभार ग्रहण करने के तारीख से पदोन्नत किये हैं।

के० कुण्ठस्वामी
वरिष्ठ उपमहालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 9 जून 1981

सं० प्रशा० II/जी० अधिसूचना/480—महालेखाकार राजस्थान ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नत करके उनके आगे दिये गये दिनांक से अग्रेतर आदेशों के जारी

होने तक इसी कार्यालय में स्थापना लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है :—

सर्वश्री

1. पूरण सिंह कोरिया	26-5-81	(पूर्वाह्नि)
2. सत्य नारायण शुक्ला	26-5-81	(अपराह्नि)
3. अमर नाथ सपरा	26-5-81	(अपराह्नि)
4. जगसरण सिंह त्यागी	30-5-81	(पूर्वाह्नि)
5. गोपाल नारायण श्रीवास्तव	5-6-81	(पूर्वाह्नि)

एम० एस० शेषावत
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

उद्योग मंत्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1981

सं० ए० 19018 (409)/79-प्रशासन (राज०)—
योजना आयोग में उप परामर्शदाता (लेवल-I) के पद पर तैनाती के फलस्वरूप, भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-2 अधिकारी श्री एस० एम० मीना ने दिनांक 25 मई, 1981 (पूर्वाह्नि) से इस कार्यालय के निदेशक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रशा० राज०)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1981

सं० 3149बी० / ए० 32013(ए० ओ) 78/19ए—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एन० कें० पासीन को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर केन्द्रीय क्षेत्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नागपुर के प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० आर० विश्वास के अवकाश रिक्ति के स्थान पर 4-2-1981 के अपराह्नि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3140 बी० ए०/19012 (7-ज० वाई०)/19ए—रक्षा मंत्रालय के अनुसंधान एवं विकास स्थापना में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्रेणी-1 के रूप में नियुक्त होने पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री जेकब यूहाना को 30 दिसम्बर, 1980 के अपराह्नि से मुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 11 जून 1981

सं० 3272 बी०/ए०-19012 (3-आर० पी० एस०)/80/
9बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ

श्री आर० पी० सवालाखे को 30-12-80 (अपराह्नि) से त्याग-पत्र पर मुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी,
महा निदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 11 जून 1981

सं० फ० 20 (सी०-2) 1/61-ए-1 (स्थापना)—श्री बी० आर० शर्मा अधीक्षक को 15 जून, 1981 से आगामी आदेश पर्यन्त सर्वथा तदर्थ आधार पर प्रशासन अधिकारी (ग्रुप बी राजपत्रित) के पद पर (श्री बी० एस० कालडा के स्थान पर जो छुट्टी पर है) स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्ति उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए कोई अधिकार नहीं प्रदान करती और वरिष्ठता के प्रयोजनार्थ तथा अपने उच्चे पदक्रम (ग्रेड) में पदोन्नत होने की पात्रता के लिए नहीं गिनी जायेगी।

उनका वेतन रु० 920/- प्रति माह वेतन मान रु० 840-40-1000 द० रो०-40-1200 नियत किया गया है।

एस० ए० आई० तिरमिजी
अभिलेख निदेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन

कलकत्ता-700019, दिनांक 9 जून 1981

सं० 35-2/80-स्था—श्री अशोक कुमार सेन ने राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में वैज्ञानिक अधिकारी का पद भार 29 मई, 1981 पूर्वाह्नि से त्याग दिया है। विभागीय प्रोफ्रेस नियमिति की सिफारिश पर श्री सेनको कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है। उन्होंने उसी दिन पूर्वाह्नि से इसी संगठन में, अन्य आदेश न मिलने तक, उक्त पद पर भार संभाल लिया है।

सं० 35-2/80-स्था- (1)—श्री दुर्गा दास साहा ने राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में वैज्ञानिक अधिकारी का पदभार 4 जून, 1981, पूर्वाह्नि से त्याग दिया है। विभागीय प्रोफ्रेस नियमिति की सिफारिश पर श्री साहा को कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है। उन्होंने उसी दिन पूर्वाह्नि से इसी संगठन में अन्य आदेश न मिलने तक उक्त पदभार संभाल लिया है।

एस० पी० दासगुप्ता
निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1981

सं० ए० 12025/25/78-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० प्रभात कुमार कक्कड़ को 11 मई, 1981

पूर्वाह्न से आगमी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, प्रहृष्टदावाद में दंत सर्वेत के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी० सी० जैन
उप निदेशक प्रशासन (ओ० एंड एम०)

परमाणु कर्जा विभाग
विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बब्बर्ह-५, दिनांक 10 जून 1981

सं० पी० पी० ई० डी०/३ (262) 76-प्रशासन 6539—
विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बब्बर्ह के निदेशक एतद्वारा इस प्रभाग के स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० जी० मेनन को मई 20, 1981 के पूर्वाह्न से जून 20, 1981 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सामान्य प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति सामान्य प्रशासन अधिकारी श्री आर० विह आजपेयी के स्थान पर की जा रही है जिन्हें प्रशासन अधिकारी की पदोन्नति मिली है।

सं० विप्राद्वप्त/३ (262) 78-प्रशासन 6541—निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बब्बर्ह एतद्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी वैयक्तिक सहायक एक स्थानान्तर अध्युक्तिक श्री क० जी० वासवानी को मई 20, 1981 के पूर्वाह्न से जून 20, 1981 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० जी० मेनन के स्थान पर की जा रही है जिन्हें सामान्य प्रशासन अधिकारी की पदोन्नति मिली है।

आर० विह आजपेयी
प्रशासन अधिकारी

क्रम और भंडार निदेशालय

बब्बर्ह-400001, दिनांक 4 जून 1981

सं० क० नि०/प्र/32011/३/76-स्थापना/11253—निदेशक
एवं भीर भंडार निदेशालय, परमाणु कर्जा विभाग इस देशालय के अस्थायी सहायक श्री कर्णवातिल रविन्द्रन को आनापन रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर बेतन सं० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 में 20 न, 1981 (पूर्वाह्न) से 30 मई, 1981 (अपराह्न) इसी निदेशालय में तदर्थे रूप से नियुक्त करते हैं।

क० पी० जोसफ
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन समिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 22 मई 1981

आदेश

सं० ना० ई० स/का प्र० 5 /2606/0741/1053—जब कि नाभिकीय ईंधन समिश्र के बहिवेधन व बेधन संयंत्र के वैज्ञानिक सहायक 'भ' श्री सैयद खुर्शीद अली अवकाश की बिना पूर्व सूचना मंजूरी के ही दिनांक 1-7-1980 के बाद से अप्राधिकृत काम से निरंतर अनुपस्थित रहे सथा जिसके कारण कार्य में बाधा पड़ी।

और जब कि उक्त श्री खुर्शीद अली को दिनांक 24-12-1980 को एक तार भेज कर उन्हें काम कर तत्काल लौटने के लिए निर्देश दिया गया;

और जब कि उन के स्थानीय पते अर्थात निवास संख्या 16-6-330/1, उसमान पुरा, चादर घाट के समीप, हैदराबाद 500024 को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित तार की प्रति लिपि संख्या नाईस/नसं/प्र-42, दिनांक 24-12-80 को भी डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए हुए, "चला गया है" अभ्युक्ति के साथ वापस कर दिया;

और जब कि उन के स्थानीय पते अर्थात मस्जिद किला, जिला निजामाबाद को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित तार की प्रतिलिपि संख्या नाईस/नसं/प्र-42, दिनांक 24-12-80 को भी डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए हुए "इस पते पर इस नाम कोई व्यक्ति नहीं रहता है" अभ्युक्ति के साथ वापस कर दिया;

और जब कि उक्त श्री खुर्शीद अली, प्रशासन द्वारा जारी अनुदेशों के बावजूद भी, काम से निरंतर अनुपस्थित रहे;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त श्री सैयद खुर्शीद अली के विरुद्ध केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, आचरण व अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत जांच करने का प्रस्ताव किया तथा पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा एक आरोप पत्र-कूट्ट्य जापन सं० नाईस/का प्र० 5/2606/0741/478, दिनांक 26-2-81, को उसके स्थानीय पते निवास सं० 16-6-330/1, उसमान पुरा, चादर घाट के समीप, हैदराबाद को तथा स्थायी पते अर्थात मस्जिद किला, जिला निजामाबाद को भी प्रेषित किया गया;

और जब कि उन के स्थानीय पते अर्थात निवास सं० 16-6-330/1, उसमान पुरा, हैदराबाद तथा स्थायी पते अर्थात मस्जिद किला, जिला निजामाबाद को भेजे गए दिनांक 26-2-81 के आरोप पत्र डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए इन अभ्युक्तियों के साथ कि 'चला गया है' तथा "इस पते पर इस नाम कोई व्यक्ति नहीं रहता है", वापस कर दिए गए,

और जब कि उक्त श्री खुर्शीद अली निरंतर अनुपस्थित रहे तथा नाभिकीय ईंधन समिश्र को अपना अता-पता सुचित करने में असफल रहे,

और जब कि उक्त श्री खुशीद अम्भी स्वेच्छा तथा सेवा परियोगन के क्षेत्री हैं;

और जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को बिना अपना वर्तमान अता पसा सूचित किए उनके सेवा परियोगन के कारण अघोहस्ताक्षरी संलृष्ट है कि नियमों की व्यवस्थाओं के अनुसार जाँच करना तकातः व्यावहारिक नहीं है;

अतः अब, अघोहस्ताक्षरी परमाणु ऊर्जा विभाग के आवेदन सं० 22(1)/68-प्रशा०II, दिनांक 7-7-79 और/या केन्द्रीय नाभिकीय सेवा (वर्गीकरण, आन्वरण व अभील) नियम, 1965 के नियम 19(II) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री खुशीद अली को तत्काल प्रभाव से सेवा से नियुक्ति करते हैं।

एन० कोडल राव
मुख्य कार्यपालक

श्री सैयद खुशीद अली,
निवास सं० 16-6-330/1,
उस्मान पुरा चादर बाट के समीप,
हैदराबाद।
श्री सैयद खुशीद अली,
मस्जिद किला,
जिला निजामाबाद।

हैदराबाद-500762, दिनांक 31 मई 1981

सं० का० प्र० भ०/0704/2783—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक, प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री वी० आर० एन० अध्यर को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर, तदर्थ आधार पर अवकाश रिक्ति के स्थान पर दिनांक 23-5-1981 से 21-6-1981 पर्यन्त अथवा अगले आदेशों तक के लिए, जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

सं० का० प्र० भ०/0704/2784—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक, प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री पी० राजगोपालन को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर, अवकाश रिक्ति के स्थान पर तदर्थ आधार पर, दिनांक 20-5-1981 से 29-6-81 पर्यन्त अथवा अगले आदेशों तक के लिए जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव
प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 12 जून 1981

सं० स्था०(1)००९१७—भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (जलवायु एवं भू भौतिकी) पुणे के कार्यालय में सहायक मौसम विज्ञानी डा० प्रवाल सिन्हा

का स्थानापन्थ 8 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से स्वीकार किया गया।

के० मुख्यर्जी
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
हृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

सं० ए.-३२०१४/४/८०-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को जो इस समय सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं दिनांक 26 मई, 1981 से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्र०	नाम	तैनाती स्टेशन
सं०		

1. श्री एन० एस० गोविला	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
2. श्री ई० क० चौधरी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।

दिनांक 12 जून 1981

सं० ए० ३२०१३/११/७९-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री पी० जे० अध्यर, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 11-5-81 (पूर्वाह्न) से छः माह की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया है।

प्रेम चन्द्र
सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला

पुणे-२४, दिनांक 11 जून 1981

सं० ६०२/३२/८१-प्रशासन—विभागीय पदोन्नति समिति (युप “ख”)(राजपत्रित) से की गई सिफारिश पर निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे एतद्वारा निम्नांकित अधिकारियों की सहायक प्रनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर वैतनमान रूपये ६५०-३०-७४०-३५-८१०-व० रो०-३५-८८०-४०-१०००-व० रो०-४०-१२०० पर नियमित रूप से स्थानापन्थ पद पर उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीख से नियुक्ति करते हैं।

1. श्री ए० के० साठे — 1-1-81
2. श्री सी० एन० कानेटकर — 29-4-81

उपर्युक्त अधिकारियों के लिए सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजिनियरी) के केंद्र पर केन्द्रीय जल धौर विभूत अनुसंधानशाला, पुणे में दो साल की उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीख से परिवीक्षावधि होगी।

जे० एल० सहगल
मुख्य प्रशासन अधिकारी

रेल मंत्रालय
अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन
लखनऊ-11, दिनांक 10 जून 1981

सं० ए०/ई० पी०/1465—श्री के० एस० भाटी जिनका धारणाधिकार (लियन) अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (रेल मंत्रालय) लखनऊ के सहायक निरीक्षण इंजीनियर रेलपथ के पद पर था, का त्यागपत्र 9-2-81 (अपराह्ण) से स्वीकार कर लिया गया है।

ले० का० जे० फेटस,
महानिदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लां बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अजन्ता फैब्रिक्स लिमिटेड
के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 9 जून 1981

सं० 650/समापन/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अजन्ता फैब्रिक्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

विं० एस० राजू
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन
सूचना

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में
और

बॉम्बे इंडस्ट्रियल एंड अलॉय स्टीलस लिमिटेड के मामले में।

बम्बई-400002, दिनांक 10 जून 1981

सं० 12897—कम्पनी आवेदन संख्या 303 वर्ष 1979 में स्थित माननीय उच्च न्यायालय, बम्बई के आदेश दिनांक 9-7-80 के द्वारा बॉम्बे इंडस्ट्रियल एंड अलॉय स्टीलस लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश प्रदान कर दिया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में
और

बिजनेस क्रेडिट एंड फायनान्स कारपोरेशन लिमिटेड के मामले में।
बम्बई-400002, दिनांक 10 जून 1981

सं० 11200—कम्पनी आवेदन संख्या 416 वर्ष 1979 में स्थित माननीय उच्च न्यायालय, बम्बई के आदेश दिनांक 24-9-80 के द्वारा बिजनेस क्रेडिट एंड फायनान्स कारपोरेशन लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश प्रदान कर दिया है।

ओम प्रकाश जैन
प्रतिरिक्ष कम्पनी रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एस० जी० एस० पुरी एंड कम्पनी प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1981

सं० 4691—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एस० जी० एस० पुरी एंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और युवक पञ्चिशर्ज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1981

सं० 5560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर युवक पञ्चिशर्ज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सोमानी पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1981

सं० 5184—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी

जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सोमानी पल्लीकेशन्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बैस्टर्न कैरियर प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1981

सं० 5356—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बैस्टर्न कैरियर प्रा० लिं० का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बौद्धचर कल्व आफ इण्डिया लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

सं० 4638/11204—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बौद्धचर कल्व आफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी० बी० सरसेना
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1981

आयकर

सं० जुरि० दिल्ली/ /81-82/4925—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 123 की

उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों एवं इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा इस विषय पर पहले जारी आदेशों में परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली II, नई दिल्ली निर्देश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कानूनम् 1 में उल्लिखित निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त ही अनुसूची के कालम् 2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों प्रथवा व्यक्तियों प्रथवा व्यक्तियों के बगैं अथवा आय प्रथवा आय प्रथवा आय के बगैं अथवा मामलों प्रथवा मामलों के बगैं के संबंध में उपरोक्त अधिनियम के श्रंतर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे।

अनुसूची

रेज	आयकर डिस्ट्रिक्ट सर्किल
1	2

- | | |
|--|--|
| 1. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण) रेज-4, नई दिल्ली (पहले यह निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेज-II एफ, नई दिल्ली के नाम से जाना जाता था) | 1. कम्पनी सर्किल 21 और 25, नई दिल्ली । |
| 2. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण) रेज-6, नई दिल्ली (पहले यह निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेज-II एच, नई दिल्ली के नाम से जाना जाता था) | 2. कम्पनी सर्किल-4 और 18, नई दिल्ली । |

यह अधिसूचना 2/6/81 से लागू होगी।

एन० एस० राधवन
आयकर आयुक्त
दिल्ली-II, नई दिल्ली

प्रस्तुत आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अप्रैल, 1981

निदेश सं० सी० आर० नं० 1352/ए०सी०क्य० 23-I/80-81—अस: मुझे मार्गी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृष्णा को-आपरेटिव सो० लि० प्लाट नं० 24 है, तथा जो सरदार नगर, एरिया, भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-10-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृष्टिमें प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमें प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिमें प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधियाँ में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहा था, जिसने ऐसी सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ऊषा बेन, अनन्त प्रभु केसरी, प्लाट नं० 24, कृष्णा सोसायटी, सरदार नगर, भावनगर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चंद्राबेन, मुनराज मिह गोयन, प्लाट नं० 24, कृष्णा सोसायटी, सरदार नगर, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह मूला गारी करके पूर्वोक्त वस्ति के प्रज्ञत किए आय गाहियाँ करता है।

उक्त वस्ति के प्रज्ञत के मध्यवधि में कोई भी आमेप :-

(क) इस मूला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तक उक्त वस्ति में हितदद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिसूलकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे;

(ख) इस मूला के राजपत्र में प्रकाशन जो तारीख से 45 दिन के बीतर उक्त वस्ति में हितदद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिसूलकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संहेदीहरण :—इसमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, दो रवं होगा, जो उन पदायाँ ने दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिल बाला बिल्डिंग जो जमीन साप 610.63 वर्ग मीटर पर खड़ा है। जिसका प्लाट नं० 24, कृष्णा को० आर० हा० सो० का जो सुरेल्न नगर पुरीया एरिया भावनगर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकरण विक्री दस्तावेज नं० 2131 दिनांक 23-10-80 है, इसमें दिया गया है।

मार्गी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख 4-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अप्रैल, 1981

निवेश सं० पी० आर० नं० 1353/ए० सी०क्य० 23-I/80-81—प्रतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 705-जी है, तथा जो दवन के पास, भावनगर
में स्थित है (श्रीर इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-10-1980

को पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में धास्ताविक
रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृड़े किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-136G/I81

1. (1) वासुमती मानवांस राय पारेख
(2) सुरेन्द्र एम० पारेख
(3) अन्द्रकान्त एम० पारेख,
नेहरू रोड, बिलै पार्ले (ईस्ट)
मुम्बई-50

(अन्तरक)

2. श्रीमती मनाहरवेन, जमनादास,
प्लाट नं० 1004 बी,
दवन के पास,
भाव नगर ।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है ?

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर^{पर}
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

अनुसूची

एक निर्माण जो जमीन माप 436.96 बर्ग मीटर पर
आज्ञा है, जिसकी प्लाट नं० 705-जी जो दवन के पास भा बनगर
में स्थित है । मिलकियत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रेशन विक्री
दस्तावेज, नं० 2062, दिनांक 13-10-80 में दिया गया
है ।

मांगी लाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, अहमदाबाद

तारीख 4-4-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 4 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० आर० न० 1354 ए० एम०क्य० 2बी-80-81
—अतः मुझे मांगी ताल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि रथावर संपत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 705-ए तथा जो द्वन के पास
भावनगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन विनांक 13 अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपावे में
सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :-

- (1) श्रीमती वसुभृती मानपंतराय पारेख।
 - (2) श्री सुरेन्द्र एम० पारेख।
 - (3) श्री चंद्रकान्त एम० पारेख 505, विमल
एमार्टमेन्ट जानी कला कंपन्याऊनड, महेश
रोड विले पालौ (ईस्ट) मुम्बाई-50।
- (प्रस्तरक)

2. श्री वसंतलाल डात्यालाल रोड प्लोट मं० 1004 वी
द्वन के पास भावनगर। (अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समर्पण होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्राहृष्ट
किलो अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भवन जो जमीन माप 441.21 वर्ग मीटर पर खड़ा
है जिसका प्लोट न० 705-ए जो देखन कुरीया में भावनगर में
स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीफ्ट विश्वी
दस्तावेज न० 2054 विनांक 13-10-80 में दिया गया है।

(मांगीलाल)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, अहमदाबाद

तारीख: 4-4-81
मोहर:

प्रस्तुत आई. डी. एन. पैस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 जून 1981

निदेश सं० ए०एस०ग्राह०/८१-४२/५५—अतः मुझे, आनन्द
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि गांव अलबलपुर है तथा जो तहसील
गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपान्द अनुसूची में और जो
पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्तात
में कभी करने या उसके बच्चे में सुविधा के लिए;
आई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तेयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रामधारी विधवा बैला सिंह वासी गांव अलबलपुर
तहसील और जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सविन्द्र सिंह, रघबीर सिंह और जगदीश सिंह
पुत्र जसवन्त सिंह, और श्रीमती जोगिन्द्र कौर पत्नी
अमरोक सिंह वासी, गांव अलबलपुर, जिला
गुरदासपुर डाकखाना भुम्भली,

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० नं० 2 और कोई किरायेदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई व्यक्ति
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

भूमि 31 कनाल 1 मरला गांव अलबलपुर में जैसा कि
सेल डील नं० 4525, दिनांक 8-10-1980 रजिस्ट्री अधिकारी
गुरदासपुर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 4-6-1981

मोहर :

प्रकाश मार्गों दौरों एवं एसों—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 मई 1981

निदेश सं० ए०एस०आर०/81-82/56—अतः मुझे,
आमम्बद सिंह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म
के प्रधीन साथम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० एक बिल्डिंग, दसोन्हा सिंह रोड, अमृतसर
में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन दिनांक अक्टूबर, 1980

का पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्षहृ प्रतिवर्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तुविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचों में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण
में, भैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री अविन्द्र बाबा, पुन बाबा गुरबख्श सिंह, बसवन्त बाबा
विधवा बाबा गुरबख्श सिंह,
वासी 12-ए, दसोन्हा, सिंह रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार सोढ़ी पुन गणपत राय सोढ़ी
वासी 12-ए, रेस कोसं रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में और कोई किरायदार यदि कोई हो।
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि दाता में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वाचर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
मत्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी, नं० 12-ए, प्राइवेट नं० 941/XIII,
दसोन्हा सिंह रोड, अमृतसर पर, जैसा कि सेल ऑफ नं० 2292/I
दिनांक 27-10-80 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज
है।

आनन्द सिंह
सक्तम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3-चन्द्रपुरी, टेलर रोड, अमृतसर

तारीख 23-5-81

मोहर :

प्रस्तुत बाईं. टी. एन. एस.-----
 भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-प (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 मई 1981

निदेश सं० ए०एस०आर०/81-82/57—अतः मुझे,
 आनन्द सिंह
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपना उचित वाजार मूल्य 25,000/-
 ह० से अधिक है

और जिसकी सं० एक बिल्डिंग वसौधां सिंह रोड, अमृतसर पर
 है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
 और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 अमृतसर म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भत्तरकों) और
 अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्र
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनाम परिवर्तित द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभाय (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. बाबा कुलदीप सिंह और बाबा जगदीश सिंह पुत्र
 बाबा गुरुखा सिंह, वासी 12-ए, दसौधां सिंह रोड,
 अमृतसर । (अन्तरक)
2. श्रीमती सन्तोष कुमारी, पत्नी सीताराम चौपड़ा,
 वासी 12-ए, रेस कोर्स रोड, अमृतसर । (अस्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में श्रीर किरायेवार यदि कोई हो ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई व्यक्ति
 (वह व्यक्ति, जिनके भारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अप्रिक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अप्रिक्तियों में से किसी अविक्षित द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

अनुमूल्य

1/2 भाग कोठी नं० 12-ए, प्राह्वेट नं० 941/XIII,
 दसौधां, सिंह रोड, अमृतसर में जैसा कि भेल डीड नं० 2291/I,
 दिनांक 27-10-80 को रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज
 है ।

आनन्द सिंह,
 सकाम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-3-अन्द्रपुर टेलर रोड, अमृतसर
 तारीख : 23-5-81
 मोहर :

प्र० श्रीमती राजकुमारी, पस्ती काला मल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई 1981

निदेश सं० ए०एस०आर०/८१-८२/५८—अतः मुझे,
प्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है);
की धारा 269-व के प्रधीन सभी प्रधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्राप्ती बाजार किला भंगिया, है जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक, अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रमत्रक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः, अंत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती राजकुमारी, पस्ती काला मल
वासी शक्ति नगर, अमृतसर

(प्रमत्रक)

2. प्यारा लाल पुत्र सावन मल,
वासी नई हवेली, अन्वरन्न बाजार हकीमा,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षणः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जों उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही
प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

एक इमारत (रकवा 259.74) वर्ग भीटर नं० 198/I,
मिन कटरा कर्म सिंह बाजार किला भंगीआ, अमृतसर में जैसा कि
सेल डीड, नं० 2304/I, दिनांक 28-10-80 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में वर्ज है।

प्रानन्द सिंह
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 29-5-81

मोहर :

प्रृष्ठ प्रभाई. डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 मई, 1981

निदेश सं० ए०एस०आर०/८१-८२/५९—अतः मुझे
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एक मकान कोट हस्ताम दास है जो अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
से लिखा है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवाह सं
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

1. अर्जन सिंह पुत्र ऊधम सिंह, राही हर भजन सिंह पुल
कुन्दन सिंह, मुख्तार आम, मुख्ताम सिंह रोड,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री ठाकुर रनजीत सिंह पुत्र ठाकुर मही राम,
वासी मकान नं० 10893/40, पी० नं० 50
आबादी कोट, हरनाम दास, अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 10893/40, पी० नं० 50, खसरा नं०
2151/1567/571 रकबा 100 वर्ग मीटर आबादी कोट
हरनाम दास अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 2877/I, दिनांक
22-12-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज ३-चन्द्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 22-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आदृ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 मई, 1981

निदेश सं० ए०ए०आर०/८१-८२/६०—अतः मुझे

आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक ईमारत ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर में
स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसंधी में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याद गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वर्ते के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया आ या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. जनक राज पुत्र धनी राम
वासी गली छाव खटीका, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैसर्से सनबीम टक्सटाइल,
ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर शही, रविंद्र कुमार
हिस्सेदार।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायवार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीक्षताकारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक फैक्ट्री विर्लिंग खसरा नं० 290, ईस्ट मोहन नगर
गुरु रवी दास मार्ग, अमृतसर जैसा कि सेत डीड नं० 2471,
दिनांक 12-11-1980 में रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज
है।

आनन्द सिंह
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टलर रोड,
अमृतसर

तारीख: 14-5-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिल्ली 26 मई, 1981

निदेश सं० ए०एस०आर०/८१-८२/६१—अतः मुझे
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाँचात् 'उक्त प्रविधियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सशास्त्र प्राधिकारी को, वह विस्तौर सरने का कारण
है कि आयकर अधिनियम, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है और जिसकी

सं० एक प्लाट लारेंस रोड, दयानन्द नगर अमृतसर पर स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची म और जो पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवम्बर,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य इसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पांचवांश से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)
और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर है किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य वास्तियों
को जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—136GI/81

1. श्रीमती धौंद रानी पुत्री श्री पन्ना लाल पत्नी श्री परमानंद
वासी 115-बी, लारेंस रोड, दयानन्द नगर, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कामनी डावर पत्नी श्री प्रयाम सुन्दर डावर
पुत्र रतन अन्द डावर वासी 31-मजीरा रोड,
अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेवार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई व्यक्ति
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
आनंद है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तादील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट रक्खा, 732 वर्ग मीटर दयानन्द नगर लारेंस रोड
अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 2495/I, दिनांक 17-11-80
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड,
अमृतसर

तारीख: 26-5-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

1 नागपुर महा विद्यालय स्टाफ को० आपरेटिव हाउसिंग
सोमायटी, नागपुर ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 अप्र० 1981

निदेश सं० आई० ए०सी०/अर्जन/173/80-81—अतः

मुझे ए० एम० खेर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 तथा 5 है जो मौजा जरीपटका
गिफ्ट नं० 215, भेरामजी टाउन, नागपुर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर डाकमेंट सं० 2389/80
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 22-10-1980

को पूर्खांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिक-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती कूदारा फ्रेक्ट महीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

2. श्री किशनलाल शर्मा, सेवामदन, सेन्ट्रल एड्वेन्चर रोड,
नागपुर ।

(अन्तरक)

को गह सूचना जारी करके पूर्खांक सम्मति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क भूमि परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 4 तथा 5 मौजा जरिपटका शिट नं० 215,
वार्ड नं० 60, सर्कल नं० 24, भेरामजी टाउन, नागपुर ।

ए० एम० खेर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नागपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एफ०-----
 आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-व (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद
 हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1981

आर० य० सी० न० 14/81-82 जे० एन० 373/छी०
 एम० पी० अतः मुझे, एस० मोकिन्द राजन,
 शावहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 अधारात् 'उत्ता प्रधिनियम' रुहा गया है), की धारा 269-व के
 प्रधीन उद्देश्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थानीय सम्पत्ति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
 अधिक है।

ओर जिन्हीं में० एन० न० 182/2 है, जो मुमीवाडा गांव में स्थित
 है (ओर इससे उपायकर अनुसूची में और पूर्ण लिपि में संचित है)
 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय विश्वासपट्टनम में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
 तारीख अक्टूबर 1980
 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि धारा० 269 के सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्धह
 प्रतिगत अविकृत है और अन्तर 6 (अन्तररक्तों) और अन्तरिक्षी
 (अन्तररिक्तियों) के बीच २ अन्तररक्त है जिए तर पाया गया प्रति-
 न्तर, तिक्तिवित उद्देश्य तथा प्रत्यारोपिता में वास्तविक
 स्थि० से संचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण ने नुई किसी भाग की बाबत, उक्त संघि-
 नियम के प्रधीन करने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) किसी किसी भाग या किसी धन या ग्राम्य आपूर्तियों
 को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपने में
 सुविधा के लिए,

अब: अब, उत्ता प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुग्रह
 में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-व की उपधारा '1) के
 अधीन निम्नलिखित अविकृतों अर्थात्:-

(1) श्रीमती बालम वझाज पति श्री रमेश वझाज विश्वासा-
 पटनम।

(श्रृंतरक)
 (2) मेसर्स वी सीटी टचर्स को०-प्र०परेटिव हाउस विलिंग
 सोसायटी निमिटेड विश्वासपटनम
 (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंन तम्पति के अर्जन के लिए
 आयोगियां करता है।

उक्त गम्पति के अर्जन के भवनम में कोई भी व्यापेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
 दिन की अवधि या तस्करवधी अविकृतों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत अविकृतों में
 ये किसी अविकृत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थान राजपत्र में हित-
 बद किसी ग्राम्य अविकृत द्वारा अधोदृष्टवाक्षरी के
 पास सिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पर्करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जी उक्त
 प्रधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभ्रषित
 है, वही ग्रंथ होगा, जो उक्त अवधाव में विवा-
 गत है।

अनुसूची

इसी भूमि विस्तीर्ण 21 एकडू० 60 लैंडस चीना मुमीवाडा
 गांव वेंडुरथी गांव के पास किश्वासापट्टनम रजिस्ट्रीकृत विलेख
 न० 6744/80 रजिस्ट्रीकरणी अधिकारी विश्वासपट्टनम।

एम० गोविंदराजन
 संकर प्राधिकारी
 सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 6-6-1981
 मोहर :

प्रसूप शाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1981

आरो ये० सी० नं० 15/81-82. जे० नं० 735/क०डी०

ए० यतः मुझे

एस० गोविंद राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
69-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसी सं० धर नं० 2-1-8 है जो श्रीरामनगर काकीनाडा
में स्थित है (और इससे उत्तरांश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरित दृश्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन मिम्नानिभित् व्यक्तियों अर्थात् ८-

(1) (1) श्रीमती मुमीदी अम्माजी पति लेट ताता राव
धर नं० 2-1-8 श्रीरामनगर काकीनाडा।

(2) श्री एम० कामाराजु (3) श्रीमती जै० बाला
कामेश्वरी (4) श्रीमती एन० सुरयनारायनम्मा
(5) कु० एम० ललिता कुमारी और कु० एम०
व्ही० लक्ष्मी देवी (नाबालिक) वाई देवाद्वाता
अम्माजी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती महमद नूरजहां बेगम पति महमद चांद
दाशा (2) महमद अमीरदीन पिता महमद मालीम
बाणा कुणामूर्ति स्ट्रीट सुर्या राव पेट, काकीनाडा।
(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यशालियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

धर नं० 2-1-8 पहीला वार्ड, ओल्ड ब्लाक 6, न्युश ब्लाक 2,
टी० एस० आर० नं० 150, श्रीरामनगर काकीनाडा रजिस्ट्रीकर्ता
बिलेख नं० 8412/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा।

एस० गोविंद राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 6-6-1981.

मोहर :

प्ररूप आई.डी.एन.एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून, 1981

आरो ये० सी० नं० 16/81-82. जे० नं० 1091/इ० जी०
काकीनाडा स्कोड यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० नावल की मिल में 1/4 भाग यरावरम विलेज
है जो में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रतीपाड़ु
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अपूर्ति ६—

(1) श्री बुद्धा नाइडु अलीयास बाबू राव पिता बुद्धा सुलभा
पेद्दमा पल्ली गांव प्रतीपाड़ु तालुक। पर्व गोदावरी
जिला।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री बंडारयेमु बाबू पिता श्री
श्री रामा मुती मुत्यालम्मा
मंदिर की गली पीत्तापुरम।
2 श्री ममीदीपाका वीराबद्रा राव पिता लोवा राज०
येल्लेस्वरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

मसीनरी वगेरा के साथ नावल की मिल में 1/4 भाग, घर
नं० 3-4-54, सर्वे नं० 267/2, यरावरम गांव। रजिस्ट्रीकर्ता
विलेज नं० 2460/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी प्रतीपाड़ु।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्रह्लण अवर्द्ध.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर व्यायुक्त (विवरीकाण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1981

आर.० य० सी न० 17/81-32. ज० न० 1092/८० जी०—

यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भारा 269-
ज के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० चावल की मिल में 1/4 भाग है, जो यगावरम
गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध घन्तुमूर्ची में प्रारं पूर्ण रूप
से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय
रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 (1908 वा 16)
के अधीन अवृत्तुबर, 1980.

हो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्नित की गई है और मुझे यह विवक्षण
करने का कारण है कि शर्तमूर्वोक्त संमरीज्ज का उचित बाजार
मूल्य, उसके उपर्यमान प्रतिफल से, भूजे उपर्यमान प्रतिफल का
न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अल्लारकी) और अन्तरिती
(अन्तरितायाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यामा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसी काय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन वर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी काय या किसी भूज या अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्रावारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा—

(1) श्री बद्रा मुजम्बम पिता नाइडु, पेहा पल्ली गांव,
प्रतीपाडु तालुक, पूर्व गोदावरी जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री बंडाह यमुवारु पिता श्री रागा मुरथी, मुत्यालम्मा
मंदिर की गनी, पीतापुरम,
(2) श्री गमोडीपका वीरामद्वा राव पिता लोदा राजु,
प्रेलेस्वरम।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बित के अर्बन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्बित के अर्जन के सम्बन्ध में करेह भी अझेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक्षणन्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
याव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृष्टि कीसी अन्य व्यक्ति हूँवारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिचायित
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय 'में' किया
गया है।

मुद्रकारी

मशनरी वगैरा के साथ राइस मिल का 1/4 भाग 1 घर नं०
3-4-54, सर्वे नं० 267/2, यशवरम गांव। रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 2461/80. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी प्रथीपाडु। रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी प्रतीपाडु।

एस० गोविन्द राजन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर व्यायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 6-6-1981

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून, 1981

आर० ए० सी० नं० 18/81-82. जे० नं० 1093/इ०

जी० काकीनाडा, स्काइ—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 1/4 भर इन राइस भील है जो यावरम गांव
में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रतीपाड़ु में भरतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन
अक्षुब्र, 1980.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित दाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एमेर छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः--

(1) श्रीमती बुद्धा नूकयम्मा, पति नाहडू-अलीयास-बाबुगाव
पट्टमा पत्नी गांव, प्रतीपाड़ु तालुक, ईस्ट गोदावरी
जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री बंडार यसु बाबु पिता श्री रामा मुरती, मुत्यालम्मा
मंदिर की गली, पीतापुरम,

(2) श्री ममीदावीपाका वीरभद्राराव पिता लोदा
राजु, यछेस्वरम गांव।

(अन्तरिती)

क्षेत्र यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मणीनरी वगैरा के साथ चावल की भील में 1/4 भाग 1 घर
नं० 3-4-54, सर्वे नं० 267/2, यावरम गांव, रजिस्ट्रीकूल
क्लिक्स नं० 2462/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी प्रतीपाड़ु।

एस० गोविन्द राजन
सक्षमय अधिकारी
सहायक आयकर आयक्ता निगेक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत बाहरी टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून, 1981

श्रारोगी सी. नं. 19/81-82 यतः मुझे, एस० गोविन्द
राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/4 शेर इन राशि मील है जो यरावरम गांव
में स्थित है (और इससे उपावद श्रनुसूची में और पूर्णसूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रथीपाठु में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अक्षुब्ध, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती पेशाकामसेट्टी कांतामणी, पति वेंकटेस्वरा राव,
पेशन्तापली गांव, प्रथीपाठु तालुक, ईस्ट गोदावरी
जिला।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री बंडारु यसुबाबू पिता श्री राममूर्ति, मुत्यालम्मा
मंदिर की गली, पीताम्बरम ।
2 श्री ममीदीपाका बीरामद्वाराव पिता लोवा राजु,
यलेस्वरम गांव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मृत्यु

जावल के मील में मशीनरी के साथ 1/4 भाग । घर नं.
3-4-54, सर्वे नं. 267/2 यरावरम गांव । रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं. 2463/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी प्रथीपाठु ।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 6-6-1981

मोहर :

प्रध्या आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्रीमती ऊमा ए० शाहा पति आशूण एस० शाहा,
घर नं० 6, ऊमानगर कोलोनी, बेगमपेट, हैदराबाद ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कर्मसूचा, आयकर आयकर अमूल्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 11 जून, 1981

नियम सं० ७५/४१-४२ —थतः मुझे, एस० जौहिन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके 'पदनाम' 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी था, यह विवरणों करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति विवास उद्योग वाजार भूम्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और विस्तीर्ण सं० ४१-४२ की अनुमति है, जो मेहमान कालक में स्थित
है (और इससे उपायकर अमूल्यमें और पूर्ण रूप से अणित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में आरतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अक्तूबर, 1980,

की 'पूर्वीकृत संपत्ति' के उचित बाजार भूम्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए असंतिर्त की गई और भूम्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापारवेद्य संपत्ति का उचित बाजार
भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० रजस्तान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की लासील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
शब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिसूलकर्ता के
पास जालिकर में दिख जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय के लिया
गया है।

अन्तर्बंधी

(क) अन्तरण से हृइ विस्तीर्ण आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए:
बीर/या

बंगुरों का बगीचा 'श्रीम पर्ण' कांडला कोइ गांव, मेहमान
तालुक, जिला रंगारेडी 'जैसे कि जिस्तीर्ण 17:एकड़ 14 गुठे ।
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11251/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद ।

(ख) एस० विस्तीर्ण आय का किसी भन या व्याप्ति आस्तियों
का, जिस्तीर्ण आरतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

सूस० जौहिन्द राजन
सम्म अधिकारी
सहायक आयकर अमूल्य (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

थतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4-136GI/1

दिनांक 11-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

निवेश सं. 328/81-82—यतः मुझे, आरो योथादि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त परिचय उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 95/1, प्लोट नं. 122, घर नंबर 737
है, जो सेरुला, साल्डोडार डो भुंडो बार्डेंज, गोवा में स्थित है (और
इससे उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से णित है) रजिस्ट्रीकर्ट
प्राधिकारी के कार्यालय, इल्हास प्रैंडर डाक्युमेंट नंबर 362 दिनांक
7-10-1980 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-10-1980

को प्रौद्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों असतः—

1 (1) श्री विस्मार्क किंसटोक सिक्केरा काको
(2) श्रीमती डोरिस बरटा काको, अल्टो, पवोरिम,
बार्डेंज, गोवा
(अन्तरक)

2 श्री जोकिम रोड्रीग्यस, द्वारा महमद अब्दुल रेहमान
पी.ओ.ओ. बा. नं. 148, कुवेत ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आसी करके प्रौद्योक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रौद्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रौद्योक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, ये अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सेरुला सल्डोडार डो भुंडो बार्डेंज में स्थित बिल्डिंग (जगह
सहित) जिसका सर्वे नंबर है 95/1, प्लाट नंबर है 122, और
घर नंबर है 737, और जो “कोडे गालूम” संपत्ति का उत्तरी
भाग है । (जगह 550 स्क्वेयर मीटर है) ।

आरो योथादि
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक 11-5-1981

मोहर :

प्राप्त प्राप्ति: टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

निदेश सं० प्राप्ति प्राप्ति: टी० एन० एस० —— अतः मुझे,
आर० थोथारि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे अल्ना नंबर 2 है, जो वार्ड बोर्ड, मार्गोवा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मार्गोवा
बोर्ड डाकघूमेंट नंबर 91/556 दिनांक 30-10-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसारण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 296-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री अमीरअलि कसमअलि
(2) श्रीमती झरीना अमीरअली पाजिकीडा,
मार्गोवा, गोवा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री चंद्रकांत मधुकर वेसाई
(2) श्री जयंत मधुकर वेसाई
(3) श्री दीपक मधुकर वेसाई
(4) श्री विश्वास मधुकर वेसाई मार्फत श्री मधुकर
डी० वेसाई स्टेशन रोड, मार्गोवा, गोवा।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहीयां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोहू भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

■मार्गोवा बोर्ड वार्ड में स्थित बिल्डिंग (जगह सहित) जिसका
नाम है "डिपोयबाटा" उर्फ "असुंठटा" और जिसका सर्वे सं० अल्ना
नंबर है 2।

आर० थोथारि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 11-5-1981

मोहर:

प्रकल्प वाई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलोर
बैंगलोर, दिनांक 11 मई 1981

निर्देश सं० 330/81-82—यतः, मुझे, आर० थोथाडि
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

प्रीर जिल्हाई सं० ई-213 मेट्रिंज नंबर 190, सी० एस०
नंबर 194 है, जो माला, 31 जन रोड, पणजी में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इल्हास, पणजी
डाक्युमेंट नंबर 401 दिनांक 21 अक्टूबर 1980

कार्यालय संमिलित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे कल्पनाएँ के लिए तथा परया गया प्रतिफल
का अन्तरितियों के लिए तथा परया गया प्रतिफल से उक्त अन्तरण सिविलत में वास्तविक
लक्षणों की वायरल नहीं किया गया है।—

(ए) अम्लरक्ष से हटाई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम्लरक्ष
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
को लिए;

उपर्युक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभासा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्री रामराय निल्लु शिरोडकर उर्फ रामा
निल्लु नायक।
(2) सर्वेश्वी विजया उर्फ जानकी रामराय शिरोडकर
कोलिम, दिस्वाली, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शशिकला विनायक घोडणकर, माला, 31
जन रोड, पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए
कार्यकारीहैं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी जालौपः—

(अ) इस लंबना के गाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरान्वी व्यक्तिगतों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तिगतान्वयों से प्रियती व्यक्ति द्वारा;

(ख) इग सूचना के गाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में शिल्प-
बृक्ष-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के
पास लिखित भौतिक जांकारी।

लक्षणकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्ययन 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्ययन में दिया
गया है।

मन्त्री

पणजी, माला, 31 जन रोड में स्थित बिल्डिंग (जगह
सहित) जिसका नंबर है ई-213 मेट्रिंज नंबर है 190, और
सी० एस० नंबर है 184।

आर० थोथाडि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलोर

तारीख: 11-5-1981

मोहर:

प्रकाश प्राईटी ३० एन० पृष्ठ०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, विहंग 26 मई 1981

निवेदा सं० सीआर-62/30014/80-81/एसीएस-बी—

यसः मुझे, आर० तोताली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सम्पन्न प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि खाद्यावधि सम्पत्ति, विश्वास उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 116/1बी है, तथा जो बी० नारायणपुर,
कृष्णराजपुरम् होबली, बंगलूर (डी) में स्थित है (और इससे
उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बंगलूर विभिन्न सालुका में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10
सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपर्युक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्षहृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, घर्षातः :—

१. श्रीमती एस० चेरियन् सं० 116/1 बी० नारायणपुरा
कृष्णराजपुर होबली बंगलूर।
(अन्तरक)

२. श्री एन० के० भुरा सं० 35, आरमेनियन स्ट्रीट कलकत्ता-
१।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तम्पति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करदा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
से किसी अवित्या द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्या द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——उसमें प्रदर्शित शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति
नियम के अन्तर्गत 20-क में परिभासित हैं, वही
धर्म होता है, जो उस अध्याय में विद्या करता है।

प्रमुखस्थी

(दस्तावेज सं० 5655/80-81 ता० 10-9-80)

घर संपत्ति है जिसका सं० 116/1, बी० नारायणपुरा
कृष्णराजपुरम् (होबली) बंगलूर। (डी)।

आर० तोताली
सम्पन्न प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेज, बंगलूर।

तारीख : 26-5-1981

मोहर :

प्रृष्ठ पाइँ ० टी० एस० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

1. श्री जी० वेदव्यासा कामत पुत्र श्री नर्सिंह कामत
के पुत्र "व्यापारी" "गीतासदन" कंपनी मंगलूर-3।
(अन्तरक)

2. श्री उपेन्द्र नायक एम० एम० वामन नायक के पुत्र बेंक
अधिकारी केनरा बेंक सरकल भाफिस लीबेन्ड्रम् (केरल)।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 19 मई 1981

निवेश सं० सीआर०-62/28481/80-81/एक्यू-भी—यस:

मुझे, आर० तोताली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 237/ए-2बी और टी०
एस० सं० 303/ए-2बी है, तथा जो कंपनी गोर्ब, बेंदूर वार्ड,
मंगलूर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर
सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 24 अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कंपनी करने या उससे बदने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृधारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बता: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन:—

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है:

बन्धुकर्ता

(दस्तावेज सं० 728/80-81 ता० 24-20-80)
बर संपत्ति है जिसका आर० एस० सं० 237/ए०-2बी
और टी० एस० सं० 303/A.2.B इस के साथ एक बर है
जिसका सं० 15-8-446 कंपनी गांव बेंदूर वार्ड मंगलूर।

आर० तोताली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मंगलूर

तारीख: 19-5-81
मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 21 मई, 1981

निवेश सं० सी० आर० 62/28491/80-81/एक्य०-बी—

यतः मुझे, आर० तोतावी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 48/1, है, तथा जो
पड़वा गांव, मंगलूर-575004 में स्थित है (और इससे
उपर्युक्त प्राधिकारी में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रजिस्ट्र-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
25-10-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकल्प नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री बी० राम कृष्णराव "वेंकी प्रसाद" पड़वा,
मंगलूर
(2) श्री एच० राधवेंद्र घासार
(3) श्री रवीन्द्र नाथ के० पै,
"कृष्ण निवास", पड़वा, मंगलूर-575004
(अन्तरक)

2. प्रोग्रेसिव डेसरट्स, और रेलिडास,
केयर आफ : कृष्णराजू, 78-1, शंकरप्पा, गाडंन,
मागडी रैड, बंगलूर-560023
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मंगलूरी

(दस्तावेज सं० 753/80-81, तारीख 25-10-80)
धर सपालि, जिमका आर० एस० सं० 48/1-बी (जगह
बिल्डिंग, के माथ) पड़वा, गांव, मंगलूर
चकड़न्दी है:

उ० में—आर० एस० सं० 48-1 ए है

द० में—इसी सर्वे सं० के बाकी जगह

प० में—आर० एस० सं० 266/1ए, और 266/1बी

प० में—इसी सर्वे सं० के बाकी जगह।

ग्राम तोतावी

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 21-5-1981

मोहर:

प्रध्यम आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 मई, 1981

निवेश सं० सी० आर० 62/28250/80-81/ए०सी०क्य०-
भी—अस—: मुझे, आर० तोतावी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन संशेष प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० पुरानी सं० 241, और भवा सं० 17 है
तथा जी० रिचमंड रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर में स्थित है
(और इससे उपाध्य अनुसंधो में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय शिवार्जी नगर, बैंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
10-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्दु यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
क्षल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सूचिता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

1. (1) डा० ज्यनारायण रेडी
दिवंगत टी० एन० राम कृष्ण रेडी के पुत्र
(2) ओ टो० एन० ज्यसुर्यं रेडी
दिवंगत टी० एन० राम कृष्ण रेडी के पुत्र
दीनों रहने वाले सं० 17 में रिचमंड रोड,
सिविल स्टेशन, बैंगलूर
- (अन्तरक)
2. मैसरे मन्नी होम्स, प्राईवेट लिमिटेड,
सं० 17, नोरीस रोड, बैंगलूर
प्रतिनिधि हैं :
(1) श्री तामस चाकी
(2) श्री ई० जी० गोवेस } } डाइरेक्टर्स
- (प्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहियों करता है।

उचित सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहृ भी कांक्षीप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रत्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विस्तृत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में फिर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्तृची

(दस्तावेज सं० 2020/80-81 ता० 10-9-80)

धर संपत्ति है जिसकी पुरानी सं० 241 और नयी
सं० 17, रिचमंड, रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर

आर० तोतावी
संशेष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 26-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत काहौंटी एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमदार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 मई, 1981

मिशेन सी० आर० 62/28310/80-81/एक्य०-वी--

अतः मुझे आर० तोतावी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सेट सं० 243 है, नथा जो विश्वासला ले
आउट, डिफेन्स कालेनी, इन्द्रानगर, बैंगलूर-38 में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूचे में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बैंगलूर में
एन्जिनियरिंग अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 29-७-८०

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल वे ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
फन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण की लिए तथा याद गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृहै किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दबे के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हैं भरतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, भू उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:--

5-136 GI/81

1. श्री सीमद दुर्गान,
मोर मैहमद सालहे के पुत्र,
सं० 18, कन्नीगंहाम रोड, सिलिं स्टेशन,
बैंगलूर-५२

(अन्तरक)

2. कुमारी लाजू, वी० नैनानी,
श्री वासुदेव नैनानी की पुत्री
बरलीगटाऊत हाऊस, 10 वां पलोर वी०-१, ९०-९४,
नासन रोड, कोल्कता, हान्म कानू।

श्रीर केर आफ अमेहन मिस्ट्री
"रानीस" कमरसियल स्ट्रीट, सिलि स्टेशन,
बैंगलूर

(अन्तरिती)

3. अकतर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभेग में सम्पत्ति है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :--

(क) इस सूचना के द्वायपन वे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर
सम्बन्ध की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्वधि बाय में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के द्वायपन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंड-
ब्रह्म प्रिस्टी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लकड़ीकरण:- इसबने प्रश्नोक्त स्थायों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विस्तारित
है, वही अर्थ होगा जो कह सम्भवप में लिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2352/80-81 तारीख 29-७-८०)

खाली उग्रह है एक बैकेन्ट सैट, जिसकी सं० 243 है,
विश्वासला ले आउट, डिफेन्स कालेनी, इन्द्रा नगर,
बैंगलूर -38

चक्रवर्ती है :

३० में—४०/रेड,
४० में—सैट सं० 242
५० में—८०/कुट रेड
५० में—सैट सं० 232

आर० तोतावी
सहम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख 26-५-1981

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 मई, 1981

निदेश सं० सी०अ० र०-६२/२८०३४/८०-८१/एक्य०-बी—
यतः मुझे, आरा० तोतावी।

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर गंपिंग नियमका दृष्टि बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

(ग्रोर जिसको सं० एम० सं० 659 तथा टी० एस० सं० 246
(पश्चिम पोरशन), है तथा जो अत्तावर गांव, मंगलूर में स्थित है
(ग्रोर इससे उपाध्य अनुसूची में ग्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय बंगलूर सिटी में रजिस्ट्रेकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-७-८०
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
बनने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एम्बे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता
के लिए:

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती सेरेसा डिसोजा

श्री लारेन्स डिसोजा की पत्नी।

(2) श्री लारेन्स डिसोजा जान डिसोजा के पुत्र
दोनों रहने वाले अत्तावर गांव, रेजो रोड,
मंगलूर में।

(अन्तरक)

2. श्री जैराम डिसोजा

जान डिसोजा के पुत्र

जे.पू, मंगलूर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भै समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
भूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

अनुसूची

(दत्तावेज सं० 683/80-82 तारीख 11-७-८०)

घर संपत्ति है जिसका एस० सं० 659 और टी० एस०
सं० 246 (पश्चिम पोरशन) आत्तावर गांव, मंगलूर।

आरा० तोतावी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 23-५-८१

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

आजन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 मई, 1981

निवेश सं० सी०आर०-62/28249/80-81/एफ्यूसॅ-बी—
अतः मुझे आर० तोतांदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि किंवदन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुरानी सं० 24 और नया सं० 16 है, तथा
जो रिचमंड रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर, में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक
9-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थाना (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. (1) श्री जे० श्रीनिवास रेडी, दिवंगत बी० जयराम
के पुत्र
- (2) श्रीमती ललिता एस० रेडी, सं० 1 की पत्नी
- (3) कुमारी एस० विजिता रेडी, सं० 1 की पुत्री
- (4) श्री एस० वेकटराम रेडी, सं० 1 के पुत्र
- (5) श्री जे० सुरेन्द्र रेडी, दिवंगत बी० जयराम की पुत्र
- (6) श्रीमती रेनुका एस० रेडी, सं० 5 की पत्नी
- (7) मास्टर एस० जयराम रेडी,
- (8) एस० प्रताप रेडी, (7) श्री और (8) सं० (5) के
मैनर पुत्र।

ये सब सं० 16 रिचमंड रोड, बंगलूर में
रहते हैं।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सन्नी होम्स, प्राइवेट लिमिटेड,
सं० 17, नोरीस रोड, बंगलूर।
इसके प्रतिनिधि हैं: डायरेक्टर्स :

- (1) तामस आको
- (2) ई० जी० गोवेस

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा अधीकृताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 2019/80-81 तारीख 9-9-80)

धर संपत्ति है जिसका पुरानी सं० 24, और नया सं० 16
रिचमंड रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर

आर० तोतांदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

आजन रेज, बंगलूर

तारीख 26-6-1981

मोहर:

प्राप्त पर्याप्त दी० एन० एस०—
प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
262 प(1) के प्रतीत सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आमंत्रकर प्राप्तकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 11 मई, 1981

निदेश सं० सी० प्रा०-62/28730/80-81/एन्यू-
की—अतः मुझे, प्रार० तोतावी।

आमंत्रकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें अतः 'उक्त प्रधिनियम' कहा याहा है), की धारा 262-वा
के प्रतीत समाम प्राप्तिकारी की; यह, विकास करने के लक्ष्य कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिक वापर मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है।

और जिसकी सं० 57/1, (सं० 57-58) के दक्षिण 1/3 भाग
है, तथा जो आसबोरन रोड, डिविजन सं० 53, बंगलूर में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण सप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 1.5-11-80

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(अ) अस्त्रज से, तुम्हे किसी बाक की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कह कोने के प्रत्यक्ष के
शास्त्रिक में कमी, बरते, या उत्तरे, बचने में सुनियम
के लिए और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें प्रारंभिक आमंत्रकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
आमंत्रकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगकारी प्राप्तिकारी द्वाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में
सुनिधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 262-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 262-वा, की उपायान, (1),
अन्तीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतः:—

1. एम० जी० स्वामी,
दिवंगत श्री जी० नागरतनम, अग्न्यद के व्यपुत्र
सं० 25, डा० रंगजारी रोड, मैलापुर,
मद्रास-4
(अन्तरक)
2. ग्रास्मीर हाऊसिंग कोप्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड,
सं० 57-57/1-58, आसबोरन रोड, बंगलूर,
इसका प्रतिनिधि है:
श्री पी० वी० केक्टेश्वरन, (चीफ प्रमोटर)
(अन्तरिती)

ओ यह सूचना जारी भरके पूर्णोक्त कम्पनी के बाह्य
कार्यालयमें शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन श्री अवधिकारी तस्वीरन्वारी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधिकार के संकाय द्वारा
सकाल द्वारा ही भीतर पूर्णोक्त अन्तरिती में से
किसी अविकल्प द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद
किसी अन्य अविकल्प द्वारा, प्रधोदस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एवं अन्तिम रूप:—इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अविकल्प के अध्याय 20-क में वरिक्षित
है, वही अर्थ होगा; जो उस अन्तराव में
विद्या गया है।

प्रत्यक्षी

(दस्तावेज सं० 2829/80-81 तारीख 15-11-1980)
घर संपत्ति है जिसका सं० 57/1, (सं० 57-58 के दक्षिण
1/3 पोरान) आसबोरन रोड, डिविजन सं० 53, बंगलूर
चकवन्दी है:

उम्में—प्राप्तर्दी सं० 57-58 के पोरान
द० में—प्राप्तर्दी प्राप्तर्दी
पू० में—प्राप्तर्दी प्राप्तर्दी
प० में—आसबोरन रोड

प्रार० तोतावी
सम्पत्ति प्राधिकारी
सहायक आमंत्रकर प्राप्तकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 11-5-1981

मोहर :

प्रस्तुति दी एवं एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व (1) के पश्चात् सूची

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 3 जून, 1981

निदेश सं० /49/अर्जन/81-82—आयकर मुद्रा, आर०

प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके वशात् 'डॉ प्रविनियम कहा गया है), की वारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० ८८० टाट सं० ७१३-ए, धाना संख्या 196,
होल्डिंग संख्या 872/ ए है तथा जो कोकर रांची में स्थित है
(और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-10-80
को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यप्राप्त
प्रतिशत के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिशत का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरित (घन्तरकों) और
अन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पारा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख में उक्त घन्तरण सिद्धित में
बास्तविक रूप से कवित मही किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अनुरक्त के वायिल
में रुपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
धौर/पा.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-व के अनुसार
में उक्त अधिनियम की वारा 269-व के अनुसार (11)
के अल्लीन निम्नलिखित अस्तियों, अवर्ति :—

1. (1) श्री सरवनी कुमार मुखर्जी
- (2) श्री हरा कुमार मुखर्जी
- (3) श्री शक्ति कुमार मुखर्जी,
सभी पुत्र स्व० सुब्रोद्ध चन्द्र मुखर्जी,
निवासी 23, खिरकी लेन, चिनसुराह जिला
हुगली ।

(अन्तरक)

- (2) श्री मुनील कुमार भाटिया,
- (2) श्री सुशील कुमार भाटिया
सभी पुत्र स्व० एस० एन० भाटिया,
निवासी मेन रोड, रांची ।

(इति तिर्ति)

को यह सूची जारी करते पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अवैत के
निए कार्यवाहियों करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अवैत के वंचन में कोई भी आश्वेषः—

(क) इस सूची के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन के अवधि पहले अवैतीय अस्तियों पर
सूचना भी तामील थे 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सवाल्प होती हो, के भोवर पूर्वोत्तम
अस्तियों में से ही अवैत द्वारा;

(ख) इस सूची के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृश्य
किसी अन्य अवैत द्वारा, प्रधोहुलाक्षणी के पास स्थिति
में किए जा सकेंगे ।

इति हेतु—इन्हें गुरु 1 अक्टूबर वार विवर के
दिन के अवधि 20-८ में परिमापित है, वही
अवैत होगा जो उस अव्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

29 कट्ठा जमीन जो मीजा कोकर जिला रांची में स्थित है
जो पूर्ण रूप से बासिका नं० 1-5879, दिनांक 9-10-80 में
वर्णित है तथा जिसका निबन्धन इन्स्पोरेन्स आफ कलकत्ता द्वारा
सम्पन्न हुआ है ।

आर० प्रसाद
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख 3-६-८१

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज, पटना
पटना, विनांक ३ जून, १९८१

निदेश सं० III, ४९२/अर्जन/८१-८२—अतः मुझे आर०

प्रसाद

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु. से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी सं० होस्टिंग संख्या २२२ (पुराना १०४ ए/६), सर्किल संख्या ६, वार्ड संख्या १० (पुराना वार्ड संख्या २) है तथा जो न्यू डाकबंगला रोड, पटना में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन दिनांक ११-१०-८० को

प्रावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाउतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बायार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपभारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. (१) अनिभा चक्रवर्ती बन्द जोगे स्व० एच० सी० चक्र वर्ती
 - (२) श्री अराजीत चक्रवर्ती, बल्द स्व० एच० सी० चक्रवर्ती
 - (३) श्रीमती शर्मिला भट्टाचार्जी जोगे डा० ए० के० भट्टाचार्जी
ल्यू डाक बंगला रोड पटना।
- (अन्तरक)
२. श्री भोहन सिंह और अशोक कुमार सिंह बल्द स्व० परशुराम सिंह निवासी हजियापुर जिला गोपालगंज।
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवृत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-घट्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा ४ कट्टा १२ घूर भकान सहत जो मौजा न्यू डाक बंगला रोड, थाना कोतवाली, जिला पटना में स्थित है और जो पूर्णतया से बसिका नम्बर, ७४४९, विनांक ११-१०-८० में वर्णित त है तथा जिसका निवन्धन जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

ग्राह० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख ३-६-८१

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 3 जून, 1981

निवेश सं. III, 493 /अर्जन/81-82—अतः मुझे, आरो
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. धारा संख्या 3013 है, तथा
जो कसाप धारा उदवन्तनगर जिला भोजपुर में स्थित है
(और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है
राजस्त्रीकरणकारी अधिकारी के कार्यालय विकरमगंज में रजिस्ट्रीकरण
धिनियम 190 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-10-
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्हरि:—

(1) डा० विरेन्द्र प्रताप सिंह, एम० बी० बी० एम० पिता
स्व० बाबू रामसिंह साकिन पोस्ट कसाप, धाना
उदवन्तनगर जिला भोजपुर।

(अन्तरक)

(2) लेपिटीनेन्ट कर्नल राजेश्वरी प्रसाद सिंह पिता स्व०
बाबू गुरु सिंहप्रसाद सिंह साकिन पोस्ट कसाप, धाना
उदवन्तनगर जिला भोजपुर।
(अन्तरिती)

क्षमे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 6 एकड़ बियासिस एकड़ीमल (6 एकड़
42 छीसमल) मौजा कसाप धारा उदवन्तनगर जिला भोजपुर
जो पूर्णरूप से वासिका नम्बर 7446 दिनांक 24-10-80 में वर्णित
है एवं जिसका निवन्धन अववर निवन्धक पदाधिकारी विकरमगंज
जिला भोजपुर द्वारा सम्पन्न हुआ है।

आरो प्रसाद
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

दिनांक 3-6-81
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सशायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, हैदराबाद

पटना, दिनांक 3 जून, 1982

निदेश सं० ३० ४९४ /अर्जेन/८१-८२—अतः मुझे,
आर० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि भावाव संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० १० एसम० घ्लाट संख्या 2082
अंश जो 2082/1/सी० १० और 2082/1 डी० १० है,
तथा जो तथा जो पुराना कमिशनरसे कम्पाउण्ड
रांची में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का (1908 का 16) के अधीन
तारीख 31-10-1980.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अस्वतिरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अस्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिकी (पन्तरितियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तथा यांत्रिक विवरण से नियमित तरह से
उच्चत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नियमित नहीं किया गया
है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आव की बाबत उच्चत अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी हरने या उससे बचने में नुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी दून या अन्य प्रासितियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी
प्रतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया ताकि इसने में नुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
ने, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपशारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रनुपकुमार चौहान बल्द श्री हीरालाल प्रसाद
चौहान (2) श्री प्रमोद कुमार चौहान बल्द श्री
केशरीजी चौहान दोनों का निवास स्थान पुराना कमि-
शनरसे कम्पाउण्ड थाना कोतवाली, जिला रांची।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा देवी नरसरिया जौजे, सत्यानारायण
नरसरिया, निवासी पुराना कमिशनरसे कम्पाउण्ड
थाना कोतवाली जिला रांची।
(अन्तरिकी)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के
लिए लाभ्यात्मिया करता है।

अत यह सम्पत्ति के यह दंत के संबंध में जोरद जी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरों व्यक्तियों पर भूमा
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो वां अवधि
मात्र में समाप्त होती है, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के बीतर उक्त स्थानर संपत्ति में
हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अव्याहस्तात्मकी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्कड़ा 12 कट्टा 3 छटाक 4089 फीट जो मौजा
पुराना कमीशनरसे कम्पाउण्ड थाना कोतवाली जिला रांची में
स्थित है तथा पूर्णरूप से बसिका नम्बर 8127 दिनांक 30-10-
1980 में वर्णित है तथा जिसका निबन्ध न जिला अधर निबन्धक
प्राधिकारी रांची द्वारा हुआ है।

आर० प्रसाद
सश्यम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन परिक्षेत्र, विहार, पटना

दिनांक 3-6-1981

मोहर

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 3 जून, 1981

निवेश सं० 111 495/अर्जन/81-82—अतः मुझे, आर० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता 1226 खसरा संख्या 562 है, तथा जो दिग्भी कलां हाजीपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैशाली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 31-10-1980 को घूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पद्धति गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से की थी किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इनी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6-136 GI/81

(1) श्री सुरेश चन्द्र बल्द उमेश चन्द्र प्रसाद सिंह निवासी साकिन थाना हाजीपुर जिला वैशाली।
(अन्तरक)

(2) श्री नीरज कुमार सिंहा बल्द श्री सूचित कुमार सिंहा निवासी साकिन राजेन्द्र में नगर थाना कदम कुंआ, पटना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर रुक्षना की तात्पुरी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिका द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बित हित-बित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 65 डीसमल जो मौजा दिग्भी कलां थाना हाजीपुर जिला वैशाली में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से वासिका नम्बर 5060 दिनांक 31-10-1980 में वर्णित है तथा जिसका निवन्धन जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी वैशाली द्वारा सम्पन्न हुआ है।

आर० प्रसाद
सक्षम पदाधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

दिनांक 3-6-1981

मोहर :

प्रस्तु आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनांक 9 जून, 1981

निवेश सं० 111 496 /अर्जन/81/82—अतः मुझे, आरो
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० साकिन नं० 123, होल्डिंग नं० 9 एवं 16,
वार्ड नं० 22/28 मोहल्ला सोना टोली, अशोक राज पथ थाना
खजकला, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, (अर्जिस्ट्रीफर्टा अधिकारी के कार्यालय
पटना सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1909 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 11-10-1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, प्रामाणिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसूचण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हकीम मोहम्मद जाफर (2) मोहम्मद यूसुफ
बलद स्व० हकीम मोहम्मद नाजीर हुसैन उर्फ हकीम
नाज साहेब (3) श्रीबी सालहा खातुन जौजे
मोहम्मद मकतुल मोहम्मद, मोहल्ला सोनार टोली, पटना, सिटी,
खाजेकलां जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री वैजनाथ प्रसाद वल्क बाबू साधो लाल, मोहल्ला
गोरहटा, पटना सिटी, थाना खाजेकला जिला
पटना।

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि आओ भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जगीन का रक्खा 3 कट्टा 7 घर 12 धूरकी मकान सहित
जो मौजा मोहल्ला सोनार टोली में स्थित है तथा जो दस्तावेज
संख्या 5017 दिनांक 11-10-80 में पूर्णरूप से वर्णित है एवं
इसका निवन्धन अवर निवन्धक पटना पदाधिकारी पटना सिटी
द्वारा सम्पन्न हुआ है।

आरो प्रसाद

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयकर, निरीक्षण

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना।

दिनांक 9-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1—श्री अग्नि सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2—शंकरलाल मजुमदार

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल, 1981

निवेश सं० ए० सी० 11 रेज-IV/कल//1981-82--
यतः मुझे, के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 604 से 606 है तथा जो मौजा हारूना-
बाद हुगली में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण-
रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुगली
हुगली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 6-10-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉर्ड भी आशेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रष्टकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गास्तियों
को जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मौजा हासनाबाद जिला हुगली में 32 सतक जमीन का सब
कुछ जैसे 1980 का दसिल सं० 1659 और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिंहा

सक्रम पदाधिकारी

राहयक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV कलकत्ता

54, रफीअहमद, किंवद्दं रोड, कलकत्ता

दिनांक 16-44-1981

मोहर :

यस अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 अप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० सी०/रेज/IV/कल०/19—अतः मुझे आई०
वी० ए० स० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो गणेश चन्द्रा एवेन्यू कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में प्रौढ़ और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 2-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ष) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:--

1. (1) श्रीमती पाहरी देवी,

(2) बजरंग लाल

(3) श्रीमती शकुन्तल

(अन्तरक)

2. श्री हरी कृष्ण आंगरवाल

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूलसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था तिथाने में
सुविधा के लिए;

आई० वी० ए० स० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 54, रफी अहमद किलबई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख 27-4-1981

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एम० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27-अप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० सी० /रेंज/IV/कस०/19—अतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 79 है तथा जो आ० लालरत मोहन
भट्टाचार्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 14-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप स कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायिक में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी इन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

1. श्री शम्भू नाथ चन्द्र

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा तिकरी वाल

(अन्तरिता)

भरे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहे भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में व्या-
परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

79 ड० लाल मोहन भट्टाचार्जी, रोड, कलकत्ता में
अवस्थित 4 कट्टा 12 छटांक, 10 वर्ग फिट जमीन पर एक
तल्ला मकान जो 14-10-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ
एस्युरेन्स दस्पतर में डीड नं० L-6031 अनुसार रजिस्ट्री
हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, 54, रफी अहमद किदवर्ही रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के प्रमुखण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्बात :—

तारीख 27-4-1981
मोहर :

प्र० प्र० वा० ए० ए० ए० ए० ए०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 अप्रैल 1981

निदण सं० 901/एक्वी० रेंज-III/81-82—अतः मुझे
आई० वी० एस० जुनेजा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 75 है, तथा जो बेनियाटोला स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 14-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अस्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अस्ति :—

1. श्रीमती नलिनी बाला साहा और दूसरे

(अन्तरक)

2. नील कमल डा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
से किसी अवित्यों के लिए

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रथम अवित्यों के लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
है, वही पर्याय होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

75, बेनिया टोला स्ट्रीट, कलकत्ता, 1 के०-14 सीएच
30 वर्ग फुट पर पाका कुणे।

प्राई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर भाष्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवाई
रोड, कलकत्ता-16

तारीख 27-4-1981

मोहर :

प्रतीक्षा प्राप्ति 200 दौरा 10 एम 000--

1. श्री उगेन पाल जोर नामगियाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. तासि दोर्जी भाटिया

(अन्तरिती)

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 मई 1981

निर्देश सं १० सी ० 20/रेज- /कल/1981-82—अतः
मुझे, के० सिंहाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सकारा सम्पत्ति को, यह विवाह करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से प्रधिक हैऔर जिसकी सं ० प्लाट सं ० 10/900 है, तथा जो डुंगरा,
के० एम० ब्लाक, कालिमपोंग में स्थित है (और इससे उपावड
ग्रन्तुसूची में और, जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कालिमपोंग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-10-80को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के ११२. प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है
और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
प्रत्यक्षरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया
है।—(क) प्रत्यक्षरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरण के दायित्व में कमी
करने पा रससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी बत या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या भ्रमन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याख्या:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रशुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्राह्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उन ग्राह्याय में दिया गया है।

ग्रन्तुसूची

प्लाट सं ० 10/900 खतियान सं ० ९६, डुंगरा के० एम०
ब्लाक कालिमपोंग में ०.०४ एकड़ जमीन का साथ मकान का
सब कुछ जैसे सं ० 1980 का वलिल सं ० ४०१ में और पूर्ण रूप
से वर्णित है।

के० सिंहा

सभाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, 54 रफी प्रह्लाद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16अतः प्रत्यक्षरण की धारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकतः—

तारीख 1-5-1981

मोहर :

प्रस्तुति प्राइवेट एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्री नित्य गोपाल साधु

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर मुर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 मई 1981

निर्देश सं० ए० सी० 21/रेंज-IV/कल०/1981-82—अतः
मुझे के० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० दाग नं० 4142 है, तथा जो होल्डिंग सं०
31/29, बार्ड नं० 19, मोघलतुली मोहल्ला, चुचुड़ा में स्थित
है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुगली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-10-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रस्तुत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 4142, होल्डिंग सं० 31/29, बार्ड सं० 19,
मोघलतुली मोहल्ला चुचुड़ा में 0.062 एकर जमीन का साथ
मकान का सब कुछ जैसे सं० 1980 का दलिल सं० 1620 में
और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, 54 रुक्मी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 1-5-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. सतिप्रसन्ना भौमिक

(अन्तरक)

2. मौसुमि को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मई, 1981

निर्देश सं० 913/एक्वी०/रेंज-III/81-82—ग्रतः मुझे,
आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, तथा जो बालिगन्ज सरकुलर रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में है इसी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अन्तरकी

जमीन का ठिकाना :

15, बालिगन्ज सरकुलर रोड, कलकत्ता, 27 के०
12 सीएच 37 वर्ग फुट जमीन।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, 54, रफ़ी अहमद किदवार्दी
रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

7—136 GI/81

तारीख : 26-5-1981

मोहर :

प्रहृष्ट आई० बी० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मई 1981

निवेश सं० 914/एक्वी० रेंज-III/1981-82—अतः

मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहले उक्त 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 15 है, तथा जो आलिगनज सरकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्राहक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उपदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे उच्चने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1.

श्रीमती भीती राय

(अन्तरक)

2. मौसुमि को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी घासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् श्री व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-दद्दुकी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर वदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममसूची

जमीन का ठिकाना :

15, आलिगनज सरकुलर रोड, कलकत्ता, 3 के०-24 सीएच 24 वर्ग फुट जमीन।

आई० बी० एस० जुनेजा

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-III, 54 रुफ़ी अहमद किंदवाई रोड

कलकत्ता-16

बतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 26-5-1981

प्रस्तुप आइ० टी. एन. एस. —————

1. श्रीमती अन्नी वास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मौसूमि को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 26 मई 1981

निर्देश सं० 915/एक्सी०/रेंज-III / 1981-82—प्रतः
मुहूर्माह० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो बालिगनज सरकुलर रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अलिपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16 के अधीन
तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक
रूप से कठित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या;

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारे हूँ:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांशु शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों के, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का ठिकाना :—

15, बालिगनज सरकुलर रोड, कलकत्ता 3के, 4 सीएच
24 वर्ग फुट

ग्राह० बी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54 स्फी अहमद फिल्ड रोड,
कलकत्ता-16

तारीख 26-5-1981
मोहूर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती मिता दास (अन्तरक)

2. मौसुमी कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी सि०

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता, विनांक 26 मई, 1981

रेफ० नं० 916/एक्विव० आर०— /81-82—यतः
मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, तथा जो बालीगंज सरकुलर
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची
में, और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980
को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, मिम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का ठिकाना:—

15, बालिगंज सरकुलार रोड, कलकत्ता 3क०-4छ०-
-24 स्क्वार फीट जमीन।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 26-5-1981

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

पृष्ठ पर्याप्त दो दस एहां--

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मई, 1981

रेफरो नं. 917/एमिव० आर०-III/81-82—यतः
मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के प्रधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/- वा
से अधिक है।

और जिसकी सं. 15 है तथा जो बालिङंग सरकुलर
रो, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची
में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती गायत्री दे (प्रन्तरक)

2. मोसुमि कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर यह सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भै किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का ठिकाना:—

15, बालिङंग, सरकुलर रोड, कलकत्ता 3क०-4छ०
24 स्कैड० फीट।

आई० बी० एस० जुनेजा,
संस्करण प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 26-5-1981

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

फलकस्था, दिनांक 26 मई, 1981

निर्देश० सं० 918/एक्वि० आर०-III/81-82—यह:
मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो बालीगनज सरकुलर
रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की वावत उक्त प्रस्तरण
के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; योर/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
का घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनमार्बं अन्तरिती द्वारा प्रकट मक्की किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः, वह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व(1) के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधीरा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अनिता सरकार (अन्तरक)

2. मौसुमि कोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में जोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो सीधे अवधि वाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताधीरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे :

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

जमीन का ठिकाना
15 बालीगंज, सरकुलर रोड़, कलकत्ता ।
3के१४ सी एच—24 वर्ग फुट ।

आई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 26-5-1981
मोहर :

प्रहृष्ट आई. टी. एम्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जून 1981

निर्देश सं० ए० मी० 17/रेंज- /कल०/1981-82

यतः, मुझे, के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दाग नं० 3302 है तथा जो बेहाला,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और,
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय
ज्वाइट एस० आर० अलीपुर बेहाला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

31-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातः—

1. श्रीमती ग्रन्था मनुमदार (अन्तरक)
2. मेसर्स नीलोय को० ओ० हाउसिंग सोमायटी लि०,
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एरिया :—19½ कोट्टाह दाग नं० 3302 मौजा
पि० एस० बेहाला 1 कलकत्ता।

के० सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीखः 2-6-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1981

निर्देश सं० 919/एसी क्यू०/रेंज- /81-82—यतः, मुझे,
आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 50 है तथा जो जितन दास रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

कर्ते पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे हृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिद्राने में
सुविधा के लिए;

50, जितन दास रोड, कलकत्ता, 5के-40 स्क्वार० फीट
जमिन पर पाका कोठी।

आई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

तारीख: 1-6-1981

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एच० एस०—

1. श्री पूर्णेया प्रिया दास गुप्त (अन्तरक)
 2. कुमारी अनजुलिका एपार्टमेंट अनारस सोसायटी
 (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1981

निर्देश सं० Ref. No. 920/Acq. R-III/81-82

मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 50 है तथा जो जतिन दास रोड,
 कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपागद्ध अनुसूची में और
 पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त वह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके अव्यमान प्रतिफल से, एसे अव्यमान प्रतिफल का
 पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में
 किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
 के लिए;

को यह सूचना आरी कुड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

50, जतिन दास रोड, कलकत्ता, 5फै०-540 स्थान
 फीट जमीन पर पक्का कोठी।

आई० वी० एस० जुनेजा
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

अतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसूचण
 में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8—136 GI/81

तारीख: 1-6-1981

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जून 1981

निवेद्य सं० ए० सी० 18/रेंज-II/कल०/1981-82—यतः
मुझे, के० सिंहा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० ख० न० 2047 है, तथा जो गोपाल-
पुर पी० ए० बे० बे० हला, कलकत्ता में स्थित है (और इससे
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जेटी० ए० आर० अलीपुर
बे० हला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 7-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने से सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अधिकतः—

1. श्री निरन्जन चक्रवर्ती (अन्तरक)
2. मैस० नरेन्द्र नगर को० आ० हाउसिंग सोसायटी
लि०, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबंधीकरण :—इसमें प्रायुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विया गया है।

अनुसूची

एरिया: 36 के० 8 सी० ए० के० ए० न० 2047
(प्रियों न० 1151) पि० ए० बे० हला। मोजा०
गोपालपुर, कलकत्ता।

के० सिंहा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 2-6-81
मोहर:

प्रध्यं बाइ.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1981

निर्देश सं० ए० सी० क्य०/आर०-II/फल/81-82—अतः
यतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० ए० सं० दाग न० 1255 है तथा जो
प्लाट नं० 3, बंगूर एवेन्यू, पौ० ए० लेक टाउन कलकत्ता
स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और, पृष्ठांत्रिप से
बर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय ग्रलीपुर-24
परगाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
के अधीन, दिनांक 10-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री ग्र नाथ नाथ मित्र

(अन्तरक)

2. कुमारी मनु सरकार

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृपुष्प
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

C.S.Dag. No. 1255, Plot No. 3, Baigur Ave, P.S. Laketown
Area 5K-24 ch. More provisionally described in Deed No.
8375 dt. 10-10-80 in D.R. Ahuja

के० तिहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II 54, रफी अहमद किल्डाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख 4-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत वाई० बी० एस० इन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
268-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 8 जून 1981

निर्देश सं० एस०/576/टी० आर०-399/80-81 —प्रतः

मुझे आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है
कि स्पष्ट अन्तर सम्पत्ति विवाद उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 4 है तथा जो कोलिन लेन, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाख्य अन्तर्भूती में और पुण्यस्वरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
विनांक 10-10-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हुए किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में
कृषिका से लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 268-प के अनुबरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 268-प की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अधीक्षतः—

1. श्री नगेन्द्र नाथ दत्त

(अन्तरक)

2. कुमारी आयदुर्जेसा (माइनर) अभिभावक पिता आम्बुल
करीम

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारियों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य अधिकता द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीयाय 20-क में परिचायित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अधिनाय में दिया गया है ।

मन्दसूची

करीब 7 कद्दा 2 छटांक 14 लक्ष्येर कुट जमीन साथ उस पर^व
बनाया हुआ बोतलला मकान जो 4 कलिन लेन, कलकत्ता पर^व
अन्तरित और जो रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्स कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्री-
कर दिल दलील सं० 5904 ता० 10-10-1980 का अनुसार है ।

आई० बी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 8-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निवेश सं० डी-39/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान सं० 2 है तथा जो फारसिथरोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 198 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख 14-10-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरवेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की वापत उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरुक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, तैयार उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अधीन

1. मिस्टर सी० जी० आईविसरोटलेफ (अन्तरक)
2. डा० पी० बोराज नामिनो भेसर्स कामर्शलिय बिल्डर्स (प्रा०) लि० लखनऊ (अन्तरिती)
3. स्वयं : (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्बंधि है।)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो कथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन संख्या 122/4 आईविसकोर्ट (हाशमनहाउस) वाके 2 फारसिथरोड शहर लखनऊ क्षेत्रफल 42260 बर्गफिट तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडोड एवं कार्म संख्या 37-जो नं० 6271/80 में वर्णित है और जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 14-10-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सकाम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-4-1981
मोहर :

प्रकृष्ट पाई•ढी•एन•एस•--

1. श्री शैलेन्द्र समसेना

(ग्रन्तरक)

आपकर विविधत; 1961 (1961 का 43) को भारा
268वां (1) के प्रवीन सुचना

2. श्री अशोक कुमार

(अन्तरिती)

३. य० पी० कोआपरेटिव बैंक लि० (किरायेदार)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभेष में सम्पत्ति है) ।

कार्यालय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ

लखनऊ, दिनांक 16 अप्रैल 1981

निदेश सं० ए-९३/प्रर्जन—अतः मुझे प्रमर सिंह विसंत आयकर प्रविनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा २०७-ए के मधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास हरने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार पूल्य २५,०००/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 35-एम/7 वी का 1/3 भाग है तथा जो रामपुरबाग बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-10-1980

को पूर्वोंत सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के अन्दरूनी प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरितों (अग्न्यरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण मिथित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।--

(क) इस पूछता के उवाचन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर पूछता की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 48 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पघोषहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वरूपीहरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत परिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, उठी रूप स्थिर जो उन अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय को बाबत, उसका अधिनियम के व्यवस्था कर देने के सम्मतरक के वायिष्ट्र में कमी फरने या उससे बचने में संयोग के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए वा, छिपाने में शुल्कधा के सिए।

अतः अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

अन्तर्राष्ट्री

कोठी नं० 35 एम/7 बो (मध्य इमारत व जमीन) में से इसका 1/3 हिस्सा अर्थात् 206 वर्गमीटर भूमि व इमारत का भाग स्थित मिलिल लाइन रामपुरबाग बरेली व वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडोड और फार्म 37 जो संख्या 6209 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 30-10-1980 को किया जा चका है।

अमर मिह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, लखनऊ

तारीख : 16-4-1981

संग्रह

मुख्य प्रधान, दी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 अप्रैल 1981

निर्देश संख्या प-१/अर्जन—ग्रन्त: मुझे श्रमर मिह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ३५-एम/७ बी का भाग है तथा जो रामपुर-
वाग बरेली में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुपूर्वी में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 30-10-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीर्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दौरित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नरेन्द्र कुमार सक्सेना।

(अंतरक)

2. श्री अशोक कुमार।

(अन्तरिती)

3. यू.पी.० कोआपरेटिव बैंक (किराएदार)

(वह व्यक्ति, जिस अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही वर्त्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी न० ३५/७ बी (मय इमारत व भूमि) में से जिसका
१/३ शेयर अर्थात् 206 वर्गमीटर भूमि व इमारत का भाग स्थित
सिविल लाइन रामपुरवाग बरेली पोस्टी सिटो शहर बरेली तथा
वह तमाम सम्पत्ति जो सेल डीड तथा फार्म ३७-जी संख्या
6210 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्या-
लय में दिनांक 30-10-1980 को किया जा चुका है।

श्रमर मिह बिसेन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 16-4-1981
मोहर :

प्रूफ आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 16 अप्रैल 1981

निर्देश सं० ए 92/अर्जन:- अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 35-एम/7बी का 1/2 भाग है तथा जो
रामपुरवाग बरेली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1808 का 16) अधीन, तारीख 30-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों अधीतः:--

1. श्रीमति सीता सक्षेना द्वारा मुख्यार श्री रवीद्र कुमार
सिन्हा।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार

(अन्तरिती)

3. यू० पी० कोप्रेटिव बैंक लि० (किरायेवार)

(वह व्यक्ति, जिसके मध्यभौग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के हमन्तर में करें भी जाक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी अविक्तायों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तायों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:-- इसमें प्रदूक्त वस्तुओं और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी मं० 35-एम/7 बी (मय इमारत व अमीन) में से
इसका 1/3 हिस्सा प्रथम 206 वर्गमीटर भूमि व इमारत का
भाग स्थित सिविल लाइन रामपुर थाग डाक स्टी बरेली तथा
वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37 जो संख्या
6211 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के
कार्यालय में दिनांक 30-10-1980 को किया जा चका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 16-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मई 1981

निर्देश सं० एम०-205/अर्जन—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 19 पुराना 30 नया है तथा जो मोतीलाल
नेहरू रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 15-10-1980

के पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व भौं कमी करने या उससे अचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

9—136 GI/81

1. ले० कर्नल मुशील कुमार श्रीवास्तव व श्लेष्म कुमार
श्रीवास्तव (नाबालिक) द्वारा पिता संरक्षक ले० के०
एस० के० श्रीवास्तव। (अन्तरक)
2. श्री प्रयामलाल सचिव निम्न एवं मध्यम वर्गीय सहकारी
सावास समिति लि० नई बस्ती कीडगंज प्रयाग।
(अन्तरित)

उपरोक्त अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहीं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधौहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

अनुसूची

जुज हिंजार झंगलर नं० 19 पुराना जिसका हाल नं०
30 है स्थित मोतीलाल नेहरू रोड इलाहाबाद का पूर्वोभाग
जिसका क्षेत्रफल 1084 वर्गमीटर है तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति
जो सेल डीड एवं फार्म 37-जी संख्या 4875 में वर्णित है
जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में
दिनांक 15-10-1980 को हो चुका है।

प्रभर सिंह विसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 1-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई 1981

निर्देश सं० सी-29/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 उल्लेख पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 अनुरोध है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी संख्या 62/21-ए (नया नं० 16) है तथा जो स्टेशन
 रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
 कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-11-1980
 को पूर्वान्क संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथासूचीकृत संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 अनुसूचित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाणा गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. (1) श्री बलजीत सिंह (2) अमरजीत सिंह (3) श्रीमती
 स्वर्णबलजीत सिंह (4) डा० बीनार्टी ओल्डेनबर्गी
 (अन्तरक)

2. मेसर्स चिल्कूट होटल प्रा० लि० कम्पनी द्वारा मैनेजिंग
 डायरेक्टर श्री अमरजीत सिंह सिंह।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्क सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में मकान की सारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्क
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्वरूपीकरण:—इसमें अद्यक्ष धम्बों और पर्वों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्यय 20-के में परिभ्रान्ति
 है, वही कथ होता जो उक्त अध्यय में दिया
 गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सूचिधा के लिए;

प्रथम सम्पत्ति जो पहले लाल कोठी लहलाती थी मय
 भवन की होल्ड भूमि क्षेत्रफल 26880 वर्गफीट नम्बरी
 62/21-ए (नया नं० 16) स्थित स्टेशन रोड लखनऊ तथा
 वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या
 6795 में वर्णित है जितका फंडीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ
 के कार्यालय में दिनांक 5-11-1980 को को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

सारीख : 15-5-981
 मोसर :

प्रस्तुति बोर्ड, टी.एन.एस. 111-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 मई 1981

निवेश सं० ए-१५/अर्जन-प्रति: मुझे अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी के यह विवरास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 498/159 है तथा जो कैजाबाद रोड
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 4-10-1981

के पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिरकी
(अन्तरीरकारी) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रति-
फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है।:-

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दृश्यमान में कभी करने था उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिरकी बाबारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपेक्षा (1)
के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. (1) श्रीमति लल्ली कुमारी देवी (2) रुदेन्द्र विक्रम
सिंह (3) माधवेन्द्र विक्रम सिंह
(अन्तरक)

2. मैं० प्रमरावती सहकारी गृह निर्माण समिति लि० लखनऊ
(अन्तरिरकी)

3. बिश्वेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वांकत संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहन
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास
प्रिवित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमर सिंह

मकान नं० 498/159 (पुराना नं० 248) मय भवन व
भूमि क्षेत्रफल 45873 वर्ग फिट स्थित कैजाबाद रोड शहर
लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडाउं एवं फार्म
37-की संख्या 6076 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब है
रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 4-10-80 को किया
जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 23-5-1981
मोहर:

प्रस्तुत आइ० टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जून 1981

निवेश सं० जी/51/अर्जन—मत: मुझे अमर सिंह बिसेन
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 18 राम मोहन वास पार्क सरदार पटेल
मार्ग है तथा जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपानद अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन; तारीख 17-10-1980
के पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित भर्ती किया गया है:-

(क) अन्तरण से हर्दे किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
क्षमकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. दी प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि० इलाहाबाद द्वारा इसके सचिव श्री सीताराम
पाण्डे

(अन्तरक)

2. डा० गोपाल जी टण्डन

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यबाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि उक्त स्थानकर सम्पत्ति में हितवृद्धि
की अवधि व्यक्ति द्वारा अन्तरिती के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त सब्जें और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होता जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

बन्दुस्त्री

लीजहोल्ड प्लाट संख्या 18 राम मोहन था टन्डन पार्क
सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद भेनफल 430.93 वर्ग गज तथा
वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या
5120 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्टर इलाहा-
बाद के कार्यालय में दिनांक 17-10-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर मायक्स (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

जल्द: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा ५—

तारीख 2-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत वाहौ.टी.एफ.एस.-----
 भारत कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, लखनऊ
 लखनऊ, दिनांक 28 मई 1981

निवेश सं० एस-208/अर्जन—अतः भुजे प्रमर सिंह बिसेन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 9,11 स्टैचोरोड इलाहाबाद में से प्लाट
 संख्या 26 है तथा जो इलाहाबाद में स्थित है और इससे
 उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 प्राधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-10-1980
 को प्रदानकर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्ययान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
 करने का कारण है कि अधिकारी उक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके अव्ययान प्रतिफल से, एसे अव्ययान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हर्दि किसी बाब वाले बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य वासितायों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में
 सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अन्तरण
 में, मौ. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अधितयों, अर्थात् :--

1. दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी समिति
 लि० इलाहाबाद द्वारा इसके सचिव श्री सीताराम पाण्डेय
 (अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार निशाद
 (अन्तरिती)

3. उपरोक्त
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो यह सूचना जारी करके प्रदानकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकैष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीह से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधिकाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रदानकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यवधि
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

लखनऊ

ग्रन्ति सम्पत्ति संख्या 9 व 11 स्टैच रोड इलाहाबाद में से
 प्लाट संख्या 26 क्षेत्रफल 430.93 वर्ग गज तथा वह सम्पूर्ण
 सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड और फार्म 37 जी संख्या
 5121 में मौजूद है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद
 के कार्यालय में दिनांक 17-10-1980 को किया जा चुका है ।

प्रमर सिंह बिसेन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 2-6-1981
 मोहर:

प्रस्तुति दी. एस. एस.—

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 2 जून 1981

निर्देश रमेश टी-24/अर्जन—ग्राह: मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-H के अधीन संकेत प्राप्तिकर्ता को, वह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या 9-11-स्टैचो रोड 40 व 38 सिरदार पटेलमार्ग है तथा जो इलाहाबाद में स्थित है (अग्र इससे उपबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908* (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-1980 को पूर्वोक्त 'संपत्ति' के 'उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल' की लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त 'संपत्ति' का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक अंतरित में कली करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे 'भारतीय आय-कर अधिनियम', 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदर्शनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिसने में सुविधा के लिए;

1. श्री (1) मुलोचनी देवी (2) बद्रीविशाल टड्डन (3) गिरीश टड्डन (मौर मोहन दास टड्डन प्राप्तरीज) (अन्तरक)
3. वि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निमाजि सहकारी समिति लिमिटेड इलाहाबाद द्वारा सीता राम पाण्डेय (सचिव) (अस्तरिती)
3. उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना बारी करुङ्के पूर्वोक्त 'संपत्ति' के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यावर्ता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भवन व भूमि संख्या 9-11 स्टेंचीरोड इलाहाबाद और 40 व 38 स्थित सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद जिनकी क्रमांक: नजूल प्लाट संख्या 118, 118-ए, 118-बी तथा 118-सी सिविल स्टेशन इलाहाबाद है तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जिनका वर्णन सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या में मौजूद है जिनका पंजीकरण सब रसिन्डार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 4-10-1981 को दर्ज किया जानुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 28-5-1981

मोहर:

ग्रह: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, भूमि अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अंतर्गत:—

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० जे०-५३/अर्जन—अतः मृग्ने, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर-संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो लालबाग मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती चन्द्र कुवर द्वारा मुख्यमन्त्रीम श्री अ॒ज॒भ॒ष॒ण पानेवाल जाकिर हुमें।

(अन्तरक)

(2) श्रा जुगल किशोर, प्रेम कृष्ण अमोरद्वा।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यावरण संपत्ति में हित-बित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के फाल अस्तित्व में किए जाएं सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विवरण में कही करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए;

एक किता मकान एक मंजिला जिसका क्षेत्रफल 1081 वर्गमीटर है, जो कि मोहल्ला लाल बाग शहर मुरादाबाद में स्थित है तथा वह सब सम्पत्ति का विवरण जो कि सेलडीड व 37-जो कि न० 5981/1980 में दिनांक 16-10-1980 में अंकित है तथा जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दर्ज है।

अमर मिह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 9-6-81

मोहर:

अतः यद्युपकार अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रकृष्ण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भाषा संस्कार

कार्यसिग, सहावक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० वाई 6/प्रर्जन-—प्रतः मुझे अमर पिंड बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा था ह), की भारा
269-वा के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०प्लाट नं० 2 है तथा जो रामभोहनदाम पार्क हलाहालाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हलाहालाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

की पूर्वोंकाल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकाल सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीर्ण/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए.

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के प्रतीनि निम्नलिखित व्यक्तियों अवाल :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाचित्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः--

- (क) इस सूची के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूची की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाक में सभापति होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ह) इस सूची के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थापात्र सम्पादित में हित-विषय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के पास लिखित भ्रों किए जानकारी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जॉ की विवरणों का, जारी उत्कृष्ट अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

1

मम्पति लीज होल्ड प्लाट संख्या 2 क्षेत्रफल 417.77
वर्गगज स्थित राम भोहन दास पार्क सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद
तथा वह मम्पूर्ण मम्पति जिनका वर्णन सेलडीड है तथा
फार्म 37-जो संख्या 5304 में है और 37-जो फार्म के
अनुसार जिनका पंजीकरण मय रन्स्ट्रार इलाहाबाद के
कार्यालय में दिनांक 28-10-80 को किया जा चका है।

अग्रम सिंह विसेन,
सक्षम प्राधिकारी
भाष्यक आयकर आयुष्टत (निरोधण)
अर्जुन रेज, लखनऊ

दिनांक : ३-६-१९८१

प्रह्लाद बाहौद. टी. एन. पट. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० वी०-५१/अजन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० ३८-४० सरदार पटेल मार्ग है जो से ज्लाट
संख्या २७ सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद में स्थित है (और इससे
उपार अनुसूची में और पृष्ठे रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धास्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ५—

10—136 GI/81

- (1) दी प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि० दरियावाद द्वारा श्री सोता राम पाण्डे,
सचिव।
(अन्तरक)
- (2) विमला सियाल
(अन्तरितो)
- (3) उपरोक्त अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयोक्त सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 38 व 40 स्थित सरदार पटेल मार्ग
इलाहाबाद में से ज्लाट संख्या 27 क्षेत्रफल 430-93 वर्गगज
तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडाल व फार्म 37 जो संख्या
5214 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहा-
बाद के कार्यालय में दिनांक 24-10-1980 को किया जा
चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 3-6-1981

मोहर:

प्रस्तुप आर्ड. टो. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० बी-50/अर्जन—अतः मुझे, प्रमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम आधिकारी को यह विवाद करने का कारब्ब है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 38-40 सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद में प्लाट है तथा जो संख्या 17 में स्थित है (और इससे उपांचद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण आधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की वई है और मुझे यह विवाद करने का कारब्ब है कि यकापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पश्चरब्ज के निए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरब्ज विवित में बास्तविक रूप से निर्धित नहीं किया गया है।—

(क) प्रत्यक्ष से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित अधिकारी अधीक्षतः—

(1) वि प्रथाग उपनियेशन आवास एवं निर्माण सहकारी नियमिति नि० दिवियावाद द्वारा श्री सीलाराम पाण्डे अधिकारी (अन्तरक)

(2) वीरेन्द्र मरन

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिसूचना में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के अन्तर्गत में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ द्वारा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 38 और 40 स्थित सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद में से नजूल भूमि का प्लाट संख्या 17 क्षेत्रफल 430.93 घर्गंज अथवा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडोड और फार्म 37-जो संख्या 5143 में वर्णित है निजाक पजी-करण (37-जो फार्म के अनुसार) सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 21-10-1980 को किया जा चुका है।

प्रमर सिंह बिसेन,
सकाम आधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 3-6-1981

मौहर:

प्रेस्प्रेस बाई, टी. एस. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प्र.(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निदेश सं० एस० 214/अर्जन—असः मुझे; अमर सिंह
विसेन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब्र
के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विवाहास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 38-40 सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद में
से है तथा जो संख्या 15 मे॒ रिहाई है (और इस उपावड़
अनुसूचों में और पूर्ण रूप से नामित है), रजिस्ट्रीकर्स प्राधिकारी
के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 अक्टूबर,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रमोजनावं प्राप्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प्र के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत ३—

(1) वि प्रदान उपभिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि० दरियावाद द्वारा श्री सोताराम पाठ्येण
(प्रस्तरक)

(2) सुधीर कुमार सचदेवा

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टदोषकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

ममुसूची

सम्पत्ति संख्या 38 और 40 स्थित सरवार पटेल मार्ग
इलाहाबाद में से प्लाट संख्या 15 क्षेत्रफल 430.93 वर्गमील
तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जो संख्या
5141 में अंकित है जिनका पंजीकरण 37 जो फार्म के
अनुसार सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक
21-10-1980 को किया जा चका है ।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 3-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आहुं टी.एस.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० एस०-213/अर्जन—प्रसः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी प्लाट सं० 38 40 है तथा जो सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद में प्लाट नं० 16 स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उत्तरीय से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जहां अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) वि प्रयाग उपनिवेशन घावास एवं निर्माण सहकारी समिति लि० दरियाबाद द्वारा श्री सीताराम पांडेय सचिव (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शुक्ला दत्ता (प्रस्तरिती)
- (3) उपरोक्त अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्वय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिनिवार में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

सम्पत्ति संख्या 38 और 40 स्थित सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद में से प्लाट नं० 16 क्षेत्रफल 430.93 वर्गमीटर तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीज और फार्म 37-जो संख्या 5145 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में (37-जो फार्म के अनुसार) दिनांक 21-10-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 3-6-1981

मोहर:

प्रस्तुत बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्वेश सं० एस०-210/अर्जन—ग्रतः मूले अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38 और 40 है तथा जो सरवार पटेल मार्ग
इलाहाबाद में प्लाट नं० 34 स्थित है (और इससे उपाख्य
आनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कार्यकृत भूमि किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त संपत्ति संख्या 38 के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित बाबारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्जतः-

(1) दि प्रयाग उपनिवेश आवास एवं निम्नि सहकारी
समिति लि० दरियाबाब द्वारा श्री सीताराम पाण्डेय
सचिव (अन्तरक)

(2) श्री शारदा प्रसाद आर्ह० पी० एस०
(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्रमणः-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

आनुसूची

सम्पत्ति संख्या 38 और 40 स्थित सरवार पटेल मार्ग
इलाहाबाद में से प्लाट संख्या 34 अंकेफल 377.78 वर्ग गज
तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और 37 ओ फार्म
संख्या 5534 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक अक्टूबर 1980 को किया
जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 3-6-1981

मोहरः

प्रकृष्ट आई० ठी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 3 जून 1981

निर्देश सं०-209/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन समय अधिकारी जो, यह विवरण करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूर्ण 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट संख्या 35 है जो सरवार पटेल मार्ग, रामगढ़ मोहनदास पार्क में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 28 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार वूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवरास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक अधिनियम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप में नियत नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्टियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत. श्रव, उक्त अधिनियम को धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम द्वारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) दि प्रयाग उपनिषेशन आवास एवं निर्माण सहकारी समिति लि० वरियाबाद द्वारा श्री सीताराम पाण्डेय सचिव

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला मलिक

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी गम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रन्थालय 20-क में परिचारित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थालय में दिया गया है।

अनुसूची

लोज होल्ड प्लाट सं० 35 स्थित राम मोहन दास पार्क सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद क्षेत्रफल 355.56 वर्ग गज तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और 37 जो फार्म संख्या 5306 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में विनांक 28-10-80 को (37-जी० के अनुसार) किया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन,
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 3-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
शारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आर०-155/अर्जन—प्रतः मुझे, अमर सिंह,
बिसेन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट सं० 22 है तथा जो 38-40 सरदार
पटेल मार्ग इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1980
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्द्र प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की शारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की शारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दि प्रयाग उपमिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि० दरियाबाद।

द्वारा श्री सीताराम पाण्डेय सचिव

(अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार द्विवेदी

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्राप्तन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो
भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, न प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुभवी

लीज होल्ड प्लाट संख्या 22 क्षेत्रफल 316.18 वर्गगज
स्थित सम्पत्ति संख्या 38 और 40 स्थित सरदार पटेल मार्ग
इलाहाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो फार्म 37-जो संख्या
5263 व 5264 में वर्णित है जिनका पंजीकरण (फार्म
37 जी के अनुसार) 28 अक्तूबर 1980 को सब रजिस्ट्रार
इलाहाबाद में किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 3-6-1981

भोजन :

प्रस्तुप आइ०. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० एल०-३५/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 1-ए भटियारा रोड इलाहाबाद में है जो, 1-ए भटियारा रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 अक्टूबर, 1980

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हौं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(१) वि प्रयाग उपमिवेशम घावास घावास एवं निर्माण सहकारी समिति लि० दरियाबाद द्वारा श्री सीता राम पाष्ठेय सचिव ।

(अन्तरक)

(२) श्री लाल बिहारी लाल

(अन्तरिती)

(३) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी वाक्येष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के लिए लिखित में लिखा जा सकते।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्धूची

सम्पत्ति संख्या 1-ए भटियारा रोड इलाहाबाद में से की होल्ड भूमि में से एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 200 वर्गमीटर है तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जो संख्या 4888 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 3-10-70 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 3-6-1981

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भू०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

महाप्रधानी एवं सम्पर्क

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं. 30/अर्जन—ग्रास: मुझे, प्रमर सिंह विसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 13 है तथा जो राम मोहनदापार्क
38-40 सरदार पटेल मार्ग इलाहाबाद में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
28 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वे
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ५—

11—136GJ/81

- (1) दि प्रधान उपनिमेशम आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि।
द्वारा श्री सीताराम पाण्डेय, सचिव
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्द्र कान्ती गुप्ता
(अन्तरिती)
- (3) उपरोक्त अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना प्राप्ती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तवे ५—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की वैधिकी या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की वैधिकी, जो भी वैधिक
दाव ऐसे सम्पत्ति होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तसाक्षात् के
पास तिवित जैसे किए जा सकते।

लिखान :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृगजूधी

लीजहोल्ड प्लाट संख्या 13 क्षेत्रफल 488.75 वर्गगज
स्थित राम मोहन दास पार्क, सरदार पटेल मार्ग, इलाहाबाद
तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जी०
संख्या 5302 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार,
इलाहाबाद, के कार्यालय में दिनांक 28-10-1980 को किया
जा चुका है।

प्रमर सिंह विसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 3-6-1981

मोहर:

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० ए-100/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 33 है तथा जो 38-40 सरदार
पटेल मार्ग, इलाहाबाद में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
तिलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की आवत्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) विप्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि० दरियाबाद द्वारा श्री सीता राम पाण्डे,
सचिव (अन्तरक)
- (2) श्री अरुण कुमार (अन्तरिती)
- (3) उपरोक्त अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लीज होल्ड प्लाट संख्या 33 क्षेत्रफल 291.67 वर्गगज
स्थित सम्पत्ति संख्या 38 और 40 सरदार पटेल मार्ग इलाहा-
बाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड तथा
फार्म 37-जो संख्या 5138 में किया गया है और जिनका
पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक
21-10-1980 को (37-जो फार्म के अनुसार) किया
जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर शायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 3-6-1981

मोहर :

प्रकाश प्राइंटोरी एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प(1) के पश्चात सूचना

राजन मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून, 1981

निवेश सं० ए-१८/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या सम्पत्ति है जो, 1 प्रयाग स्टोडी पी रोड
इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 अक्टूबर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त भूमि का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपबारा (1) के
अछीम, निम्नलिखित अवित्तियों, भर्त्ता :—

- (1) दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि० दरियाबाद द्वारा श्री सीताराम पाण्डेय
सचिव
(अन्तरक)
(2) श्री अचिव कुमार
(अन्तरिती)
(3) उपरोक्त अन्तरक
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है।)

को वह सूचना आरी करके उक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया जारी है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो 10 अप्रैल
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ण अवित्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतनदूर किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्थापनी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

इष्टटीकरण :—इष्टमें प्रयुक्त शब्दों तथा पदों का, यो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

मुद्रसूची

अचल सम्पत्ति संख्या 1 स्थित प्रयाग स्टोडी पी०
रोड में से भूमि का प्लाट संख्या 7 ब्लॉकफल 200.78
वर्गमीटर वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37-जो
संख्या 4984/85 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजि-
स्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 10-10-1980 को
किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 3-6-1981
मोहर :

प्रकृष्ट भाई० टौ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, विमांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० ए-99/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्राप्ती है तथा जो प्रयाग स्टोडडी पी० रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 अक्टूबर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की आय 269-ग के, अनुसूचण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविकृतयों, अधिकृतः—

(1) दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी समिति लि० इरियाबाद इलाहाबाद द्वारा श्री सीता राम पाडेण्य, सचिव ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशीक निधान बनर्जी

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह अविकृत, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियों करता हूँ।

उक्त विधि के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजनाम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकृतियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकृतियों में से किसी अविकृत द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजनाम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविकृत द्वारा अवौहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इरक्कीरण :—इसमें अवौहस्ताभरी पर्याय का, जो उक्त अधिनियम, के प्रयोग 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथल सम्पत्ति संख्या 1 स्थित प्रयाग स्टोडडी पी० रोड इलाहाबाद में से भूमि का एक प्लाट तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37 जो संख्या 4830 में वर्णित है जिसका वंजीकरण सब रजिस्ट्रर इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 3-10-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 3-8-1981

मोहर :

प्रस्तुप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अजेन्ट रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निवेदण सं ० सी०-३१/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 9 व 11 है तथा जो स्ट्रेचो रोड, इलाहाबाद
में प्लाट नं० 23 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
में और इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
कार्यालय 1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 अक्टूबर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्ष किमी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अनुरूप:—

(1) दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि० दरियाबाद द्वारा श्री सीताराम पाण्डेय
सचिव

(अन्तरक)

(2) श्री चिन्मयो मुखर्जी

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 9 व 11 स्थित स्ट्रेचो रोड, इलाहाबाद,
में से लोज होल्ड प्लाट संख्या 23 क्षेत्रफल 316.18 वर्ग गज
तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जो
संख्या 5532 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार,
इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 28-10-1980 को किया
जा सका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 3-6-1981

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० एम-122/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 और 11 है तथा जो मंगांग इलाहाबाद में
में से प्लाट नं० 68 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि० दियाबाद, द्वारा श्री सीताराम पाण्डे,
सचिव।

(प्रस्तरक)

(2) श्री मोहम्मद मुस्सिलीन

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 9 और 11 स्थित गंगांग में से फी होल्ड
भूमि का प्लाट संख्या 60 थेक्सफल 231.33 वर्गगज तथा
वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म संख्या 5536
में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्टर इलाहाबाद के
कार्यालय में विनांक अक्टूबर 1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 3-6-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० यू०-26/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है जो, प्रयाग नारायण स्ट्रीट
डो पा रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 3 अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एरेगी किसी आय पा किसी धन या अन्य आमिलाओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, यौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी
समिति लि० वरियाबाद इलाहाबाद द्वारा श्री सीताराम
पांडेय सचिव

(अन्तरक)

(2) डा० उत्पल बनर्जी

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिण्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रथल सम्पत्ति संख्या 1 स्थित प्रयाग स्टेट डो० पी० रोड
इलाहाबाद में का प्लाट संख्या 8 जिसका क्षेत्रफल 505.87
वर्गगज है तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जो
संख्या 4832/33 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 3-10-1980 को किया जा
चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 3-6-1981

मोहरः

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—

(1) मैसर्स महिन्द्र एंड महिन्द्र लिमिटेड

(अन्तर्रक्ष)

आयत्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के प्रधीन सूचना(2) मैसर्स ओटिस एलिवेटर कम्पनी (इंडिया) लिमिटेड
(अन्तर्रिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बंबई

बम्बई, दिनांक 23 मई 1981

निर्देश सं० ए० आर० II/3067-16/अक्तूबर 1980—ग्रतः
मुझे, सुधाकर वर्मा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-वा
के अधीन उक्त प्रधीन को यह विष्वास करने का फारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक हैऔर जिसकी सं० एस० नं० 85, 86 (अं० श०) 87 (अंश)
है तथा जो आकुली लिलेज कांदिवली में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
27 अक्तूबर, 1980 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व
में कमो करने या उसे बचने में सुविधा के लिए;
ग्रोव/ए।(क) एसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक सम्पूर्ण अविकल्पों पर सूचना
जो नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में
न किसी अविकल्प द्वारा;(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रम्य अविकल्प द्वारा अघोषित अवधिकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अधार पर 20-6 में परिभाषित हैं, वही
अवै होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम्बे 107/74 बंबई
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-10-1980 को
रजिस्टर्ड किया गया है।सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, बम्बईग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष(1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अविकल्पों, अर्थात् —

दिनांक : 23-5-1981

मोहरः

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

(1) द स्वस्तिक टेक्सटाइल मिल्स लिमिटेड

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के अधीन सूचना

(2) जयश्री शंकर नातु

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बंबई

बंबई, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० ए० प्रार० III/ए० पी० 368/81-82—अतः
मुझे, सुधाकर वर्मा,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 27 एस०
तं० 14-ए (विलेख सं० एस० 951/ 76 है तथा जो चेंबुर
छिलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 30 अक्टूबर, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रहृ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आप की आवश्यकता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अस्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (11)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधिकारी—
मार्गत्र ५—

12-136GT/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा प्रधोत्स्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 951/76 बंबई उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 30-10-1980 को
रजिस्टर्ड किया गया है।सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, बंबई

दिनांक: 6-6-1981

मोहर:

प्रूल्प आहू. टी. एन. एस. -----

(1) श्री सोराव रुस्तम वरचा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मन्मूरगलि वलीमुहम्मद इस्सानी, और श्रमीरगलि इसाभाई रयानी टेनंट्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंबई

बंबई, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० ए० आर०-I/4472-1/81-82—अतः मुझे, मुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है', की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 10, सी० एस० नं० 4/643 माझगांव डिक्रिजन है तथा जो घोरपदेव गोड़ में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980 (विलेख सं० बाबे 406/80)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविस्यों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ज्ञातः-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बंबई 406/80 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 14-10-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बंबई

दिनांक: 6-6-1981

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, बंबई

बंबई, दिनांक 6 जून 1981

निवेश सं० ए० आर०-I/4474-3/81-82—अतः मुझ,
मुद्राकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 4/1416 सी० टी० एस० नं०
3601, 3686, 4326 लोग्गर पेल डिविजन एफ० पी०
नं० 466 है तथा जो सादर में स्थित है (और इससे जपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 अक्टूबर, 1980
(विलेख सं० बंबई 1448/78)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का न्यून
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ष) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटौं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के असरक के दायित्व में
कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मुकुंदरा वाई० माणगांडुकर

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० राजवाडकर

(अन्तरिती)

(3) अनुसूची के अनुसार

1. मि० राऊत
2. श्री देसाई डी० एस०
3. श्री बागायतकर
4. श्रीमती गावंड
5. श्री चेबुरकर
6. श्री सतपाल (बट्टे)
7. श्री सावंत डी० के०
8. श्री तुकाराम
9. श्री नारवेकर
10. मिसेस रणदिवे
11. श्री कदम
12. श्री रघुपती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपांहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जसा कि विलेख सं० बंबई 1448/78 बंबई¹
उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 14-10-1980 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-11, बंबई

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्रस्तुति भारतीय टी० एन० एस०—

(1) मराठे गजानन कृष्णराघ और अन्य (प्राद्वेष्ट द्रस्ट)

(ग्रन्तरक)

(2) प्रकाश बी० कामत

(ग्रन्तरिक्षी)

(3) मेंबर्स (टेनेंट्स)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बंबई

बंबई, दिनांक 6 जून 1981

निवेश सं० ए० आर०-१/4482-11/80-81—अतः मुझे,
सुधाकर वर्मा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 65/10 प्लाट नं० 67 है तथा
जो बाहर माटुंगा डिवीजन में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22 अक्टूबर, 1980
(विलेख नं० बंबई 2784/79)को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ की उपावड़ (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० नं० बंबई 2784/79,
उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 22-10-1980 को
रजिस्टर्ड किया गया है।सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बंबई

दिनांक: 6-6-1981

मोहर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—I बंबई

बंबई, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं.० ए० आर०-1/4484-13/80-81—अतः पुक्ते,
सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं.० सी.० एस.० नं. 195 है तथा जो मलबार
और खंबाला हिल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

(विलेख सं.० नं. 4438/बाम्बई/67)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ दूर किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

(1) मैसर्स भकटावर कन्स्ट्रक्शन कॉ. प्रा० लिमिटेड।
(अन्तरक)

(2) दी श्रीटलस अपार्टमेंट कॉ. प्रा० हा० सोसायटी
लिमिटेड।
(अन्तरिती)

(3) मेंबर आफ दि सोसायटी
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) मेंबर आफ दि सोसायटी
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:-—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं.० नं. 4438/बंबई/67,
उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 28-10-1980 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस० ——

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० ए० आर०-1/4485/14/80-81—ग्रतः मुझे,
सुधाकर वर्मा,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अंदीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

आँर जिसकी सं० सी० एस० नं० 750 है तथा जो माझगांव
में स्थित है (आँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आँर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 27 अक्टूबर 1980 (विलेख सं० नं० बांध्य 2515/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्ति उक्त अधिनियम के अधीन नहीं करने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करते थे उससे बचने में मुश्किल के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
मुश्किल के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूचना में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, सम्पत्ति :—

(1) मिस अवि जे० के० आर० कामा

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नरेन्द्र विल्डर्स

(अन्तरिती)

(3) टेनेंट्स

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोलिखित वार्ता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उद्देश्य :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रयं होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बांध्य 2515/79 उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-10-1980 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्रकाश बाई० दी० एस० एच०—

जागरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बंबई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1981

निर्देश सं० ए० आर०-1/4475-4/80-81—अतः मुझे,
सुधाकर घर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इच्छित पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), भी भारा 269-व
के अधीन संभाल प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, विश्वास उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 221 मलवार हिल डिवीजनल
है तथा जो एन० सी० दामोदकर रोड में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
6 अक्टूबर, 1980 (विलेख सं० 2122/69 बंबई)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मूँहे वह विश्वास
करने का कारण है कि व्याप्रूपोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी धारा की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कठी करने या उक्ते बचने ये सुचिया
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी अप्य या किसी इन वा व्याप्त आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1937 (1937 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
व्याप्त या किया जाना चाहिए या, छिपाने
ये सुचिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमातृत :—

(1) श्री एन० एल० दालमीया

(अन्तरक)

(2) सुधाकर को० आप० हा० सो० लिमिटेड

(अन्तरिती)

- (3) 1. जांति देवी जे० अग्रवाल
2. लक्ष्मी देवी के० अग्रवाल
3. डा० जबारमल एस० मिश्रा
4. पूनदिवी जे० मिश्रा
5. शामसुंदर सराफ और ओम प्रकाश सराफ
6. विजय कुमार सराफ
7. कुमुम मोमाभाई पटेल
8. मैसर्स पवन टेकस्टाइल
9. पन्ना देवी एस० अग्रवाल
10. महादेवप्रसाद एस० अग्रवाल
11. नेमोनाथ अग्रवाल
12. आस्ता राम अग्रवाल
13. पद्मादेवी अग्रवाल
14. गंगा देवी बी० अग्रवाल
15. वीरवदन तपारीया और शारदा देवी तपारीया
16. मैसर्स भारत कंटेनर्स प्रा० लि०
17. मैसर्स ट्रान्सपोर्ट कारपोरेशन आफ इंडिया
18. मैसर्स अतुल झुग हाऊस
19. भगवती देवी एच० दालमीया
20. उमा देवी एच० दालमीया
21. रनछोडाम एच० अग्रवाल
22. निरंजनलाल दालमीया

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी व्यक्ति द्वारा, अधोव्याप्ताधारी के पास
लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के व्याप्ति 20-व में परि-
भावित हैं, वही पर्यंत होता, जो उक्त व्याप्ति
में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० नं० 2122/69 (बांस्ब)
बंबई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-10-1980
को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर घर्मा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 11-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1981

निर्देश सं. ए० आर०-1/4476-5/80-81—ग्रत; मुझे,
सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी० एस० न० 1/194 मलबार और खंबाला
हिल उद्दीजिन है तथा जो इंडियाई रोड में स्थित है (और
इससे उपांड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्मा प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 अक्टूबर,
1980 (विनेश सं. 923/72)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यपाल नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पी० बी० केडिया डी० बी० केडिया, आर०
एन० केडिया बी० बी० केडिया, जी० बी० केडिया,
एच० बी० केडिया, एस० बी० केडिया, आर० बी०
केडिया। (अन्तरक)

(2) केडिया अपार्टमेंट को०-आप० हा० स० लिमिटेड
(अन्तरिती)

(3) अनुसूची के अनुसार

1. मिसेस ऑदेवी जी० बगरी
2. सवानंद पी० मोहन
3. पंकज जी० पारीख
4. रत्नीलाल आर० मंच
5. पारसमल आर० जन

6. पुखराज आर० जैन
7. वामादर प्रसाद पी० केडिया और अन्य
8. रामनीरंजन बी० केडिया
9. मिसेस शांताबेन सागरमल
10. मिसेस गुलाबबेन जे० सूचक
11. देवी प्रसाद बी० केडिया
12. प्रकाश चंद बी० चतुर्वेदी
13. कन्हैया लाल चुनी लाल और अन्य
14. निरंजन एच० खंसाली
15. मुनकांत के० कोठारी
16. गुलजारीलाल बी० केडिया
17. देवदयाल जी० कोठारी
18. बीठलदास जी० कोठारी
19. मुरेन्द्र कुमार बी० केडिया
20. कांतीलाल सी० कडाकिया
21. मिसेस लखीया देवी एम० सिंधनानी
22. मिसेज कलावती एस० मेहता
23. रवीन्द्र कुमार बी० केडिया
24. कुमारी एल० बी० मेहता
25. पन्नालाल जी० बागरी
26. हनुमान प्रसाद बी० केडिया
27. मिसेस मनोरमा जी० खीचा
28. विश्वनाथ बी० केडिया
29. प्रल्हाद राय बी० केडिया
30. मिसेस प्रेमलता बी० केडिया
31. रामनिरंजन बी० केडिया
32. हनुमान प्रसाद बी० केडिया
33. दामोदर प्रसाद पी० केडिया और अन्य
34. हनुमान प्रसाद बी० केडिया

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कर्वे भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की समिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृधि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनेश सं. 923/72 बम्बई उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-10-1980 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सुधाकर वर्मा,

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 11-6-1981

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०--
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की
धारा 26७-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 जून 1981

निवेदण सं० ए० आर०-III/ए० पी० 369/81-82—अतः
मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
26७-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- हपये अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 686 686/1, 2, 3, 4
है तथा जो अंधेरी सहार रोड में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 अक्टूबर, 1980
(विलेख सं० एस० 666/80)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर जो उपर
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया जाता है :—

(क) अस्तरण से तुर्हि किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के
लिए;

(1) मकि मानेकजी मोदि

(अन्तरक)

(2) गोविंद कांता अदित्या और अम्य

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-
बदल किसी अध्यक्ष द्वारा, अवोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इमर्गे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 666/80 बम्बई उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 30-10-1980 को रजि-
स्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा,
सकाम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26७-प के अनुसरण
में, यौं उक्त अधिनियम की धारा 26७-प की उपायारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवधियों अर्जन :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, पड़ापह आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 जून 1981

निर्देश सं० ए० आर०-III/ए० पी० 370/81-82—अतः
मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसने सं० है तथा जो ब्हृलेज भोगरा
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 1 अक्टूबर 1980 (विलेख सं० 1389/78)
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टिमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टिमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरमें) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रतिरोध के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त प्रतिरोध लिखित में नामित हर रूप से कठिन
नहीं लिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगात्मक अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिस जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) श्री रत्नलाल दयाराम वेद
(अन्तरक)
(2) अन्धेरी ट्रेड यूनियन सेन्टर ट्रस्ट
(अन्तरिक्ती)
(3) 1. विश्वनाथ भिवाजी पवार
2. काशीबेन जे० लिमाहिया
3. रघुनाथ ठिं० राने
4. गमनभाई एन० वैद्या
5. शीवराम एस० सुतार
6. प्रभाबेन के० पेंटर
7. जगशाथ के० शेट्टी
8. भास्कर एस० पवार
9. राधाबाई के महाडिक
10. शंकर सोनु महाडिक
11. जीवाभाई एच० लिमाचीया
12. मदनलाल सोहनलाल
13. राने

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी वार्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

ल्पल्टीकरण:—इसमें प्रकृत अव्ययों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के व्यवाय 20-क में परिवर्तित
हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस व्यवाय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1389/78 बंबई उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 1-10-1980 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
प्रार्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 12-6-1981

मोहर :

प्रकल्प प्राइंटी० एन० एस० —————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 मई, 1981

निर्देश सं० सी० ए० ५/एस०आर०ठाणै/अक्टूबर, ८०/५१३/
८१-८२—यतः मुझे ए० सी० चंद्रा

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, घृ विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं० 240, मकान नं० 1 (का भाग) खाली जमीन
नं० 388, एफ० पी० नं० 233, टी० पी० एस० नं० 1 है
तथा जो पंचपाखेड़ी ठाणे, में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय ठाणे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल वृश्यमान
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यविधि
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यविधियों, अपर्याप्ति :—

1. श्री विजय बिलडसे,
कुते आराधना सिनेमा,
आफ बाम्बे, आग्रा, रोड, पंचपाखेड़ी,
ठाणे-400602
(2) राजेश्वरी, बिलडसे,
चांदणी, 114, स्टेशन रोड,
ठाणे-1
(अन्तरक)

2. मैसर्स शिलाली को०आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
मर्यादित, : आराधना सिनेमा के सामने,
आफ बाम्बे आग्रा रोड, पंचपाखेड़ी,
ठाणे-400602
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में मैं इसी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवधि पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तानी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्राप्ति शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन और मकान जो सं० नं० 240, मकान नं० 1
(का भाग), खुली जमीन नं० 388, एफ० पी० नं० 233,
टी० पी० एस० नं० 1, पंचपाखेड़ी, ठाणे, सालका और जिला
ठाणे में स्थित हैं।

(उक्त संपत्ति जैसा कि विक्रय विलेख रजिस्टर क्र० 688
पर बताया गया है और जो अक्टूबर, 80 में दुष्यम निबन्धकद्वा
ठाणे के बफ्टर में रजिस्ट्रीकृत है)

ए० सी० चंद्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-5-81
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 3rd June 1981

No. A 32014/2/80-Admn. II—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate on ad-hoc basis as Assistant Controller (DP) in the Commission's Office for the period from 1-6-81 to 31-8-81 until further orders, whichever is earlier.

1. Miss Santosh Handa
2. Shri S. P. Bansal
3. Shri B.R. Gupta

P. S. RANA,
Section Officer,
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 9th June 1981

No. A. 32014/2/81-Admn. II—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri O. P. Arora, a permanent Librarian and officiating Reference Librarian of the office of Union Public Service Commission to the posts of Senior Librarian in a temporary capacity in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 29-5-1981 until further orders.

P. S. RANA,
Section Officer,
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 27th May 1981

No. A-19014/5/77-Admn. I—In continuation of this office Order of even number dated 25th May, 1981, Shri S. Balachandran, an officer of IRAS and working as Deputy Secretary in the office of U.P.S.C. has been relieved of his duties in the office of U.P.S.C. with effect from the afternoon of 27th May, 1981.

The 30th May 1981

No. A-32013/1/81-Admn. I—The President is pleased to appoint S/Shri R.N. Sharma, H. M. Biswas & B. K. Bhattacharya, permanent Section Officers of CSS to officiate as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission on an ad-hoc basis for the period shown against each:—

S. No.	Name	Period
1.	S/Shri	
1.	R.N. Sharma . . .	w.e.f. 17-2-81 to 16-5-81
2.	H.M. Biswas . . .	Do.
3.	B.K. Bhattacharya . . .	w.e.f. 15-4-81 to 14-6-81

Y. R. GANDHI,
Under Secy (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE
REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th June, 1981

No. A-19021/3/79-AD.V—The President is pleased to appoint Shri R.C. Dikshit, IPS (UP-1964) to officiate as Dy. Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special

Police Establishment with effect from the forenoon of 30th May, 1981 to May, 1984.

No. A-19021/4/80-AD.V—The President is pleased to appoint Shri S.K. Chatterjee, IPS (OR-1964) to officiate as Dy. Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 30th May, 1981 till 11-5-1985.

No. A-19021/5/81-AD.V—The services of Shri B. L. Joshi, IPS (1971-Rajasthan) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Jaipur Branch were placed back at the disposal of the Govt. of Rajasthan with effect from 3-6-1981 (Afternoon) on repatriation.

The President is pleased to appoint Shri S. K. Sharma, IPS (SPS Rajasthan) as Supdt. of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police, Establishment Jaipur Branch with effect from the afternoon of 3rd June, 1981 and until further orders.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E)
C.B.I.

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

CENTRAL REVENUE

New Delhi, the 1st June 1981

No. Admn. I/O.O. No. 95—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri D.R. Malhotra a permanent Audit Officer of this office has retired from service of the Govt. of India w.e.f. the afternoon of 31st May, 1981 (AN) His date of birth is 9-5-1923.

No. Admn. I/O.O.No. 100—The Director of Audit (General Reforms) hereby appoints the following Officiating Sections Officers of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 w.e.f. the forenoon of 30-5-1981 until further orders.

Sl.No. Name

1. Shri O. P. Goel.
2. Shri J. P. Kaushik

(Sd) ILLEGIBLE
Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
KARNATAKA

Bangalore, the 6th June, 1981

No. ES. I/A4/81-82/244.—The Accountant General is pleased to promote Shri AP Raman Kutty, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of his seniors, if any, with effect from the date of his taking over charge.

K. KUPPUSAMY
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL:
RAJASTHAN

Jaipur, dated the 9th June, 1981

No. Admn. II/G-Notification/48—The Accountant General, Rajasthan is pleased to project the following Section Officers of this office and appoint them as officiating Accounts officers

with effect from the dates noted against each until further orders:—

- S/Shri
 1. Pooran Singh Kora . . . 26-5-81(AN)
 2. Satya Narain Shukla . . . 26-5-81 (AN)
 3. Amar Nath Sapra . . . 26-5-81 (AN)
 4. Jag Saran Singh Tyagi . . . 30-5-81 (FN)
 5. Gopal Narain Srivastava . . . 5-6-81 (FN)

M. SINGH
 Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY
 OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
 SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 11th June 1981

No. A-19018(409)/79-Admn. (G)—Consequent upon his posting as Deputy Adviser (Level-I) in the Planning Commission, Shri S. M. Meena, a grade II officer of IES has relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (E1) in this office w.e.f. the forenoon of 25th May, 1981.

C. C. ROY,
 Dy. Director (Admn.) G.

MINISTRY OF STEEL AND MINES
 (DEPARTMENT OF MINES)
 GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 10th June 1981

No. 3149B/A-32013(AO)/78/19A—Shri N. K. Pasin, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of 4-2-1981 against the leave vacancy of Shri A.R. Biswas, Administrative Officer, Central Region, Geological Survey of India, Nagpur.

No. 3160B/A-19012(7-8JY)/19A—Shri Jacob Yuhanna, Administrative Officer, Geological Survey of India is released by the Director General, Geological Survey of India for appointment as Senior Administrative Officer Grade-I in the Research & Development Establishment, Ministry of Defence with effect from the afternoon of the 30th December, 1980.

The 11th June 1981

No. 3272B/A-19012(3-RPS)/80/19B—Shri R. P. Sawalakhe Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation w.e.f. 30-12-80 (AN)

V. S. KRISHNASWAMY,
 Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 11th June 1981

No. F. 20 (C-2)-1/61-A/1 Estt.—Shri B.R. Sharma, Superintendent is appointed to officiate as Administrative Officer (Group 'B') (Gazetted) on purely *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 15th June, 1981 and until further orders (vice Shri B.S. Kalra, Administrative Officer proceeded on leave). This *ad-hoc* appointment will not confer any right or claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

His pay is fixed @Rs. 920/- P.M. in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200.

(Sd) ILLEGIBLE
 Director of Archives.

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
 NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING
 ORGANISATION

Calcutta-700019, the 9th June 1981

No. 35-2/80/Estt.—Shri Asoke Kumar Sen has relinquished charge of the post of Scientific Officer with effect from the forenoon of 29th May, 1981 in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation. As per recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Sen is promoted to the post of Junior Technical Officer and he has assumed charge of the said post with effect from the forenoon of the 29th May, 1981 in the same Organisation, until further orders.

No. 35-2/80/Estt(i)—Shri Durga Das Saha has relinquished charge of the post of Scientific Officer with effect from the forenoon of 4th June, 1981 in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation. As per recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Saha is promoted to the post of Junior Technical Officer and he has assumed charge of the said post with effect from the forenoon of the 4th June, 1981 in the same Organisation, until further orders.

S. P. DAS GUPTA,
 Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th June 1981

No. A12025/25/78 Admn-I—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Prabhat Kumar Kac Kar to the post of Dental Surgeon at the C.G.H.S. Ahmedabad with effect from the forenoon of 11th May, 1981 in a temporary capacity and until further orders.

T. C. JAIN,
 Dy. Director Administration (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
 POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 10th June 1981

No. PPED/3 (262)/76-Admn./6539—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay, hereby appoints Shri P.G. Menon, a permanent Assistant Personnel Officer of this Division as General Administrative Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 20, 1981 upto the afternoon of June 20, 1981 vice Shri R.V. Bajpai, General Administrative Officer promoted as Administrative Officer.

No. PPED/3(262)/78-Adm./6541—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K.G. Vaswani, a permanent Personal Assistant and officiating Stenographer-III of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 20, 1981 to the afternoon of June 20, 1981 vice Shri P.G. Menon, Assistant Personnel Officer promoted as General Administrative Officer.

R. V. BAJPAI,
 Administrative Officer.

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400 001, the 4th June, 1981

No. DPS/A/32011/3/76/Est./11253.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Ravendran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from April 20, 1981 (FN) to May 30, 1981 (AN).

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer.

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 22nd May 1981

ORDER

Ref: NFC/PA. V/2606/0741/1053—WHEREAS Shri Syed Kursheed Ali, Scientific Assistant 'A', EPP, NFC has been remaining absent from duty unauthorisedly from 1-7-80 onwards without prior intimation/sanction of leave and causing dislocation of work;

AND WHEREAS the said Shri Kursheed Ali was issued with a telegram on 24-12-80 directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC/TP/A-42 dated 24-12-80 was also sent to him by Registered Post A.D., to his local address viz. H. No. 16-6-330/1, Osmanpura, Near Chaderghat, Hyderabad-500 024, was returned undelivered by postal authorities with remarks 'Left';

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC/TP/A-42 dated 24-12-80 sent by Registered post A.D., to his permanent address viz. Masjid Qila, Nizamabad Dt., was also returned undelivered by postal authorities with remarks 'No such person at this address';

AND WHEREAS the said Shri Kursheed Ali continued to remain absent from duty inspite of the instructions issued from Administration;

AND WHEREAS the undersigned proposed to hold an inquiry against the said Shri Syed Kursheed Ali under Rule 14 of CCS (CC&A) Rules, 1965 and a charge sheet vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/0741/478 dated 26-2-81 was sent by registered post with A.D. to his local address at H. No. 16-6-330/1, Osmanpura, Near Chaderghat, Hyderabad and also to be his permanent address viz., Masjid Qila, Nizamabad Dt;

AND WHEREAS the charge sheet dt. 26-2-81 sent to his local address at H. No. 16-6-330/1, Osmanpura, Hyderabad and permanent address at Masjid Qila, Nizamabad Dt., were returned undelivered by postal authorities with remarks 'Left' and 'No such person at this address';

AND WHEREAS the said Shri Kursheed Ali continued to remain absent and failed to inform NFC of his whereabouts;

AND WHEREAS the said Shri Kursheed Ali has been guilty of voluntarily abandoning service;

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under rules;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under DAE Order No. 22 (1)/68-Adm. II dt. 7-7-79 and/or under Rule 19 (ii) of CCS (CCA) Rules, 1965,

hereby removes the said Shri Kursheed Ali, from service with immediate effect.

N. KONDAL RAO
Chief Executive

Shri Syed Kursheed Ali
H. No. 16-6-330/1
Osmanpura, Near Chaderghat
Hyderabad

Shri Syed Kursheed Ali
Masjid Qila
Nizamabad District.

Hyderabad, the 31st May 1981

No. PAR/0704/21/83—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Sri V.R.N. Iyer, Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis, against a leavy vacancy in Nuclear Fuel Complex from 23-5-81 to 21-6-81 or until further orders, whichever is earlier.

No. PAR/0704/2784—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Sri P. Rajagopalan, Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis, against a leavy vacancy in Nuclear Fuel Complex from 20-5-81 to 29-6-81, or until further orders, whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 12th June 1981

No. E(I)00917—Resignation of Dr. Prawal Sinha, Assistant Meteorologist, Office of the Deputy Director General of Meteorology (Climatology & Geophysics), Pune India Meteorological Department, has been accepted with effect from the forenoon of 8th March, 1978.

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th June 1981

No. A. 32014/4/80-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants at present working as Asstt. Comm. Officer on ad-hoc basis to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis w.e.f. 26th May, 1981 and to post them to the station indicated against each:

S. Name No.	Station of posting
1. S/Shri L. S. Govila . . .	Aero. Comm. Stn., Safdarjung Airport, New Delhi.
2. D. K. Chowdhury . . .	Aero. Comm. Stn., Calcutta.

The 12th June 1981

No. A. 32013/11/79-EC—The President is pleased to appoint Shri P. J. Iyer, Tech. Officer, Aero. Comm. Station,

Madras to the grade of Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from 11-5-81 (FN) and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.

PREM CHAND
Assistant Director of Administration.

CENTRAL WATER & POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 3rd June 1981

No. 602/32/81-Admn.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') (Gazetted), the Director, Central Water and Power Research Station, Pune, hereby appoints the following officers in the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a regular basis in an officiating capacity with effect from the date shown against each:

1. Shri A.K. Sathe . . . 1-1-81
2. Shri C.N. Kanetkar . . . 29-4-81

The above officers will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering), CWPRS, Pune for a period of 2 years with effect from the date shown against them.

J. L. SEHGAL,
Chief Administrative Officer.

MINISTRY OF RAILWAYS

**RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS
ORGANISATION**

Lucknow-11, the 10th June 1981

No. A/EP-1465—The resignation of Sh. K.S. Bhati, who held lien on the post of Asstt. Inspecting Engineer/Track of Research Designs and Standard Organisation (Ministry of Railways), Lucknow, has been accepted wef 9-2-81 (AN)

L. F. X. FREITAS,
Director General

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMP AN
AFFAIRS**
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ajanta Fabrics Limited (In Liquidation)

Hyderabad, the 9th June 1981

No. 650/Liqn., Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Ajanta Fabrics Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies
Andhra Pradesh.

Bombay the 10th June 1981

No. 12897/ Lig.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Bombay Industrial & Alloy Steel Limited has been ordered to be wound up

by an order dated 9-7-1980 passed by the High Court of Maharashtra and that the official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the Company

No. 11200/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445 (2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Business Credit & Finance Corp. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 24-9-80 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

O. P. JAIN,
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra Bombay.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. S. G. S. Puri and Co. Private Limited.*

New Delhi, the 12th May 1981

No. 4691/9169—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three month from the date hereof the name of the M/s. S.G.S. Puri and Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Yuvak Publishers Private Limited.*

New Delhi, the 15th May 1981

No. 5560/9381—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Yuvak Publishers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Soumani Publications Private Limited*

New Delhi, the 19th May 1981

No. 5184/9756—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Soumani Publications Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Western Carrier Pvt. Ltd.*

New Delhi, the 8th June 1981

No. 5356/11054—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Western Carrier (Pvt.) Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Voiture Club of India Limited.*

New Delhi, the 9th June 1981

No. 4638/11204—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of

the Voiture Club of India Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 2nd June, 1981

F. No. JUR-DLI/II/81-82/4925—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax mentioned in Col. 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such incomes or classes of income or such cases or classes of cases as fall within

the jurisdiction of the ITOs of the District/ Circles mentioned in Col. 2 of the said schedule:

SCHEDULE

Ranges	Income-tax	Distt/Circles
1	2	
1. Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax (Assessment) Range-IV New Delhi (Previously designated as IAC, Range-II-F.N. Delh.)	1. Companies Circles-XXI & XXV. New Delhi.	
2. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Assessment) Range-VI, N. Delhi (Previously designated as IAC, Range-II-H, N. Delhi)	Company Circles—IV & XVIII, New Delhi	

This Notification shall take effect from 2-6-1981

N.S. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th May 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR, Thane/Oct. '80/513/81-82.—Whereas,
I, A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 240, H. No. 1 Pt. O. P. No. 388 F. P. No. 233 at T. P. S. No. 1, situated at Panchpakhadi, Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thane on Oct. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
14—136GI/81

(1) Vijay Builders,
C/o Aradhna Cinema,
Off Bombay Agra Road,
Panchpakhadi,
Thane-400602.

2. Rajeshvarya Builders,
Chandani, 114, Station Road,
Thane-1.

(Transferor)

(2) Shilpali Co-op. Housing Society Ltd.,
Opp. Aradhna Cinema,
Off Bombay Agra Road,
Panchpakhadi
Thane-400602.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 240, H. No. 1 Pt., O. P. No. 388 F.P. No. 233 at T. P. S. No. 1, Panchpakhadi, Thane, Tal. & Dist. Thane.

(Property as described in the sale-deed register under document No. 688 dt. Oct. 1980 in the office of the Sub-Registrar, Thane.)

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 20-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 4th April 1981

Ref. No. P.R. No. 1352 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 24 of Krishna Coop. Housing Society, situated at Sardarnagar area, Bhavnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 23-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ushaben Anant Prabhu Desai,
Plot No. 24,
Krishna Society, Sardarnagar,
Bhavnagar.

(Transferor)(s)

(2) Chandraba Mulrajsingh Gohil;
Plot No. 24, Krishna Society,
Sardarnagar, Bhavnagar.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building standing on land, admeasuring 610.63 sq. mts. bearing Plot No. 24 of Krishna Coop. Housing Society, situated at Sardarnagar area Bhavanagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2131 dated 23-10-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 4-4-81

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 4th April 1981

Ref. No. P.R. No. 1353 Acq. 23—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 705-B situated at Near Dawn, Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 13-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Vasumati Manvantray Parekh;
2. Surendra M. Parekh;
3. Chandrakant M. Parekh;
Nehru Road, Vile-Parle (East),
Bombay-50.

(Transferor)(s)

- (2) Manaharben Jamnadas;
Plot No. 1004-b, Near Dawn,
Bhavnagar.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A construction standing on land admeasuring 436.96 sq. mts. bearing Plot No. 705-b, situated near Dawn, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vido Regn. No. 2062 dated 13-10-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1981

Seal :

Form I.T.N.S.—

(1) 1. Vasumati Manvantray Parekh;
 2. Surendra M. Parekh;
 3. Chandrakant M. Parekh;
 505, Vimal Apartments,
 Jani Villa Compound,
 Nehru Road, Vile-Parie (East),
 Bombay-50.

(Transferors)

(2) Vasantlal Dahyala Sheht;
 Plot No. 1004-B, Near Dawn,
 Bhavnagar.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 4th April, 1981

Ref. No. P.R. No 1354 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, **MANGI LAL** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 705-A situated at Near Dawn, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 13-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A building standing on land, admeasuring 441.21 sq. mts bearing Plot No. 705-A, situated in Dawn area, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn No. 2054 dated 13-10-80.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1981

Seal:

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th June 1981

Ref. No. ASR/81-82/55—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agt. land in Vill. Alwalpur situated at Teh. Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Gurdaspur on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Ram Piari wd/o Bela Singh
r/o village Alwalpur
Teh & Distt. Gurdaspur P. O. Bhumbli
(Transferor)

(2) S/Shri Swinder Singh,
Raghbir Singh & Jagdish Singh
ss/o Jaswant Singh & Shmt. Joginder Kaur
w/o Amrik Singh Village Alwalpur PO Bhumbli Teh & Distt. Gurdaspur.
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 31K 1M situated in village Alwalpur, Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 4525 dated 8-10-1980 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-6-81
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 23rd May, 1981

Ref. No. ASR/81-82/56—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One building Dasaundha Singh Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on October 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jatinder Bawa s/o Bawa Gurbax Singh, Shmt. Bulwant Bawa w/o Bawa Gurbax Singh r/o 12-A, Dasaundha Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Sodhi S/o Ganpat Rai Sodhi r/o 12-A Race Course Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Kathi No. 12-A private No. 941/XIII situated on Dasaundha Singh Road (Civil Lines) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2292/I dated 27-10-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 23-5-81

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Amritsar, the 23rd May, 1981

Ref. No. ASR/81-82/57—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One building at Dasaundha Singh Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bawa Kuldip Singh & Bawa Jagdish Singh ss/o Bawa Gurbax Singh
r/o 12-A Dasaundha Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Santosh Kumari W/o Sh. Sita Ram Chopra r/o 12-A Race Course Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Kothi No. 12-A private No. 941/XII situated on Dasaundha Singh Road (Civil Lines) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2291/I dated 27-10-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : -23-5-81.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raj Kumari w/o Sh. Kala Mal r/o Shakti Nagar Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Piara Lal s/o Sh. Sawan Mal r/o Navi Haweli Inside Gate Hakiman, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One old building (area 259.74 sq. mttrs. No. 198/I Min situated in Katra Karam Singh Bazar Qila Bhagian, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2304/I Dated 28-10-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-5-81.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
Amritsar, the 22nd May, 1981

Ref. No. ASR/81-82/59—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Kot Harnam Dass situated at Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Amritsar on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Arjan Singh s/o Udhamp Singh through Harbhajan Singh s/o Kundan Singh Mukhtar Aam, Sultanwind Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Thakar Ranjit Singh s/o Sh. Thakur Maddi Ram r/o Bahadur Nagar Gali No. 1 House No. 3438, Amritsar. Now (H. No. 10893/40 P.No. 50, Abadi Kot Harnam Dass Amritsr) (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house No. 10893/40 P. No. 50 Kh. No. 2151/1567/571 (area 100 sq. mtrs) situated in Abadi Kot Harnam Dass, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2877/I dated 2-12-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 22-5-81

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Janak Raj s/o Sh. Dhani Ram r/o Gali Dhab Khatikan, Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s. Sunbeam Textile Amritsar, East Mohan Nagar, Amritsar through partner Ravinder Kapoor
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
Amritsar, the 14th May, 1981

Ref. No. ASR/81-82/60—Whereas, I ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One buildings in East Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One building (factory) Khasra No. 290 situated in East Mohan Nagar, Guru Ravi Das Marg, Amritsar (Urban) as mentioned in the sale deed No. 2471/I dated 12-11-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-5-81.
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th May, 1981

Ref. No. ASR/81-82/61—Whereas, I ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot at Lawrence Road (Daya Nand Nagar) Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shmt. Chand Rani
d/o Sh. Panna Lal
W/o Sh. Parma Nand
r/o Lawrence Road Daya Nand Nagar,
Kothi No. 115-A, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Kamni Dawar
w/o Sh. Sham Sunder Dawar,
Sam Sunder Dawar S/o Sh. Rattan Chand Dawar
r/o 31, Majitha Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 732 sq. mtrs situated in Daya-nand Nagar (Lawrence Road) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 24957 I dated 17-11-80 of the registering authority Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 26-5-81
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 20th April, 1981

Ref. No. IAC.ACQ/173/81-82—Whereas, I A.M. KHER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 and 5 Mouza Jaripatka Sheet No. 215, Byramji Town, Nagpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 20-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Nagpur Mahavidyalaya Staff Co-operative Housing Society, Nagpur.
2, Kishanlal Sharma, Sewa Sadan, C.A. Road, Nagpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 4 & 5 Mouza Jaripatka Sheet No. 215, Byramji Town, Nagpur.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981.
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 6th June, 1981

Ref. No. RAC. No. 14/81-82/Kakinada Squad.—Whereas,
I S. GOVINDARAJAN
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearing

No. S. No. 182/2 situated at Mushiwada Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam in October, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Balam Bazaz,
 W/o. Sri Ramesh Bazaz,
 Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) M/s. The City Teachers Co-operative House Building Society Ltd.,
 Bisakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land ad-measuring Ac. 21-60 cents at China Mushiwada Village, Near Pendurthi Village, Visakhapatnam was registered during the month of October, 1980 vide document no. 6744/80 with the SRO, Visakhapatnam.

S. GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad
 (AP)

Date: 6-6-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June, 1981

Ref. No. RAC. No. 15/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. D. No. 2-1-8 situated at Sriramanagar Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on October, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Mummidi Ammaji,
W/o Late Tata Rao, D. No. 2-1-8,
Sriramanagar, Kakinada,
2. Sri M. Kamaraju,
3. Smt. J. Bala Kameswari,
4. Smt. L. Suryanarayananamma.
5. Kum. M. Lalitha Kumari and Kum. M. V.
Laxmi, Devi,
Being minor rep. by mother, Ammaji.

(Transferor)

- (2) Smt. Mohd. Noordahan Begum,
W/o Mohd. Chand Basha,
(2) Mohd. Ameeruddin, S/o Mohd. Malim Basha
Krishnamurthy Street, Suryaopeta,
kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Door No. 2-1-8, 1st Ward-Old Block—6—
New Bloc-2-T.S. No. 150 situated at Sriramanagar, Kakinada was registered with the SRO Kakinada, vide document no. 8412/80

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-6-81.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June, 1981

Ref. No. RAC. No. 16/81-82/J No. 1091/EG./Kakinada
Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th Share in Rice Mill, at Yerravaram Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Prathipadu on October, 80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

(1) Sri Budda Naidu alias babu Rao, S/o. Budda Suranna,
Peddanapally Village,
Prathipadu Taluk, E.G. Dt.

(Transferor)

(2) Sri Bandaru Yesu Babu,
S/o Sri Rama Murthy,
Mutyalamma Temple Street,
Pitapuram.

(2) Sri Mamidipaka Veerabhadra Rao,
S/o Lova Raju, Yeleswaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th Share in Rice Mill with Machinery etc. bearing Door
No. 3-4-54 under S. No. 267/2 in Yerravaram Village was registered
with the SRO, Prathipadu during the month of October,
1980 vide document no. 2460/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-6-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 6th June 1981

Ref. No. RAC. No. 17/81-82 J. No. 1092/EG./Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th Share in Rice Mill, at Yerravaram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Prathipadu on October, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Budda Subramanyam,
S/o Naidu,
Peddanapalli Village, Prathipadu Taluk
E.G. Dt.

(Transferor)

(2) Sri Bandaru Yesu Babu,
S/o Sri Rama Murthy
Mutyalamma Temple Street,
Pitapuram.

(2) Sri Namidipaka Veerabadra Rao,
S/o Lova Raju, Yeleswaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/4th Share in Rice Mill with Machinery etc. bearing Door No. 3-4-54 under S. No. 267/2 in Yerravaram Village was registered with the SRO, Prathipadu during the month of October, 1980 vide document no. 2461/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-6-81.
Seal :

FORM ITNS.**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 6th June 1981

Ref. No. RAC. No. 18/81-82/J. No. 1093/EG/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th Share in Rice Mill, Yeravana Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Prathipadu on October, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Budda Nookayamma,
W/o Naidu—Alias-Babu Rao
Peddanapally Village, Prathipadu Taluk,
E.G. Dt.

(Transferee)

(2) 1. Sri Bandaru Yesu Babu,
S/o Sri Rama Murthy,
Mutyalamma Temple Street,
Pitapuram,
2. Sri Mamidipaka Vecrabadra Rao
S/o Lova Raju, Yeleswaram Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th Share in Rice Mill with Machinery etc. bearing door No. 3-4-54 under S. No. 267/2 in Yerravaram Village was registered with the SRO, Prathipadu during the month of October, 1980 vide document no. 2462/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-6-81
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—136GI/81

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June, 1981

Ref. No. RAC. No. 19/81-82/J. No. 1094/E.G./Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share in Rice Mill, Yerravaram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Prathipadu on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Pedakamsetty Kantamani,
W/o Venkateswara Rao,
Peddanappaly Village,
Prathipadu Taluk, E.G.D.L.

(Transferor)

(2) Sri Bandaru Yesu Babu,
S/o Sri Rama Murthy,
Mutyalamma Temple Street,
Pitapuram.

(2) Sri Mamidipaka Veerabara Rao,
S/o Lova Raju,
Yeleswaram Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th Share in Rice Mill with Machinery etc., bearing Door No. 3-4-54 under S. No. 267/2 in Yerravaram Village was registered with the SRO, Prathipadu during the month of October, 1980 vide document No. 2463/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-6-1981
Seal:]

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th June, 1981

Ref. No. RAC No 97/81-82/—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN
 being the Competent Authority
 under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
 believe that the immovable property, having a fair market
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No Grape garden situated at Mechal Taluk R.R. Dt
 (and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Hyderabad on October 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market
 value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(1) Smt. Uma A. Shah
 W/o Arun S. Shah
 R/o 6, Umanagar Colony
 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri D.P. Loyalka
 S/o J. K. Loyalka
 1-11-231/1 Begumpet,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Grape Garden "Green Pearl" kandla koi village, Medical
 Taluk Rangareddy district area 17 Acres 14 guntas registered
 with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No 11251/80.

S. GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 7-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 11th May, 1981

Ref. Notice No. 328/81-82—Whereas, I

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 95/1, Plot No. 122, House No. 737 situated at Serula-Salvadar do Mundo-Bardez

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ilhas under document number 362 on 7-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Bismarc Crisanto de Sequeira Facho.

2. Mrs. Doris Berta Facho.

R/o. Alto Porvorim, Bardez, Goa.

Transferor(s)

- (2) Mr. Joaquim Rodrigues,
C/o Mohammad Abdul Rehman,
PO Box 148 Kuwait.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 362 Dated 7-10-1980)

Northern property (Measuring 550 Sqm) of the entire property "Fondé Galum" & building thereon situated at Serula-Salvado do Mundo-Bardez, bearing survey No. 95/1, plot No. 122, House No. 737.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 11th May, 1981

Ref Notice No. 329/81-82—Whereas, I

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey Chalta No. 2 situated at Ward Borda, Margao (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salcete under document No. 91/556 on 30th October 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (1) Shri Amiralli Kasamalli,
(2) Shrimati Zarina Amiralli,
Residents of Pajifond,
Margao-Goa.

(Transferors)

(2) (1) Shri Chandrashekhar Madhukar Desai,
(2) Shri Jayant Madhukar Desai,
(3) Shri Deepak Madhukar Desai,
(4) Shri Vishwas Madhukar Desai,
C/o Shri Madhukar D. Desai,
Station Road, Margao-Goa.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 91/556) Dated:—30th October, 1980)

Land and building known as "Depoybata or Assumbata" bearing Survey Chalta No. 2, situated at Ward Borda of Margao-Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1981
Seal:

FORM ITNS

- (1) (1) Shri Ramrai Nillu Shirodkar alias Rama Nillu Naik.
 (2) Smt. Vilaya alias Janaki Ramrai Shirodkar.
 R/o Corlim, Tiswadi, Goa.
 (Transferors)
- (2) Mrs. Shashikala Vinayak Chodanakar,
 R/o Mala, 31st Jan Road,
 Panaji, Goa.
 (Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 11th May, 1981

Ref. Notice No. 330/81-82—Whereas, I
R. THOTHATHRI
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E. 213, matriz No. 190, CS. No. 184 situated at Mala, 31st Jan Road, Panaji, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas under document number 410 on 21-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 401)

Dated 21-10-1980

Land and building bearing No. E. 213, matriz No. 190, CS. No. 184 situated at Mala, 31st Jan Road, Panaji.

R. THOTHATHRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1981
 Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th May, 1981

Ref. No. C.R. No. 62/30014/80-81/ACQ/B—Whereas,

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 116/1.B. situated at B. Narayana Pura, Krishnaraja puram, (Hobli) Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Bangalore South (TQ) under Document No. 5655/80-81 on 10-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. S. Cherian,
No. 116/1 B. Narayana Pura,
Krishnaraja puram (Hobli)
Bangalore.

(2) Sri N. K. Bhura,
No. 35, Armanian Street,
Calcutta-1

Transferor(s)

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5655/80-81 Dated 10-9-80)
All that property bearing No. 116/1 B. Narayana pura, Krishnaraja puram, (Hobli) Bangalore.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 26-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 19th May, 1981

Ref. No. C.R.M. 62/28481/80-81/ACQ/B—Where, I

R. THOTHATHRI
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S.

No. 237/A, 2B F T.S. No. 303/A28 situated at Kadri Village, Bendur Ward, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore City Under Document

No. 728/80-81 on 24-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri G. Vedavyasa Kamath,
 S/o Narasimha Kamath
 Business man 'Geetha Sadan',
 Kadri, Mangalore-3

(Transferor)
 (2) Shri Upendra Nayak, M.
 S/o Vaman Nayak, Bank Officer
 Canara Bank, Circle Office,
 Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 728/80-81 dated 24-10-1980)

All that property bearing R.S. No. 237/A2B T.S. No. 303/2B with old house No. 15-8-446 situated at Kadri Village, Bendur Ward, Bangalore.

R. THOTHATHRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-5-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM FINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 21st May, 1981

Ref. No. CR. No. 62/28491/80-81/Acq/B.—Whereas, I
 R. THOTHATHRI
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that
 the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. R.S. No. 48-IB, situated at Padavu Village, Mangalore-
 575004,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer
 at Mangalore City under Document
 No. 753/80-81 on 25-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
 the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—
 17-136 GI/81

- (1) Shri (1) B. Ramakrishna Rao,
 Deviprasad, Padavu, Mangalore.
- (2) H. Raghavendra Achor (3) Ravindranath K.
 Pai Krishna Nivas, Padavu, Mangalore-575004.
 (Transferor)(s)

- (2) Oasis Desserts & Relishes,
 C/o Krishna Raju, 78-1,
 Shankarappa Garden,
 Magadi Road, Bangalore-560023.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of the notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 753/80-81 Dated 25-10-80
 All that property bearing R.S. 48/IB land with Building
 Padavu Village, Mangalore.

Boundary:—

On North:— R.S. No. 48-1A

On South:— Remaining portion of the same Sy. No.

On East:— R.S. No. 266/1A & 266 /IB

On West :—Remaining portion of the same Sy. No.

R. THOTHATHRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-5-1981

Sd/- :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 16th May, 1981

Ref. C.R. No. 6%/28250/80-81/ACQ/B—Whereas, I

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old No. 241 and new No. 17, situated at Richmond road, Civil Station Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore under Document

No. 2020/80-81 on 10-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. (1) Dr. Jayanarayana Reddy, S/o Late Sri T.N. Ramakrishna Reddy.
 (2) T.N. Jayasurya Reddy,
 S/o Late T. N. Ramakrishna Reddy
 both residing at No. 17,
 Richmond Road, Civil Station, Bangalore.
 (Transferor) (s)
2. M/s Sunny Homes (P) Ltd,
 No. 17, Norris road,
 Bangalore, represented by its Directors.
 (1) Sri Thomas Chacko
 (2) Shri E.G. Goveas.
 (Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered document No. 2020/80-81 dated 10-9-1980)

All the property bearing Old No. 241 and New No. 17, situated at Richmond road, Civil Station Bangalore.

R. THOTHATHRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 16-5-1981
 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001
Bangalore-560001, the 26th May, 1981Ref. CR. No. 62/28310/80-81/Acq/B—Whereas, I
R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site No. 243, Situated Binnamangala Layout Defence Colony, Indira Nagar, Bangalore-38.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore under Document No. 2352/80-81 on 29-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Syed Hussain S/o Meer Mohd Saleh,
No 18.
Cunningham Road, Civil Station,
Bangalore-52.

Transferor(s)

(2) Miss Laju, V. Nainani D/o. Vasudev Nainani,
Burlington House,
10th Floor B-Z, 90-94,
Nathan Road, Kowloon, Hong Kong.
Also C/o. Mr. Mohan Mirpuri "Rances" Commercial Street, Civil Station, Bangalore.

Transferee(s)

(3) "VENDOR"

(Person(s) in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**THE SCHEDULE**(Registered Document No. 2352/80-81 Dated 29-9-80
All that piece and parcel of land being vacant site bearing No. 243 Binnamangala Layout (Defence Colony) Indira Nagar, Bangalore-38.

Bounded by

On North:	By forty feet Road.
On South:	By Site No. 242.
On East :	By Eighty feet Road.
On West :	By Site No. 232.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.
Date : 26-5-81.
Seal:]

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 23rd May 1981

Ref. C.R. No. 62/28034/80-81/ACQ/B—Whereas,

I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 659 and T.S. No. 246 (Western Portion) situated at Attawar Village, Mangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore under document No. 683/80-81 on 11-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (a) Mrs. Theresa D'Souza,
W/o Sri Lawrence D'Souza
Attawar, Railway Road,
Mangalore.

(b) Sri Lawrence D'Souza,
S/o Sri John D'Souza,
residing at ~~as above~~.

(2) Sri Jerome D'Souza,
S/o Sri John D'Souza
residing at Jeppoo
Mangalore-2

Transferor(s)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 683/80-81 dated 11-9-1980.)

All that property bearing S. No. 659 and T.S. No. 246, (Western Portion) situated at Attawar Village, Mangalore.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 23-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 26th May, 1981

Ref. C.R. No. 62/28249/80-81/ACQ/B—Whereas, I

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24 (old) New No. 16, situated at Richmond road, Civil Station, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore under document

No. 2019/80-81 on 9-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) **Smt (1) J. Srinivasa Reddy,**
S/o Late B. Jayaram
- (2) **Mrs. Lalitha S. Reddy, W/o of No. 1**
- (3) **Kum. S. Vijitha Reddy D/o No. 1**
- (4) **S. Venkataram Reddy, S/o no. 1**
- (5) **J. Surendr Reddy, S/o Late S. Jayaram**
- (6) **Mrs. Renuka S. Reddy, W/o No. 5**
- (7) **Master S. Jayaram Reddy**
(Minbr sons)
- (8) **Master S. Pratap Reddy**
(of No. 5)

(All residing at No. 16, Richmond Road, Bangalore)

- Transferor(s)
- (2) **Shri M/s Sunney Romes (P) Ltd.,**
No. 17, Morris road, Bangalore.
represented by its Directors (1) Sri Thomas Chacko
S/o T.J. Chacko (2) E.G. Goveas S/o Lm.
Goveas.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2019/80-81 Dated 9-9-1980)
All that property bearing Old No. 24, and New No. 16, Richmond road, Civil Station, Bangalore.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 26-5-1981
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore, the 11th May, 1981

Ref. C.R. No. 2/28730/80-81/ACQ/B—Whereas, I
R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 57/1, Southern 1/3 portion of No. 57-58 Situated at Osborne Road, Division 53, Bangalore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 2829/80-81 on 15-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri N.G. Swamy,
S/O Late G. Nagarathnam Iyer,
No. 25 Dr. Rangachari Road,
Mylapore, Madras-4

(Transferor)

(2) Grasmere Housing Co-operative Society Limited, Osborne Road, Bangalore.
No. 57-57/1-58 Osborne Road, Bangalore.
Rep by Sri P.V. Venkateswaran
Chief Promoter

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2829/80-81 dated 15-11-1980)

All that Property bearing No. 57/1, (Southern 1/3 portion of No. 57-58) situated at Osborne Road, Division No. 53, Bangalore, Bounded by

On North —By portion of property No. 57-58
On South —By Private property
On East —Do.
On West —By Osborne Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 11-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA**

Patna-800 001, the 3rd June, 1981

Ref. No. III-491/Acq/81-82—Whereas, I

R. PRASAD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 713A, Thana No. 196, Holding No. 872/A
situated at Kokar, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) (i) Sarban Kumar Mukherjee
(ii) Sri Hara Kumar Mukherjee
(iii) Shri Sakti Kumar Mukherjee All Sons of Late Subodh Chandra Mukherjee,
R/o 23 Khirki Lanc Chinsurah Dist. Hooghly

(Transferor)

- (2) Shri Sunil Kumar Bhatia (ii) Shri Sushil Kumar Bhatia
Both sons of Late S. N. Bhatia R/o 5 Main Road Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 29 Katha situated at Village Kokar Dist. Ranchi more fully described in deed No. I-5879 dated 9-10-80 registered at Insurance of Calcutta.

R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-6-81

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 3rd June, 1981

Ref. No. III-492/Acq/81-82—Whereas, I, R. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 222 (old 104 A/6) Circle No. 6 Ward No. 10 (old Ward No. 2) situated at New Dak Bungalow Road, Patna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 11-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (i) Shri Animesh Chakravarty W/o Late H.C. Chakraverty

(ii) Shri Arajit Chakravarty

S/o Late H.C. Chakraverty

(iii) Smt. Sharmin Bhattacharjee

W/o Dr. A. K. Bhattacharjee

of New Dak Bungalow Road, Patna-I

(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh and Ashok Kumar Singh

S/o Late Parsuram Singh R/O Hajipur

Dist. Gopalganj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 4 Katha 12 dhurs with house at New Dak Bungalow Road P.S. Kotwali Dist. Patna more fully described in deed No. 7449 dated 11-10-80 registered with D. S. R. Patna.

R. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-6-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITN6

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 3rd June, 1981

Ref. III-493/Acq/81-82—Whereas, I, R. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Thana No. 373 Khata No. 530 situated at Kashap. P.S. Udwant Nagar, Dist. Bhojput.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikramganj, on 24-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Dr. Birendra Pratap Singh, M.B.,B.S.
S/o Late Babu Shri Ram Singh At & P. O. Kashap
P.S. Udwant Nagar Dist. Bhojpur.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Rajeshwari Prasad Singh
S/o Late Babu Guru Prasad Singh
At & P. O. Kashap P.S. Udwant Nagar
Dist. Bhojpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 6 Acres 42 Decimals situated at Kashap, P.S. Udwantnagar, Dist. Bhojpur morefully described in deed No. 7446 dated 24-10-80 registered with Sub-Registrar Bikaramganj, Dist. Bhojpur.

R. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Da : 3-6-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA**

Patna-800 001, the 3rd June, 1981

Ref. No. III-494/Acq/81-82—Whereas, I, R. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. portion of M.S. Plot No. 2082 being 2082/1/CA and 2082/1 D.A. situated at Old Commissioner's Compound Ranchi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ranchi on 30-10-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Anup Kumar Chauhan
S/o Harilal P. Chauhan.
(ii) Shri Pramod Kumar Chauhan
S/o Shri Kesharji Chauhan
Both resident of old Commissioner's Compound P.S. Kotwali Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Devi Narsaria W/o Sri Satyarnarayan Narsaria of old Commissioners Compound P.S. Kotwali, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 12 Katha 3 Chataks 4089 ft situated at old Commissioners Compound P.S. Kotwali Dist. Ranchi more fully described in deed No. 8127 dated 30-10-80 registered with D.S. Ranchi.

R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 3rd June 1981

Ref. No. III-495/Acq/81-82—Whereas, I, R. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 1226 Khesara No. 562 situated at Dighi Kalan, Hazipur.

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaisali on 31-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Chandra Singh S/o Shri Umesh Chandra Prasad Singh of Dighi Kalan P.S. Hazipur Dist. Vaisali. (Transferor)
- (2) Shri Neraj Kumar Sinha S/o Shri Suchit Kumar Sinha At Rajendra Nagar P.S. Kadamkuan, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 65 decimals situated at Dighi Kalan P. S. Hazipur, Dist. Vaisali morefully described in deed No. 5060 dated 31-10-80 registered with D.S.R. Vaisali.

R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM FINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA**

Patna-800001, the 9th June 1981

Ref. No. III-496/Acq/81-82. Whereas, I R. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Circle No. 123 Holding No. 9 and 16 Ward No. 22/28 situated at Sonar Toli, Ashok Rajpath, P.S. Khajkala, Dist. Patna. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna city on 11-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Hakim Mohammed Zaffar
(ii) Mohammed Yusuf Both sons of Late Hakim Mohammed Nazir Hussain Alias Hakim Nazu Saheb
(iii) Bibi Salah Khatoon W/o Mohammed Maknul
Mohammed R/o Mahallar Sonar Toli, Patna City,
P.S. Khajkala Dist. Patna.
(Transferor)

(2) Shri Bajnath Prasad S/o Late Sadholal R/o
Mohalla Gurhatta, Patna City, P.S. Khajkala, Dist.
Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha 7 Dhurs and 12 Dhurkis with building situated at Mohalla Sonartoli, Ashok Raj path Patna city P.S. Khajkala Dist. Patna more fully described at deed No. 5017 dated 11-10-80 registered with S.R. Patna, City.

R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 9-6-1981

Seal:

FORM NO. LT.N.S.

(1) Sri Agai Singh

(Transferor)

(2) Shri Sankarlal Majumdar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta-700 016, the 16th April 1981

Ref. No. AC-11/R-IV/Cal/81-82--Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing to

No. Dag No. 604 to 606 situated at Mouja-Hosnabad and Dhuliara, Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hooghly on 6-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land situated at polba, Mouja-Mouja-Hosnabad, Kh. No. 68, 33, 47, 23 Dag Nos. 604 to 606 and Mouja Dhuliara, Kh. No. 636, 653 Dag Nos. 1678, 1676, 1739, measuring 32 satak more particularly described as per Deed No. 1659 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta.

Date : 16-4-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

1. (1) Smt. Patari Devi (2) Bajrunglal
 (3) Smt. Sakuntala.

(Transferor)

2. Hara Krishna Agarwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 27th April 1981

Ref. No. TR-383/80-81/SI. No. 571/Acq. R-I/Cal.—Whereas,
I, I.V.S JUNEJA
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40 situated at Ganesh Chandra Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 5 cottahs 3 chittacks and 26 sq. ft. situated at 40, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta registered in the office of Registrar of Assurancer, Calcutta vide Deed No. I-5088 dated 2-9-80

I.V. S. JUNEJA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-4-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sambhu Nath Chunda

(Transferor)

(2) Smt. Asha Tekriwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 27th April 1981

Ref. No TR-397/80-81/Sl. No. 569/Acq. R-I/Cal.—Whereas,

I, I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 79 situated at Dr. Lall Mohan Bhattacharjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Calcutta on 14-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4 cottahs 12 chittacks and 10 sq. ft. with one storeyed building situated at 79, Dr. Lall Mohan Bhattacharjee Road, Calcutta, Registered in the office of Registrar of Assurances, Calcutta. Vide Deed No. I-6031 dt. 14-10-80.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1981
Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Nalini Bala Saha & Ors.

(Transferor)

(2) Sri Nilkamal Daw.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 27th April 1981

Ref. No. 501/Acq. R-III/81-82—Whereas, I,
I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 75 situated at Beniatala Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 14-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property being premises at 75, Beniatala Street, Calcutta-5, containing an area of land measuring 1k. 14. ch. 30 sft.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 27-4-1981
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 1st May 1981

Ref. No. AC-20/R-IV/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10/900 situated at Dungra K. M. Block, Kalimpong (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalimpong on 23-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Ugen Paljor Namgyal,
Bagdhara Road, Kalimpong.

(Transferor)

(2) Mr. Tashi Dorjee Bhatia
Fair Heaven, Development Area,
Kalimpong.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.04 acres of land with building situated at plot No. 10/900 under Kh.No. 96 of Dungra K. M. Block, Kalimpong, more particularly described as per Deed No. 401 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta.

Date : 1-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—136G1/81

FORM ITNS

(1) Sri Nityagopal Sadhu of Sutia,
Gaighata, 24 Pargs.

(Transferor)

(2) Sri Manohar Sur of Mogholtuli,
Chinchurah, Hooghly.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta-700 016, the 1st May 1981

Ref. No. AC-21/R-IV/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dig No 4/42, Holding No 31/29 situated at Ward No. 19 of Mogholtuli, Mohalla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hooghly on 6-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.061 acres with building situated at Holding No. 31/29 Ward No. 19 of Mogholtuli Mohalla Mouja Chinsurah, Hooghly more particularly described as per Deed No. 1620 of 1980.

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1981

Seal:

FORM ITNS

(1) Sati Prasanna Bhowmick

(Transferor)

(2) Mousumi Co-op. Housing Society, Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-700 016, the 26th May 1981

Ref. No. 913/Acq. R-III/81-82—Wh , I,
I. V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15 situated at Balhygunge Circular Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land property being premises No. at 15, Balhygunge Circular Road, Calcutta containing an area of 27 K.—12 Ch—37 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Moitri Roy.

(Transferor)

(2) Mousumi Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1981

Ref. No. 914/Acq./R-III/81-82—Whereas, I,
I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Balhygunge circular Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on October 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land property being premises No. at 15, Balhygange Circular Road, Calcutta, containing an area of 3K-4Ch-24 sq. ft.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1981
Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Atri Das.

(Transferor)

(2) Mousumi Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1981

Ref. No. 915/AcqR-III/81-82.—Whereas, I,

I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on October 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land property being premises No. at 15, Ballygunge Circular Road, Calcutta containing an area of 3K-4Ch-24 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1981
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Smt. Mita Das.

(Transferor)

(2) Mousumi Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1981

Ref. No. 916/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipur on October 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land property being premises No. at 15, Ballygunge Circular Road, Calcutta containing an area of 3K-4Ch-24 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1981
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Ganyatri Dey

Transferor

(2) Mousumi Co-op. Housing Society Ltd.

Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1981

Ref. No. 917/Acq. R-III/81-82—Whereas, I,

I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Balhyunge circular Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipur in October 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land property being premises no at 15, Balhyunge circular Road, Calcutta, containing an area of 3K-4ch-24 sq. ft.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 26-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Smt. Anita Sarkar.

Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mousumi Co-op. Housing Society Ltd.

Trans

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 26th May, 1981

Ref. No. 918/Acq. R-III/81-82—Whereas, I,
I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15 situated at Balhyunge Circular Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur in October 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land property being premises no at 15, Balhyunge circular Road, Calcutta containing an area of 3K-4 Ch-24 sq. ft.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd June, 1981

Ref. No. AC-17/R-II/Cal/81-82—Whereas, I,

K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 3302 situated at Mouza & P.S. Behala, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. S.R. Alipore at Behala, on 31-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Abhoya Mazumder
W/o Late Nirapada Majumder and Others.

(Transferor)

(2) Neeloy Co-operative Housing Society Ltd.,
Calcutta-38

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SCHEDULE

Land measuring 19-1/2 Cottahs at Behala, Calcutta. Dag No. 3302 More particularly described in deed No. 2554 of Jt. S.R. Alipore at Behala of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 2-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

20—136GT/81

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 1st June 1981

Ref. No. 919/Acq. R-III/81-82—Whereas, I,

I.V.S. JUNEJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 50 situated at Jatin Das Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on October 1980
for no apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Sri Joti Prakash Das Gupta

(Transferor)

(2) Anjalika Apartment owners' Society

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share of land measuring 5K-40 sq. ft. with structure of 50, Jatin Das Road, Calcutta.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Punya Priya Das Gupta

(Transferor)

(2) Anjalika Apartment owners' society

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st June 1981

Ref. No. 920/Acq. R-III/81-82—Whereas I,

I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 50, situated at Jatin Das Road, Calcutta

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipur on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share of land measuring 5K-40 sq. ft. with structure at 50, Jatin Das Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Niranjan Chakraborty

(Transferor)

(2) Narendra Nagar Co-operative Housing Society Ltd., Calcutta-60

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA
Calcutta, dated the 2nd June, 1981

Ref. No. AC-18/R-II/Cal/81-82—Whereas I,

K. SINHA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Kh. No. 2047 (Old Kh. No. 1151) situated at Gopalpur, P.S. Behala, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. S.R. Alipore at Behala, on 7-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 36 Ks. 8 Ch. at Gopalpur, Khaitan No. 2047 (Prev. No. 1151), P.S. Behala, Calcutta, More particularly described in deed No. 2421 of Jt. S.R. Alipore of Behala of 1980.

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta-700 016Date : 2-6-9181
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Anath Nath Mitra

(Transferor)

(2) Smt. Manju Sarkar,
W/o Sri Schindra Nath Sarkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th June 1981

Ref. No. AC-19/R-II/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. Dag No. 1255 situated at Plot no. 3, Bangur Ave, Block 'A' P.S. Lake-town (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at D.R. Alipore, 24 Pgs. on 10-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 5K. 24ch. at plot no 3, Bangur Ave, Block 'A' Cal-55 p. s. lake town (C.S. Dag No. 1255). More particularly described in deed No. 8375 dt. 10-10-80 of D.R. Alipore 24 pgs.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, 54,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd fl) Calcutta-700016

Date : 4-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Sri Nagendra Nath Dutta
(Transferor)
(2) Miss Zaibunnesa (minor) represented by father and natural Guardian Abdul Karim
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1981

Ref. No. SI. 576/TR-399/80-81—Whereas I,

I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at Collin Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two storied building being premises No. 4, Collin Lane, Calcutta with land admeasuring 7 Cottahs 2 ch. 14 sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta being No. 5904 on 10-10-80.

I.V.S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range -I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 8-6-1981.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 15th April 1981

Ref. No. G.I.R. No. D-39/Acq. - Whereas I, A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 122/4 IVES COURTS (HASHMAN HOUSE) situated at 2, Forsyth Road, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 14-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. C.G. IVES ROUTLEFF
Son of Mrs. E.I. HASHMAN
R/o 165, CHISLHUST KENT, ENGLAND
Presently residing at : IVES COURT,
2 FORSYTH ROAD, LUCKNOW.

(Transferor)

(2) Shri D. P. BORA's NOMINEE
M/s. Commercial Builders Pvt. Ltd.
11, Mahatma Gandhi Marg,
Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building theron the Immovable property bearing house No. 122/4, known as IVES COURT (HASHMAN HOUSE) situated at 2, FORSYTH ROAD, LUCKNOW bounded as below:—

East-Road, West-Ayodhya House, North—Cooperative Federation Building and house of Mr. Seth and South—Ram Das ka Hata and building of Smt. Rama Debi and all that description of the property which is given in form 37G No. 6271 and sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 14-10-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th April, 1981

Ref. No. A-93/Acq.—Whereas, I, A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 35-M/7-B (1/3rd share) situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 30-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shailendra Kumar Saxena,
Advocate
S/o late Shri Krishna Murari Lal Saxena,
Advocate
R/o H. No. 35/U/15,
Rampur Garden,
Civil Lines, Bareilly.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar
S/o Shri Mukut Behari Lal Vaish
R/o. H. No. 563-A, Mohalla-Sahukara,
Bareilly.

(Transferee)

(3) M/S. U. P. Cooperative Bank Ltd.
(Tenant)
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

206 sq. yds. of land and part of building forming 1/3rd share of the entire Kothi No 35-M/7-B (including building and land) situated at Civil Lines, Rampur Garden, PO. City Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6209 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 30-10-1980.

A.S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.
Date : 16-4-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th April 1981

Ref. G. I. R. No. A-91/Acq.—Whereas, I, A.S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 35-M/7-B situated at Rampur Garden, Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 30-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—136GI—81

(1) Shri Narendra Kumar Saxena
S/o Late Shri Krishna Murari Lal,
Advocate
R/o 35-U-5, Civil Lines, Rampur Garden,
Bareilly.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar
S/o Lala Mukut Behari Lal Vajsh
R/o H. No. 563-A,
Mohalla—Sahu Kara,
Bareilly.

(Transferee)

(3) M/s. U. P. Cooperative Bank Ltd.
(Tenant)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

206 sq. yds of land and part of building forming 1/3rd share of the entire Kothi No. 35-M/7-B (including building and land) situate at Civil Lines, Rampur Garden, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6210 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 30-10-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 16-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, dated the 16th April, 1981

Ref. NoM A-92/Acq.—Whereas, I A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 rd share of the Kothi No. 35-M/7-B situated at Rampur Garden Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 30-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Sita Saxena
Widow of late Krishna Murari Lal,
Advocate,
Through her Attorney—Shri Ravindra Kumar Sinha
S/o Late K.M. Lal R/o H. No. 35/M-15,
Rampur Bagh,
Civil Lines, Bareilly.
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar
S/o Lala Mukut Beharilal Vaish
R/o H. No. 563-A,
Mohalla-Sahu Kara,
Bareilly.
(Transferee)
- (3) M/s. U. P. Cooperative Bank Ltd.
(Tenant)
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

206 sq. yds. of land and part of building forming 1/3rd share of the entire Kothi No. 35-M/7-B (including building and land) situate at Civil Lines, Rampur Garden, PO. City Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6211 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Bareilly on 30-10-1980

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

A.S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.
Date : 16-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st May, 1981

G. I. R. No. S-205/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19 (old) 30 (New), situated at Moti Lal Nehru Road, Allahabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 15-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Lt. Col. Sushil Kumar Srivastava
2. Shailesh Kumar Srivastava (Minor Son)
Through father and natural guardian,
Lt. Col. Sushil Kumar Srivastava.

(Transferor)

- (2) Shri Shyam Lal,
Sachiv,
Nimn Evam Madhyam Vargiya Sahkari Avas Samiti
Ltd., (Regt. No. 125),
R/o 155-Nai Basti,
Keydganj,
Prayag,
Allahabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of bungalow No. 19 (old) 30-New, situated at Moti Lal Nehru Road, Allahabad—(Eastern portion) measuring 1084 sq. mtrs. (free-hold) and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 4875 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 15-10-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 1-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th May 1981

G. I. R. No. C- /Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 62/21-A (New No. 16) situated at Station Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 5-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Baljit Singh
2. Amar Jit Singh
3. Mrs. Swaran Baljit Singh
4. Dr. Veena T. Olden Burg
All resident of 352, Tulsidas Marg, Lucknow.
(Transferor)
- (2) M/s. Chitrakoot Hotel
Private Limited Company
16-Station Road, Lucknow.
through Shri Amarjit Singh,
Managing Director.
(Transferee)
- (3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)
- (4) Above transferee.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property formerly known as "Lal Kothi" including building and freehold land admeasuring 26860 sq. ft. bearing old No. 62/21-A (New No. 16) situate at Station Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 6795 and the Sale Deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 5-11-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 23rd May, 1981

G. I. R. No. A-95/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 498/159 (Old No. 248) situated at Faizabad Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 4-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Lalli Kumari Devi
2. Sri Rudendra Bikram Singh
3. Madhavendra Bikram Singh

(Transferor)

- (2) M/s. Amrawati Sahakari Grh Nirman Samiti Limited, E-2/3 Paper Mill Colony, Nishatganj, Lucknow.

(Transferee)

- (3) Seller. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 498/159 (Old No. 248) including land measuring 45873 sq. ft. situated at Faizabad Road, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 60 76 and in the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 4-10-1980.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 23-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd June, 1981

G. I. R. No. G-51/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 18 measuring 430·93 sq. yards situated at Ram Mohan Das Tandon Park, Sardar Patel Marg, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Allahabad on 17-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahakari Samiti Limited,
877-A, Dariyabad, Allahabad
through its Secretary
Shri Sita Ram Pandey
S/o Shri Harbans Pandey
R/o 66-Balrampur House,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Dr. Gopalji Tondon

(Transferee)

(3) Dr. Gopalji Tandon

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold plot No. 18 measuring 430·93 sq. yards, situated at Ram Mohan Das Tandon Park, Sardar Patel Marg, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in the Sale-deed and Form 37-G No. 5120 which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar, Allahabad on 17-10-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 2-6-1981

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 2nd June, 1981

G. I. R. No. S-208/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 369-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 26, Out of property No. 9 and 11 situated at Strachey Road, Allahabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 17-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Prayag Upniveshan Avam Nirman Sahkari Samiti Limited, 877-A, Dariyabad, Allahabad through its Secretary Shri Sita Ram Pandey, S/o Shri Harbans Pandey, R/o 66-Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Satish Kumar Nishad, R/o 173 Chaukhandi, Keydganj, Allahabad.

(Transferee)

(3) Satish Kumar Nishad (Above)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. 26 measuring 430.93 sq. yards out of property No. 9 and 11 Strachey Road, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37-G No. 5121 which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar, Allahabad on 17-10-1980.

A. S. BISEN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 2-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RONGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd June, 1981

G. I. R. No. T-24/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 & 11 Strachey Road, and 40 & 38 situated at Sardar Patel Marg, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 14-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Sulochani Devi Tandon
2. Sri Badri Vishal Tandon and
3. Sri Girish Tandon,
Partners in collectively called as
M/s. Ram Mohan Das Tandon (Properties)
33-Daya Nand Marg, Allahabad.

(Transferor)

- (2) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahakari Samiti Limited,
877-A Dariyabad, Allahabad
through its Secretary
Shri Sita Ram Pandey,
S/o Shri Harbans Pandey,
R/o 66 Balrampur House,
Allahabad.

(Transferee)

- (3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable properties No. 9 and 11 Strachey Road, Allahabad and 40 and 38 Sardar Patel Marg, Allahabad corresponding Nazul Plots Nos. 118, 118-A, 118-B and 118-C Civil Station, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37-G No. which have duly been registered at the Office of the Sub-Registrar, Allahabad on 14-10-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 2-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 9th June, 1981

G. I. R. J-53/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house measuring 1081 sq. mtrs. situated at Mohalla Lal Bagh, Moradabad City (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 16-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Chando Kunwar
Through Attorney Holder,
Shri Brij Bhushan Das Parewal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jugal Kishore
2. Prem Kumar
3. Amrit Khan
4. Shakir Husain

(Transferee)

(3) Above Serial No. 1.
(Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A single storeyed house measuring 1081 sq. mtrs. situated at Mohalla Lal Bagh, Moradabad City, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5891, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 16-10-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Lucknow.

Date : 9-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—136GL—81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. Y-6/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2 situated at Ram Mohan Das Park, Sardar Patel Marg, Allahabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 28-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited,
877-A Dariyabad,
Allahabad
through its Secretary (Sachiv)
Sri Sita Ram Pandey
S/o Sri Harbans Pandey
R/o 66 Balrampur House,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Y. P. Singh,
R/o 81-Vikramaditya Marg,
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferror

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lease-hold plot no. 2 measuring 417.77 sq. yds. situated at Ram Mohan Das Park, Sardar Patel Marg, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5304 which have duly been registered in the Office of Sub-Registrar, Allahabad on 28-10-1980.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. V-51/Acq.—Whereas I A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27-out of property no. 38 and 40 situated at Sardar Patel Marg Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 24-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited
877-A Dariyabad Allahabad through its Secretary (Sachiv)
Sri Sita Ram Pandey
S/o Sri Harbans Pandey
R/o 66 Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt. Vimla Sial
R/o 740 B, Lalitnagar, Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-hold plot no. 27 measuring 430.93 sq. yds. out of property No. 38 and 40 situated at Sardar Patel Marg Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37 G No. 5214 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Allahabad on 24th October 1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June, 1981

G. I. R. No. V-50/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17-out of property No. 38 and 40 situated at Sardar Patel Marg Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 21-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited,
877-A Dariyabad, Allahabad
through its Secretary (Sachiv)
Sri Sita Ram Pandey
S/o Sri Harbans' Pandey,
R/o 66 Balrampur House,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Virendra Saran
R/o 216-B Muir Road,
Allahabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. S-214/Acq.—Whereas I A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-out of property No. 38 and 40 situated at Sardar Patel Marg Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 21st October 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited, through its Secretary (Sachiv) 877-A Dariyabad, Allahabad Shri Sita Ram Pandey S/o Shri Harbans Pandey R/o 66 Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Kumar Sachdeva R/o 55-A Rajapur, Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lease-hold plot No. 15 measuring 430.93 sq. yds. out of properties no. 38 & 40 Sardar Patel Marg Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37-G No. 5141 which have duly been registered in the Office of Sub-Registrar Allahabad on 21st October 1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. S-213/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-out of property No. 38 & 40 situated at Sardar Patel Marg, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited,
877-A Dariyabad, Allahabad through its Secretary (Sachiv),
Shri Sita Ram Pandey
S/o Shri Harbans Pandey
R/o 66 Balrampur House,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shukla Dutta,
R/o 6 Ashok Road,
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferror.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold plot No. 16 measuring 430.93 sq. yds. out of properties No. 38 & 40, Sardar Patel Marg, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37-G No. 5148 which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar, Allahabad on October, 1980.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June, 1981

G. I. R. No. S-210/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34-out of property No. 38 & 40 situated at Sardar Patel Marg, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited,
877-A Dariyabad, Allahabad
through its Secretary (Sachiv)
Sri Sita Ram Pandey
S/o Sri Harbans Pandey
R/o 66 Balrampur House,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Sharda Prasad, IPS
R/o 24-Sardar Patel Marg,
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-hold plot No. 34 measuring 377.78 sq. yds. out of properties No. 38 and 40, Sardar Patel Marg, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5534 which have duly been registered in the Office of Sub-Registrar Allahabad on October, 1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June, 1981

G. I. R. No. S-209/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 35 Ram Mohan Das Park situated at Sardar Patel Marg, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 28th October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eavan Nirman Sahkari Samiti Limited,
877-A Darlyabad, Allahabad through its Secretary (Sachiv)
Sri Sita Ram Pandey
S/o Sri Harbans Pandey
R/o 66 Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Malik
C/o M/s. Palco Thread Mill, Kalyani Devi, Allahabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Ease-hold plot No. 35 measuring 355.56 sq. yds. Ram Mohan Das Park, Sardar Patel Marg, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37G No. 5306 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 28th October, 1980 (as per 37G form).

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 3-6-9181
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June, 1981

G. I. R. No. R-155/Acq.—Whereas J. A. S. BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 22—Out of property no 38 and 40 situated at Sardar Patel Marg, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 28th October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—136GL—81

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited,
877-A Dariyabad Allahabad through its Secretary (Sachiv)
Sri Sita Ram Pandey
S/o Sri Harbans Pandey
R/o 66 Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Dwivedi
W/o Shri Gyan Chand
R/o 16, Prayag Street, Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferror.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-hold plot No. 22 measuring 316·18 out of properties No. 38 & 40 Sardar Patel Marg, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5263 and 5264 which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar, Allahabad on 28 October, 1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. L-35/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-A Matiyara Road, situated at Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 3-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Prayag Upniveshan Avasthan Niranjan Sahkari Samiti Limited,
877-A Dariyabad, Allahabad
through its Secretary (Sachiv)
Sri Sita Ram Pandey
S/o Sri Harbans Pandey
R/o 66 Balrampur House,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Lal Behari Lal,
R/o 489 Badshahi Mandi,
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot No. Nil measuring 200 sq. yds. out of properties No. 1-A, Matiyara Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37G No. 4888 which have duly been registered in the Office of Sub-Registrar, Allahabad on 3-10-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. C-30/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13 Ram Mohan Das Park, Sardar Patel Marg, situated at Allahabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Allahabad on 28-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited,
877-A, Darlyabad, Allahabad
through its Secretary (Sachiv)
Sri Sita Ram Pandey
S/o Sri Harbans Pandey
R/o 66 Balrampur House,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Kanti Gupta
W/o Ram Chandra Gupta
R/o 99-A/5 Nevada Ashok Nagar,
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-hold plot No. 13 measuring 488·75 sq. yds. situated at Ram Mohan Das Park, Sardar Patel Marg, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37-G No. 5302 which have duly been registered in the Office of Sub-Registrar, Allahabad on 28th October, 1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM IIINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. A-100/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33-Out of property No. 38 & 40 situated at Sardar Patel Marg, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 21st October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Limited,
877-A Dariyabad Allahabad through its Secretary (Sachiv)
Sri Shri Ram Pandey
S/o Sri Harbabs Pandey
R/o 66 Balrampur House,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar Purwar
R/o 5 Patel Nagar,
Varanasi.

(Transferee)

(3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEME

Lease-hold plot No. 33 measuring 291.67 sq. yds. out of properties No. 38 & 40, Sardar Patel Marg, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5138 which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar, Allahabad on October, 1980.

A.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June, 1981

G. I. R. No. A-98/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at 1, Prayag Street, D. P. Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Allahabad on 10-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Sitaram Pandey,
Sachiv,
The Prayag Upniveshan Avam Nirman Sahkari Samiti Ltd.,
877-A, Darlyabad,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Achin Kumar
886, Purana Katra,
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land No. 7, measuring 200.78 sq. yds. out of property situated at 1, Prayag Street, D. P. Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G, No. 4984, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 10-10-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 3-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. A-99/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Property situated at 1, Prayag Street, D. P. Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Allahabad on 3-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sitaram Pandey,
Sachiv,
The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Ltd.,
877-A, Darlyabad,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Nidhan Banerjee
R/o 1, Dwarka Pd. Road,
Prayag Street,
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot out of property situated at 1, Prayag Street, D. P. Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4830, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 3-10-10-1980.

A. S. BISEN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**
Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. C-31/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23-out of property No. 9 & 11 situated at Strachey Road, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 28-10-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Limited,
877-A Dariyabad, Allahabad
through its Secretary (Sachiv)
Shri Sita Ram Pandey,
S/o Shri Harbans Pandey
R/o 66 Barampur House,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt. Chin Moyee Mukherji
R/o 638, South Road,
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-hold plot No. 23 measuring 316·18 sq. yds. out of properties No. 9 and 11 situated at Strachey Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-deed and Form 37-G No. 5532 which have duly been registered in the Office of Sub-Registrar, Allahabad on 28-10-80.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June, 1981

G. I. R. No. M-122/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 60-out of property no. 9 and 11 situated at Gangaganj, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eavan Nirman Sahkari Samiti Limited, 877-A Darlyabad Allahabad through its Secretary (Sachiv)

Sri Sita Ram Pandey
S/o Harbans Pandey
R/o 66 Balrampur House,
Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Mursaleen
R/o 2, Noor Ullah Road,
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Free-hold plot no. 60 measuring 231.33 sq. yds. out of properties no. 9 and 11 Ganga Ganj Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37-G No. 5536 which have duly been registered in the Office of Sub-Registrar, Allahabad, October, 1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**
Lucknow, the 3rd June, 1981

G. I. R. U-26/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8 measuring 505.57 sq. yds. situated at 1, Prayag Street, D. P. Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 3-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited, 877-A, Dariyabad, Allahabad through its Secretary (Sachiv), Shri Sita Ram Pandey, 66, Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Dr. Utpal Banerjee
1, Prayag Street,
D. P. Road,
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 8 measuring 505.57 sq. yds. out of property No. 1, Prayag Street, D. P. Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 4832 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 3-10-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
24—136GI—81

FORM ITNS

(1) M/s. Mahindra & Mahindra Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Otis Elevator Co. (India) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY
Bombay, the 23rd May, 1981

Ref. No. A. R. II/3067/16/October, 1980.—Whereas, I,
SUDHAKAR VERMA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 85-86 (pt.), 87 (pt.) situated at Akurli Village, Kandi vili

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom-107/74, registered with the Sub-Registrar of Bombay on 27-10-80.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHAKAR VERMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-5-1981

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Swastik Textiles Mills Ltd.

(Transferor)

(2) Jayashree Shankar Natu

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 6th June 1981

Ref. No. A. R.-III/A. P. 368/81-82.—Whereas I, SUDHAKAR VERMA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 27, S. No. 14-A/Document S. 951/76 situated at Chambur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-951/76 with the Sub-Registrar, Bombay on 30-10-1980.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHAKAR VERMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sorab Rustom Vatcha

(Transferor)

(2) Shri Mansoorali Valimohamed Issani and
Shri Amiral Esabhai Rayani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY
Bombay, the 6th June, 1981

Ref. No. A. R.-I/4472-1/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 10, C. S. No. 4/643 of Mazgaon Division situated at Ghorupdeo Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14-10-1980 (Document No. Bom. 406/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 406/80 registered with the Sub-Registrar of Bombay 14-10-1980

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bomba .

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property which exceeds the apparent consideration therefor by more than of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1981
S^te:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 6th June 1981

Ref. No. A. R.-I/4474-3/81-82.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 4/1416 of Lower Parel Divn. C. T. S. Nos. 3601, 3686-4325, F. P. No. 466 situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-10-1980 (Document No. Bom. 1448/78) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mukundrao Y. Mangaonkar (Transferor)
- (2) Shri C. H. Rajwadkar (Transferee)
- (3)
 - 1. Mr. Rawoot
 - 2. Shri Desai D. S.
 - 3. Shri Bhagaitkar
 - 4. Smt. Gawand
 - 5. Shri Chemburkar
 - 6. Shri Satpal (Batte)
 - 7. Shri Sawant D. K.
 - 8. Shri Tukaram
 - 9. Shri Narwekar
 - 10. Mrs. Randive
 - 11. Shri Kadam
 - 12. Shri Raghupati

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1448/78 and registered with the Sub-Registrar of Bombay on 14-10-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM ITNS

- (1) Marathe Gajanan Krishnarao & Ors.
(Private Trust)
(Transferor)
- (2) Prakash B. Kamat
(Transferee)
- (3) (Members) Tenants
[Person(s) in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th June, 1981

Ref. No. A. R.-I/4482/11/80-81.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 65/10, Plot No. 67 situated at Dadar Matunga Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-10-1980 (Document No. Bom. 2784/79), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. S. No. Bom./2784/79 and registered with the sub-registrar of Bombay on 22-10-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Bhaktawar Consts. Co. op. Ltd. (Transferor)
- (2) The Atlas Apartments C. H. S. Ltd. (Transferee)
- (3) Members of the society. (Person in occupation of the property)
- (4) Members of the society. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th June 1981

Ref. No. A. R.-I/4484/13/80-81.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 195 (Document No. 4438/Bom. 67) situated at Malabar and Cumbala Hill (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 28-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-4438/Bom./67 and registered with the sub-registrar, Bombay on 28-10-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Miss Avi J. K. R. Cama

(Transferor)

(2) M/s. Narendra Builders

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th June 1981

Ref. No. A. R.-I/4485/14/80-81.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 750 (Document No. S. Bom. 2515/75) situated at Mazgaon Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. S. No. Bom. 2515/79 and registered with the registrar, Bombay on 27-10-1980.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**
Bombay, the 11th June 1981

Ref. No. A.R.-I/4475-4/80-81.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 221 of Malabar Hill Division situated at Narayan Dabholkar Road, Malabar Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 6-10-1980 (Document No. 2122/69 (Bom.) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri N. L. Dalmia (Transferor)
- (2) Sudhakar Co-op. Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) 1. Smt. Shashidevi J. Agarwal
2. Smt. Laxmidevi K. Agarwal
3. Dr. Jabarmal S. Misra
4. Smt. Purnadevi J. Misra
5. Shri Shyamsunder Saraf and
Shri Omprakash Saraf
6. Shri Vijaykumar Saraf
7. Smt. Kusum Somabhai Patel
8. M/s. Pawan Textiles
9. Smt. Pannadevi S. Agarwal
10. Shri Mahadeoprasad S. Agarwal
11. Shri Neminath Agarwal
12. Shri Atmaram Agarwal
13. Smt. Padma Devi Agarwal
14. Smt. Gangadevi B. Agarwal
15. Shri Veeravadan Taparia &
Smt. Shardadevi Taparia
16. M/s. Bharat Containers Pvt. Ltd.
17. M/s. Transport Corporation of India Ltd.
18. M/s. Atul Drug House
19. Smt. Bhagwatidevi N. Dalmia
20. Smt. Umadevi S. Dalmia
21. Shri Ranchodas H. Agarwal
22. Shri Niranjanlal Dalmia.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2122/69 (Bom.) and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 6-10-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 11-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 11th June 1981

Ref. No. A. R.-U/4476-5/80-81.—Whereas, I, **SUDHAKAR VARMA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. C. S. No. 1/194 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Doongarsi Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Bombay on 6-10-1980 (Document No. 923/72) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. P. P. Kedia
2. D. B. Kedia
3. R. N. Kedia
4. V. B. Kedia
5. G. B. Kedia
6. H. B. Kedia
7. S. B. Kedia and
8. R. B. Kedia

(Transferees)
(2) Kedia Apartments Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferee)

- (3) 1. Mrs. Chanddevi G. Bagri
2. Sadanand P. Mondkar
3. Pankaj C. Parikh
4. Ratilal R. Merchant
5. Parasmal R. Jain
6. Pukhraj R. Jain
7. Damodarprasad P. Kedia & Others
8. Ramniranjan B. Kedia
9. Mrs. Shantaben Sagarmal
10. Mrs. Gulabben J. Suchak
11. Deviprasad B. Kedia
12. Prakashchand B. Chaturvedi
13. Kanhaiyalal Chunnilal & Others
14. Nirajan H. Bhansali
15. Manukant K. Kothari
16. Guljarilal B. Kedia
17. Daudayal G. Kothari
18. Bithaldas G. Kothari
19. Surendrakumar B. Kedia
20. Kantilal C. Kadakia
21. Mrs. Kalavati S. Mehta
22. Ravindrakumar B. Kedia
23. Mrs. Lakhadevi M. Singhania
24. Kumaril V. Mehta
25. Pannalal G. Bagri
26. Hanumanprasad B. Kedia
27. Mrs. Manorama G. Khicha
28. Vishwanath B. Kedia
29. Prahladrai B. Kedia
30. Mrs. Premlata B. Kedia
31. Ramniranjan B. Kedia
32. Hanumanprasad B. Kedia
33. Damodarprasad P. Kedia & Others
34. Haumanprasad B. Kedia

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 923/72 registered with the Sub-registrar of Bombay, on 6-10-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 11-6-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Maki Manekji Mody

(Transferor)

(2) Shri Govind Kabre Badricha & Others

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1981

Ref. No. A. R.-III/A. P. 369/81-S2.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. T. S. Nos. 686, 686/1, 2, 3, 4 situated at Andheri Sahar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-10-1980 (Document No. S. 666/80)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer (as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-666/80 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 30-10-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ratilal Dayaram Vaid

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1981

Ref. No. A. R.-III/A.P.-370/81-82.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 15 situated at Village Mogra Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-10-1980 (Document No. 1389/78) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ratilal Dayaram Vaid

(Transferor)

(2) Andheri Trade Union Centre (AITUC) Trust

(Transferee)

(3) 1. Yeshwant Bhikaji Pawar

2. Kashiben J. Limachiya

3. Raghunath T. Rane

4. Gamanbhai N. Valdya

5. Shrivram S. Sutar

6. Prabhaben K. Palnter

7. Jagannath K. Shetty

8. Bhaskar S. Pawar

9. Radhabai K. Mahadik

10. Shankar Sonu Mahadik

11. Jiwabhai H. Limachiya

12. Madanjal Sohanjal (Shop)

13. Rane (Shop)

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1389/78 and registered with the Sub-registrar, Bombay on, 1-10-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-6-1981

Seal :